THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 359 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.8 2083 गुरुवार, 26 मार्च-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सोनिया गांधी की हालत स्थिर

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। सोनिया गांधी की तबीयत को लेकर एक अहम अपडेट सामने आया है। उन्हें मंगलवार रात करीब 10:22 बजे सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। अस्पताल के चेयरमैन डॉक्टर अजय स्वरूप ने जानकारी देते हुए बताया कि सोनिया गांधी को पेट और यूरिनरी ट्रैक्ट में संभावित संक्रमण की जांच के लिए अभी भर्ती रखा जा रहा है। डॉक्टरों की एक टीम लगातार उनकी सेहत पर नजर रखे हुए है और आवश्यक जांच की जा रही है। डॉक्टरों के मुताबिक, शुरुआती तौर पर एंटीबायोटिक्स दी गई हैं ताकि संक्रमण को नियंत्रित किया जा सके। फिलहाल उनकी हालात स्थिर बताई जा रही है।

अमेरिकी अब्राहम लिंकन पर मिसाइल दागी : ईरान

इलाका छोड़कर भागा, कहा-रेंज में आया तो और हमले करेंगे

तेहरान, 25 मार्च (एजेंसियां)। ईरान ने दावा किया है कि उसने अमेरिका के जंगी जहाज एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस अब्राहम लिंकन पर मिसाइल हमला किया, जिसके बाद उसे इलाका छोड़कर पोजिशन बदलनी पड़ी। ईरानी सेना के मुताबिक, नौसेना ने कादेर क्रूज मिसाइलों से कैरियर को निशाना बनाया। इस हमले के बाद अमेरिकी बेड़े को अपनी स्थिति बदलनी पड़ी।

ईरानी नौसेना प्रमुख शहराम ईरानी ने कहा कि अमेरिकी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि जैसे ही यह बेड़ा मिसाइल रेंज में आएगा, उस पर और भी शक्तिशाली हमले किए जाएंगे। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो पाई है और अमेरिका की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

ईरान में हमलों का असर

अब तक करीब 1,500 लोगों की मौत, 18,551 घायल। मरने वालों में 8 महीने के बच्चे से लेकर 88 साल तक के बुजुर्ग। जंग में अब तक करीब 200 महिलाओं की मौत हुई। 28 फरवरी को स्कूल पर हमले में 168 बच्चों की मौत हुई। जंग में 55 हेल्थ वर्कर्स घायल, जिनमें 11 की मौत।

ईरान में 39 गिरफ्तार, स्टारलिंक डिवाइस भी जब्त

ईरान में सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 39 लोगों को गिरफ्तार किया है। खुफिया मंत्रालय के मुताबिक, राजधानी तेहरान में की गई इस कार्रवाई के दौरान हथियारों के साथ-साथ स्टारलिंक के कम से कम 7 डिवाइस भी जब्त किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी में 49 देसी बम, 2 कलाश्निकोव राइफल, 16 पिस्तौल, 50 मैगजीन और 1,500 से ज्यादा गोलियां बरामद हुई हैं। ईरानी प्रशासन का कहना है कि ये लोग देश की सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों में शामिल थे।

होर्मुज से पिछले 24 घंटे में 4 जहाज गुजरे

मिडिल ईस्ट में जारी जंग के बीच होर्मुज स्ट्रेट से पिछले 24 घंटे में एक कार्गो शिप और तीन तेल टैंकर गुजरे हैं। हालांकि, कुल ट्रैफिक अभी भी सामान्य समय के मुकाबले काफी कम है, क्योंकि युद्ध के चलते यह रूट लगभग ठप हो गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान फिलहाल चुनिंदा जहाजों को ही गुजरने दे रहा है। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया की करीब 20% तेल सप्लाई के लिए बेहद अहम है, इसलिए यहां की हलचल का असर सीधे ग्लोबल बाजार पर पड़ता है।

थाईलैंड की कंपनी बैंकचक कॉर्पोरेशन ने पुष्टि की है कि उसका एक तेल टैंकर ईरान के साथ बातचीत के बाद सुरक्षित रूप से होर्मुज से गुजर गया है। थाई विदेश मंत्री सिहासाक फुआंगकेटकिओ ने बताया कि उन्होंने ईरान से अनुरोध किया था कि जब थाई जहाज इस रास्ते से गुजरें, तो उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। >14

'देश में हर नागरिक के लिए समान कानून हो'

अमित शाह बोले यह बीजेपी की प्राथमिकता और संकल्प

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को गुजरात में भी यूसीसी लागू होने की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड के बाद अब गुजरात में भी समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पारित कर दिया गया है।

अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, देश में हर नागरिक के लिए एक समान कानून हो, यह भाजपा का स्थापना से ही संकल्प रहा है। मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की राज्य सरकारें इस दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही हैं। मुझे हर्ष है कि उत्तराखंड के बाद अब गुजरात ने भी समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पारित करने का ऐतिहासिक कार्य कर अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई है। इसके लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और इस बिल को समर्थन देने वाले सभी विधायकों को बधाई देता हूँ। देश तुष्टीकरण के आधार पर नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के लिए समान कानून से चले, यह हमारी प्राथमिकता भी है और संकल्प भी है। गुजरात सरकार ने यूनिफॉर्म सिविल कोड यानी समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर बड़ा फैसला लिया। मंगलवार को जस्टिस रंजना देसाई की अगुवाई वाले यूसीसी पैनल ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को तीन वॉल्यूम में अपनी ड्राफ्ट रिपोर्ट सौंप दी थी। गुजरात सरकार ने फरवरी 2024 में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने के लिए कमेटी का गठन किया था। इसके बाद कमेटी ने विवाह, तलाक, विरासत और गोद लेने से जुड़े समान कानून को लेकर सुझाव लिए थे। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री ने धामी सरकार की खुलकर सराहना करते हुए कहा था कि उत्तराखंड ने यूसीसी लागू कर देश के सामने एक नई मिसाल पेश की है।

वित्त विधेयक लोकसभा से पारित

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। वित्त विधेयक 2026 लोकसभा में 32 सरकारी संशोधनों को शामिल करने के बाद पारित हो गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि भारत तेजी से सुधारों के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि देश में सुधार किसी मजबूरी में नहीं, बल्कि स्पष्ट सोच, आत्मविश्वास और प्रतिबद्धता के साथ किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार है और लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का फोकस भरोसे पर आधारित टैक्स सिस्टम बनाने पर है, जिसके तहत ईमानदार करदाताओं के लिए परेशानियां कम की जा रही हैं। टैक्स प्रशासन को अधिक पारदर्शी और आसान बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। वित्त मंत्री ने आम लोगों को राहत देने के लिए 17 जरूरी जीवनरक्षक दवाओं को बेसिक कस्टम ड्यूटी से मुक्त करने का भी एलान किया। इससे इन दवाओं की कीमतें कम होने की उम्मीद है और मरीजों को सीधा फायदा मिलेगा। छोटे करदाताओं के लिए भी प्रक्रिया को आसान बनाया गया है। अब कम या शून्य टीडीएस (टीएस) सर्टिफिकेट पाने के लिए नियम-आधारित ऑटोमेटेड ऑनलाइन सिस्टम लागू किया गया है, जिससे समय और जटिलता दोनों कम होंगे। इसके अलावा, सीतारमण ने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार द्वारा वसूले गए सेस और सरचार्ज से अधिक राशि राज्यों के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत खर्च की जा रही है, जिससे राज्यों को वित्तीय सहयोग मिलता है। उन्होंने कहा कि एमएसएमई, किसान और सहकारी क्षेत्र रोजगार सृजन और उत्पादन के केंद्र में हैं, इसलिए सरकार इन क्षेत्रों को सशक्त बनाने के लिए कई कदम उठा रही है। >14

'वंदे मातरम न गाने पर कोई दंड का प्रावधान नहीं'

> सुप्रीम कोर्ट ने गृह मंत्रालय के सर्कुलर के खिलाफ दायर याचिका खारिज की

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। शीर्ष अदालत ने बुधवार को राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' गाने को लेकर गृह मंत्रालय के सर्कुलर के खिलाफ दायर याचिका कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों और सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए जारी यह निर्देश अनिवार्य नहीं है। सर्कुलर को चुनौती देने वाली याचिका समय से पहले दायर की गई है। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, यह मामला सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की पीठ के समक्ष था।

पीठ मोहम्मद सईद नूरी द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई कर रही थी। जिसमें गृह मंत्रालय द्वारा 28 जनवरी को जारी वंदे मातरम के गायन संबंधी परिपत्र और कार्यालयों और स्कूलों में इसके गायन के लिए जारी किए गए प्रोटोकॉल को चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गृह मंत्रालय की एडवाइजरी में वंदेमातरम न गाने पर किसी भी तरह की सजा का प्रावधान नहीं है। बेंच ने कहा कि ये दिशानिर्देश केवल एक प्रोटोकॉल हैं और इनका पालन करना अनिवार्य नहीं है। जब याचिकाकर्ता के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई होगी, या फिर उसके लिए गाना अनिवार्य किया जाएगा, तब हम इन सब बातों पर ध्यान देंगे। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि हमें वह नोटिस दिखाइए जिसमें आपको राष्ट्रगान बजाने के लिए मजबूर किया गया है।

आप एक स्कूल चलाते हैं, हमें यह भी नहीं पता कि वह मान्यता प्राप्त है या नहीं। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ वकील संजय हेगड़े ने कहा कि जो व्यक्ति वंदेमातरम गाने या राष्ट्रगीत के समय खड़े होने से इनकार करता है, उस पर हमेशा बहुत बड़ा बोझ होता है। सलाह देने के बहाने लोगों को साथ गाने के लिए मजबूर किया जा सकता है। इस पर जस्टिस बागची ने कहा कि यह सिर्फ एक दृष्टिकोण है और लोग इससे असहमत हो सकते हैं।

'मतदान का अधिकार छीना जा रहा, कल एनआरसी से नागरिकता भी छीनी जाएगी'

> ममता का भाजपा पर तीखा हमला

कोलकाता, 25 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मयनागुड़ी से विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंका। विधानसभा चुनाव के एलान के बाद अपनी पहली रैली में ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने एसआईआर के मुद्दे को जोर-शोर से उठाया और कहा कि ऐसी गंभीर चिंताएं हैं कि मतदाता सूची से असली मतदाताओं के नाम हटाए जा सकते हैं। ममता बनर्जी ने चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर भी सवाल उठाए।

ममता बनर्जी ने उत्तर बंगाल में रैली के दौरान कहा, 'पहचान और नागरिकता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं, किसे वैध भारतीय मतदाता माना जाएगा और किस आधार पर? भाजपा से इस पर जवाब मांगा है।' टीएमसी प्रमुख ने कहा कि 'भाजपा, चुनाव आयोग और केंद्र सरकार संविधान का पालन नहीं कर रहे हैं। ये लोगों के मतदान का अधिकार छीनने की कोशिश कर रहे हैं।' बंगाल सीएम ने तीखा हमला बोलते हुए कहा, 'आज लोगों के मतदान का अधिकार छीना जा रहा है, कल ये लोग एनआरसी से लोगों की नागरिकता छीनेंगे।' ममता बनर्जी ने भाजपा को बंगाली विरोधी पार्टी करार दिया और आरोप लगाया कि दूसरे राज्यों में बंगालियों के साथ मारपीट की जा रही है। असम में कई नामांकन रद्द होने को लेकर ममता बनर्जी ने कहा कि वे अपनी पार्टी के उम्मीदवारों से कहेंगे कि वे नामांकन के लिए जाते समय अपने साथ वकील लेकर जाएं।

पश्चिम एशिया पर सर्वदलीय बैठक

सरकार को मिला विपक्ष का साथ

> रिजिजू बोले-तेल की कोई कमी नहीं, हालात स्थिर

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक कर स्थिति पर गहन चर्चा की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में करीब 1 घंटे 45 मिनट तक चली। इस बैठक में सरकार ने साफ संदेश दिया कि देश में हालात पूरी तरह नियंत्रण में हैं और किसी भी तरह से घबराने की जरूरत नहीं है। बैठक का मकसद विपक्ष को मौजूदा स्थिति से अवगत कराना और राष्ट्रीय स्तर पर एकजुटता दिखाना था।

बैठक में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति से जुड़े मंत्री मौजूद रहे, जिनमें अमित शाह, एस जयशंकर और निर्मला सीतारमण शामिल हैं। इसके अलावा जेपी नड्डा और किरेन रिजिजू भी बैठक में शामिल हुए। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने वैश्विक हालात और पश्चिम एशिया के संकट पर विस्तार से जानकारी दी। कांग्रेस के तारिक अनवर और मुकुल वासनिक, समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव और बीजद के सस्मित पात्रा भी बैठक में मौजूद रहे।

सरकार को मिला विपक्ष का साथ

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि बैठक में सभी दलों ने हिस्सा लिया और सरकार के साथ खड़े होने का भरोसा दिया। उन्होंने बताया कि विपक्ष के सभी सवालों का जवाब दिया गया और मौजूदा स्थिति पर विस्तार से जानकारी साझा की गई। रिजिजू ने सभी दलों का धन्यवाद करते हुए कहा कि देशहित के मुद्दे पर राजनीतिक दलों ने एकजुटता दिखाई है और हालात के अनुसार सरकार जो भी कदम उठाएगी, उसमें पूरा सहयोग मिलेगा। सरकार ने स्पष्ट किया कि देश में ऊर्जा संसाधनों की कोई कमी नहीं है। तेल की सप्लाई पूरी तरह सामान्य है और पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। सरकार ने बताया कि चार और जहाज भारत की ओर आ रहे हैं और कुछ अन्य जहाज जल्द ही होर्मुज क्षेत्र से निकलेंगे। इससे साफ है कि सप्लाई चेन को लेकर कोई बड़ा खतरा नहीं है।

बैठक में सरकार ने विपक्ष को मौजूदा हालात की पूरी जानकारी दी और उनके सवालों का जवाब भी दिया। विपक्ष ने सुरक्षा, तेल आपूर्ति और विदेश नीति को लेकर सवाल उठाए, जिन पर सरकार ने भरोसा दिलाया कि सभी पहलुओं पर नजर रखी जा रही है। सरकार ने कहा कि हर कदम सोच-समझकर उठाया जा रहा है। सरकार ने साफ कहा कि वैश्विक हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर तुरंत कदम उठाए जाएंगे।

साथ ही आम लोगों से अपील की गई कि वे किसी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और घबराएं नहीं। सरकार का कहना है कि देश पूरी तरह तैयार है और किसी भी स्थिति से निपटने की क्षमता रखता है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को हाईकोर्ट से राहत

पॉक्सो एक्ट में दर्ज मामले में गिरफ्तारी पर लगाई रोक

प्रयागराज, 25 मार्च (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और अन्य की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज मुकदमे के मामले में पिछले दिनों सुनवाई करते हुए कोर्ट ने आदेश को सुरक्षित कर लिया था। बुधवार को मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य स्वामी प्रत्यक्त चैतन्य मुकुंदानंद गिरि समेत अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी पर रोक लगाने का आदेश जारी किया है। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित कर लिया था। कोर्ट ने तथ्यों और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों को देखते हुए यह निर्णय सुनाया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की अग्रिम जमानत अर्जी को स्वीकार कर लिया।

नाबालिग बच्चों के यौन उत्पीड़न के मामले में ट्रायल कोर्ट प्रयागराज के आदेश पर झूंसी थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। एक धर्माचार्य के शिष्य की ओर से आशुतोष महाराज ने 173 (4) के तहत एफआईआर दर्ज करने के लिए अर्जी दाखिल की थी। गिरफ्तारी से बचने के लिए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए अर्जी दायर की थी। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद आदेश को सुरक्षित कर लिया था।

युद्ध संकट के बीच भारत को मिला बहुत बड़ा गैस सप्लायर

> अर्जेंटीना बोला-हमारे पास बहुत बड़ा भंडार

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में 26 दिनों से जारी युद्ध की वजह से भारत उन देशों में शामिल हो चुका है, जिसे खासकर गैस का बड़ा संकट झेलना पड़ रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार दो दिन संसद में बताया है कि उनकी सरकार अपने ऊर्जा स्रोतों के विस्तार पर लगातार काम कर रही है। उसी कड़ी में भारत का एक ग्लोबल साउथ का सहयोगी अर्जेंटीना खुलकर सामने आया है। दक्षिणी अमेरिकी देश अर्जेंटीना ने बुधवार को कहा कि भारत को इस समय गैस की दिक्कत है और उसके पास इसका बड़ा भंडार है और ऐसे में दोनों देश आपस में मिलकर सहयोग कर सकते हैं। भारत में अर्जेंटीना के राजदूत मारियानो अगस्टिन कौसिनो ने उससे भारत के गैस आयात करने की खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। अर्जेंटीना के राजदूत मारियानो अगस्टिन कौसिनो ने एएनआई से कहा है, 'भारत तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। यह एनर्जी का एक बड़ा आयातक है, जैसा कि दुनिया की अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं हैं मुझे लगता है कि भारत सरकार अपने प्राकृतिक संसाधनों में विविधता लाने की रणनीति पर काम कर रही है जो कि बहुत ही सकारात्मक है।'

कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने संसद में भी कहा है वे ऐसी रणनीति विकसित कर रहे हैं, ताकि 40 से ज्यादा देशों से एनर्जी ला सकें। अर्जेंटीना उनमें से एक हो सकता है हमें उम्मीद है कि हम वक्त पर सहयोग की शुरुआत कर रहे हैं। मुख्य रूप से यह गैस को लेकर है, क्योंकि अर्जेंटीना के पास गैस का विशाल भंडार है।

देश की ब्लड बैंकों की अब डिजिटल निगरानी

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। देशभर के ब्लड बैंकों पर अब सरकार की 'डिजिटल' नजर रहेगी। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) ने सभी लाइसेंस प्राप्त ब्लड सेंटर्स के लिए 'ई-रक्तकोष' पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कर दिया है। इसका मकसद देशभर में खून की उपलब्धता का एक सेंट्रलाइज्ड सिस्टम तैयार करना और कालाबाजारी रोकना है।

इस बार सबसे बड़ा बदलाव यह है कि 'ई-रक्तकोष' को सीधे निरीक्षण (इंस्पेक्शन) प्रक्रिया का हिस्सा बना दिया गया है। यानी जांच के दौरान ड्रग इंस्पेक्टर पोर्टल पर दर्ज डेटा और वास्तविक स्टॉक का मिलान करेंगे। डेटा में हेराफेरी मिलने पर पहली बार सख्त कार्रवाई होगी। राज्यों की लाइसेंसिंग अथॉरिटी को 30 दिन में रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है। डोनर्स का रिकॉर्ड भी अब 'आभा आईडी' या आधार से जोड़ा जा सकेगा, जिससे पूरी सप्लाई चेन पारदर्शी होगी।

छोटे शहरों के लिए बड़ी 'उड़ान'

100 नए एयरपोर्ट और 200 हेलीपैड के लिए सरकार ने खोला खजाना

'मॉडिफाइड उड़ान योजना' को 28,840 करोड़ रुपये की भारी-भरकम मंजूरी दी

जानकारी देते हुए अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। भारत सरकार ने देश के विमानन ढांचे, इमिग्रेशन सिस्टम और वैश्विक जलवायु प्रतिबद्धताओं को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया है। केंद्रीय कैबिनेट ने कुल 30,640 करोड़ रुपये के की परियोजनाओं और नीतिगत फैसलों को अपनी मंजूरी दे दी है।

इन अहम फैसलों में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने वाली 'मॉडिफाइड उड़ान योजना' और 'आईवीएफआरटी 3.0' के विस्तार के साथ-साथ पेरिस समझौते के तहत भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) से जुड़ा एक महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय शामिल है।

उड़ान योजना में बड़ा बदलाव

कैबिनेट की बैठक में सबसे बड़ा वित्तीय आवंटन विमानन क्षेत्र के बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए किया गया है। टियर-2 और टियर-3 शहरों में हवाई संपर्क को और बेहतर बनाने के लिए सरकार ने 'मॉडिफाइड उड़ान योजना' को 28,840 करोड़ रुपये की भारी-भरकम मंजूरी दी है। इस योजना के तहत देश भर में 100 नए हवाई अड्डों और 200 हेलीपैड विकसित करने की योजनाओं के साथ क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बड़ा बढ़ावा मिलेगा।

इमिग्रेशन और वीजा सिस्टम का होगा आधुनिकीकरण

कैबिनेट ने विदेशियों के भारत आने, उनके वीजा और रजिस्ट्रेशन की पूरी प्रक्रिया को आधुनिक और सुविधाजनक बनाने के लिए बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने 'इमिग्रेशन, वीजा, फॉरेनर्स रजिस्ट्रेशन एंड ट्रैकिंग' (आईवीएफआरटी 3.0) योजना को अगले पांच वर्षों यानी 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी है, जिसके लिए 1,800 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है।

आम लोगों और यात्रियों के नजरिए से इसका सीधा मतलब यह है कि अब इमिग्रेशन और वीजा सेवाएं पूरी तरह से हाई-टेक और सुरक्षित नेटवर्क से जुड़ी रहेंगी, जिससे सही विदेशी यात्रियों को भारत आने में कोई परेशानी नहीं होगी और साथ ही देश की राष्ट्रीय सुरक्षा भी पहले से ज्यादा मजबूत होगी।

पेरिस समझौते के तहत एनडीसी पर नीतिगत मुहर

वित्तीय मंजूरियों के अलावा, कैबिनेट ने वैश्विक पर्यावरण से जुड़ा एक प्रमुख नीतिगत फैसला भी लिया है।

सरकार ने पेरिस समझौते के तहत भारत के 'नेशनली डिटरमाइंड कंट्रीब्यूशन' को औपचारिक मंजूरी दे दी है। यह फैसला वैश्विक मंच पर भारत की कार्बन उत्सर्जन कम करने की प्रतिबद्धताओं को स्पष्ट करता है और भविष्य में ग्रीन एनर्जी तथा सतत विकास से जुड़ी कॉर्पोरेट रणनीतियों को एक नई दिशा देगा।

आप विधायक हरमीत पठान माजरा गिरफ्तार

दुष्कर्म केस में चल रहे थे फरार, पटियाला पुलिस ने ग्वालियर से पकड़ा

पटियाला, 25 मार्च (एजेंसियां)। दुष्कर्म के केस में फंसे आम आदमी पार्टी के सनौर विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा को पटियाला पुलिस ने मध्य प्रदेश में ग्वालियर के नजदीक से गिरफ्तार कर लिया है। एसएसपी वरुण शर्मा ने इसकी पुष्टि की। पठानमाजरा बीते कई महीनों से फरार चल रहे थे। पठान माजरा पर सितंबर में पटियाला के सिविल लाइन थाने में जीरकपुर की एक महिला की शिकायत पर दुष्कर्म का केस दर्ज किया गया था। बाद में जब इस केस में पटियाला पुलिस पठानमाजरा को गिरफ्तार करने के लिए हरियाणा के गांव में पहुंची तो वहां से पठान माजरा फरार हो गए थे।

पठान माजरा पर आरोप लगे थे कि वह पुलिस पार्टी पर हमला करके फरार हुए हैं। हालांकि बाद में फरारी के दौरान उनके ऑस्ट्रेलिया में होने की बात सामने आई। इस दौरान पठानमाजरा लगातार सोशल मीडिया पर पोस्ट जारी करके अपनी ही सरकार पर हमलावर रहे। उन्होंने सरकार पर बदले की राजनीति से उनके खिलाफ पर्चा दर्ज करने का आरोप लगाया। पठानमाजरा ने कहा कि उन्होंने बाढ़ के दौरान अपने सनौर हलके के लोगों के हकों के लिए सरकार के खिलाफ आवाज उठाई थी, इसी के चलते उन पर कार्रवाई हुई है।

'दिल्ली पुलिस जांच करने में सक्षम, सीबीआई की जरूरत नहीं'

उत्तम नगर हिंसा मामले में केस ट्रांसफर की याचिका सुप्रीम कोर्ट से खारिज

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के उत्तम नगर में होली के दौरान पानी के गुब्बारे के विवाद के बाद 27 वर्षीय तरुण खटीक की हुई हत्या की जांच क्राइम ब्रांच की स्पेशल यूनिट से कराने की मांग को लेकर दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने आज सुनवाई की। यह याचिका सुप्रीम कोर्ट के वकील हरिशंकर जैन की ओर से दाखिल की गई थी। याचिका में तरुण के परिवार को सुरक्षा, 5 करोड़ मुआवजा, और मामले को मॉब लिंचिंग घोषित करते हुए तहसीन पूनावाला फैसले के प्रोटोकॉल लागू करने की भी मांग की गई थी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची, और जस्टिस विपुल एम। पंचोली की पीठ ने स्पष्ट कहा कि दिल्ली पुलिस इस मामले की जांच करने में पूरी तरह सक्षम है।

अगर याचिकाकर्ता को जांच या सुरक्षा को लेकर राहत नहीं मिलती, तो वे दिल्ली हाईकोर्ट का रुख कर सकते हैं। पीड़ित परिवार की सुरक्षा जैसी बातें प्रशासनिक प्रकृति की हैं, जिन पर कदम उठाना दिल्ली पुलिस का दायित्व है। पीठ ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता चाहे तो दिल्ली पुलिस कमिश्नर के पास जाकर अपनी शिकायत और मांगें रख सकते हैं।

'एससी के दखल की जरूरत नहीं'

अदालत ने कहा कि यदि पीड़ित परिवार की सुरक्षा को लेकर कोई खतरा है तो याचिकाकर्ता दिल्ली पुलिस आयुक्त के समक्ष विस्तृत प्रतिनिधित्व दे सकता है। यदि वहां से राहत नहीं मिलती, तो वह दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा सकता है। साथ ही, कोर्ट ने यह भी नोट किया कि मामले से जुड़े मुद्दों पर दिल्ली हाईकोर्ट पहले से सुनवाई कर रहा है, इसलिए सुप्रीम कोर्ट में सीधे हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है।

'उनकी प्लेट पहले से भरी हुई है'

सुनवाई के दौरान वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि पानी के गुब्बारे को लेकर हुए विवाद के बाद भीड़ द्वारा हिंसा की घटना हुई और एक युवक की जान चली गई। उन्होंने अदालत से पीड़ित परिवार को सुप्रीम कोर्ट के तहसीन पूनावाला फैसले के अनुसार राहत देने की मांग की। इस पर सीजेआई ने कहा कि सीबीआई के अधिकारी रोज यहां आकर कहते हैं कि उनकी प्लेट पहले से भरी हुई है। दिल्ली पुलिस एक पेशेवर पुलिस बल है, उन्हें क्यों हतोत्साहित करें ।

याचिका में क्या मांग की गई थी?

याचिका में वकील हरिशंकर जैन ने कहा था, 'यह सरल हत्या नहीं बल्कि मॉब लिंचिंग का मामला है। जांच को किसी स्वतंत्र और विशेषीकृत यूनिट को सौंपा जाए। परिवार को सुरक्षा और 5 करोड़ का मुआवजा दिया जाए। मामले में तहसीन पूनावाला केस के दिशा-निर्देश लागू किए जाएं।'

पति के घर लौट रही थी महिला, वंदे भारत ट्रेन से कटकर हुई मौत

तिरुवल्लूर, 25 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले के आवडी के पास पट्टाबिराम छत्रम इलाके में एक दिल दुखाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक नवविवाहिता की ट्रेन से टकराकर दर्दनाक मौत हो गई। मृतका की पहचान 25 साल की संध्या के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, संध्या की शादी महज एक महीने पहले ही मुगप्पेर निवासी 28 साल के कार्तिक से हुई थी। दोनों के बीच प्रेम संबंध था और परिवारों की सहमति से फरवरी महीने में उनकी शादी संपन्न हुई थी। बताया जा रहा है कि शादी के कुछ समय बाद ही पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इस झगड़े के बाद संध्या गुस्से में अपने पिता प्रभु के घर, जो कि पट्टाबिराम में स्थित है। वहां चली गई थी। पिता प्रभु ने बेटी को समझाकर शांत किया

हाई कोर्ट की सख्ती के बाद डीयू का बड़ा फैसला

कैंपस में प्रदर्शन से पहले छात्रों को करना होगा आवेदन

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी की प्रमुख शिक्षण संस्था दिल्ली यूनिवर्सिटी ने कैंपस में विरोध-प्रदर्शन को लेकर अपनी नीति में बड़ा बदलाव किया है। हाई कोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद विश्वविद्यालय ने पूर्ण प्रतिबंध हटाते हुए अब अनुमति आधारित व्यवस्था लागू कर दी है, जिससे छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए नए नियम तय हो गए हैं। हाई कोर्ट की आपत्ति के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने अपने पुराने फैसले में संशोधन किया है।

अब किसी भी तरह के धरने, प्रदर्शन, रैली या सभा के लिए पहले से अनुमति लेना अनिवार्य कर दिया गया है। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि बिना मंजूरी के कोई भी गतिविधि कैंपस में आयोजित नहीं की जा सकेगी। प्रॉक्टर कार्यालय द्वारा जारी निर्देशों में साफ कहा गया है कि नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे। इसमें छात्रों का निष्कासन, कर्मचारियों की बर्खास्तगी और जरूरत पड़ने पर पुलिस कार्रवाई भी शामिल हो सकती है। प्रशासन ने इसे अनुशासन बनाए रखने के लिए जरूरी कदम बताया है।

प्रॉक्टर ऑफिस जाकर आवेदन करना होगा जमा

दरअसल, 17 फरवरी को विश्वविद्यालय ने एक महीने के लिए सभी प्रकार के विरोध प्रदर्शनों पर पूरी तरह रोक लगा दी थी। इस फैसले को अदालत में चुनौती दी गई, जहां न्यायालय ने इसे मौलिक अधिकारों के खिलाफ बताते हुए आपत्ति जताई। इसी के बाद विश्वविद्यालय को अपने आदेश में बदलाव करना पड़ा। अब किसी भी आयोजन के लिए आयोजकों को खुद प्रॉक्टर ऑफिस में जाकर हस्ताक्षर सहित आवेदन जमा करना होगा। यह आवेदन संबंधित पुलिस अधिकारियों को भी देना अनिवार्य रहेगा। प्रशासन का कहना है कि इससे जवाबदेही तय होगी और किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सकेगा।

72 घंटे पहले देनी होगी पूरी जानकारी

नए नियमों के तहत आयोजकों को कम से कम 72 घंटे पहले कार्यक्रम की पूरी जानकारी देनी होगी। इसमें आयोजन का स्वरूप, समय अवधि, प्रतिभागियों की संख्या और वक्ताओं का विवरण शामिल रहेगा। विश्वविद्यालय ने यह भी साफ किया है कि सोशल मीडिया पोस्ट या पोस्टर को अनुमति नहीं माना जाएगा और बाहरी लोगों की भागीदारी पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी।

'किससे पूछकर बेची जमीन?' बेटे की प्रताड़ना से तंग आकर दंपति ने पेड़ पर लगा ली फांसी

चेन्नई, 25 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु के पुदुक्कोट्टई जिले के अलंगुडी तालुक के तिरुउदययारपट्टी गांव में रहने वाले करुपैया और उनकी पत्नी लक्ष्मी के साथ एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है। करुपैया की शादी लक्ष्मी से हुई थी और उनके दो बेटे और दो बेटियां थीं। बेटियों की शादी हो चुकी थी और वे अपने-अपने घरों में रह रही थीं। बताया जा रहा है कि दोनों बेटों की भी शादी हो चुकी थी, जिनमें एक चेन्नई में रहता है जबकि दूसरा अलंगुडी में ही रह रहा था। बुजुर्ग दंपति अकेले रह रहे थे, इसलिए अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्होंने अपनी 7 एकड़ जमीन बेचने का फैसला किया था। कुछ महीने पहले करुपैया और लक्ष्मी ने अपनी सात एकड़ जमीन बेच दी थी। जब इस बात की जानकारी उनके छोटे बेटे मुरुगन को हुई,

दक्षिणी दिल्ली के फतेहपुर बेरी में टेंट गोदाम में आग

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। दक्षिणी दिल्ली के फतेहपुर बेरी इलाके में बुधवार सुबह एक टेंट गोदाम में आग लगने से अफरातफरी मच गई। आग की ऊंची लपटें दूर से दिखाई दे रही थीं। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की 11 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। पुलिस के अनुसार सुबह करीब 6:30 बजे मैदानगढ़ी थाना को एक कॉल (जीडी नंबर 23ए) के जरिए टेंट हाउस में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही स्थानीय बीट स्टाफ को तुरंत मौके पर भेजा गया। जांच में पता चला कि आग बांस गांव क्षेत्र के खसरा नंबर 1303 और 1305 स्थित एक टेंट गोदाम में लगी थी, जहां रखे टेंट और अन्य सामान में आग लग गई। दमकल की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का अभियान शुरू किया और कुछ समय बाद आग पर काबू पा लिया गया।

दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई

पाकिस्तान से नेपाल के रास्ते भारत आ रहे थे विदेशी हथियार, 10 गिरफ्तार

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। क्राइम ब्रांच ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय आर्म्स ट्रैफिकिंग मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। 10 तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। इन पास से सब-मशीन गन सहित 21 विदेशी अत्याधुनिक हथियार बरामद हुए हैं। जांच में सामने आाय है कि यह पूरा नेटवर्क पुरानी दिल्ली से ऑपरेट हो रहा था और इसके तार पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश तक जुड़े हुए थे। क्राइम ब्रांच ने 21 विदेशी हथियार बरामद किए। जिनमें सब-मशीन गन, पिक्सल-5.7 पिस्तौल, पिक्सल-3 पिस्तौल, शैडो सीजेड पिस्तौल, बेरेटा पिस्तौल, टॉरस पिस्तौल और वाल्थर पिस्तौल शामिल हैं। पिक्सल-5.7 पिस्तौल का बरामद होना चिंता का विषय है, क्योंकि इस पिस्तौल का इस्तेमाल विशेष रूप से स्पेशल फोर्सेज द्वारा किया जाता है। इस मॉड्यूल को दिल्ली के वॉल सिटी इलाके से ऑपरेट किया जा रहा था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि इन हथियारों को पाकिस्तान से भारत में तस्करी कर लाया जा रहा था।

कांग्रेस को 24 अकबर रोड बंगला खाली करने का आदेश

यूथ दफ्तर पर भी थमाया नोटिस, डेडलाइन भी दे दी

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली में कांग्रेस को अपने पुराने दफ्तर यानी 24 अकबर रोड बंगले को खाली करने का नोटिस मिला है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इंदिरा भवन में नया दफ्तर शिफ्ट होने के बाद से कांग्रेस ने इस पुराने बंगले को खाली नहीं किया था। यहां भी पार्टी की गतिविधियां पहले की तरह ही चल रही हैं। इसके अलावा कांग्रेस को यूथ कांग्रेस के ऑफिस 5 रायसीना रोड को भी खाली करने का नोटिस मिला है। कांग्रेस को आज बड़ा झटका लगा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, कांग्रेस को 24 अकबर रोड का बंगला खाली करने का नोटिस मिला है।

पार्टी से कहा गया है कि आगामी 28 मार्च तक आप इस पुराने बंगले को खाली कर दें। इसके साथ यूथ कांग्रेस के ऑफिस 5 रायसीना रोड को भी खाली करने का नोटिस मिला है। बीते 48 सालों से 24 अकबर रोड के बंगले में कांग्रेस का मुख्यालय है।

हालांकि बीते साल कांग्रेस के नए मुख्यालय "इंदिरा भवन" का उद्घाटन हो चुका है,लेकिन इसके बावजूद 24 अकबर रोड वाले कार्यालय को कांग्रेस ने खाली नहीं किया है। यहां भी पार्टी की गतिविधियां पहले की तरह ही चल रही हैं। नोटिस मिलने के बाद से पार्टी राहत के लिए कनूनी विकल्प पर विचार कर रही है।

149 किलो सोना, 184 किलो चांदी

जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार 48 साल बाद खुला

पुरी, 25 मार्च (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी के श्री जगन्नाथ मंदिर में रत्न भंडार की गणना (इन्वेंट्री प्रक्रिया) बुधवार 25 मार्च 2026 से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हो गई। यह प्रक्रिया स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर के तहत की जा रही है, रत्न भंडार में केवल अधिकृत लोगों को ही पारंपरिक ड्रेस कोड में प्रवेश दिया गया है। पहली बार रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की टीम भी इसमें शामिल हुई है। निर्देशों के अनुसार, पहले चलत रत्न भंडार, बाहरी और आखिर में भीतरी रत्न भंडार की गणना की जाएगी। इस पूरी प्रक्रिया में वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी और 3डी मैपिंग भी शामिल है, ताकि इस ऐतिहासिक क्षण का दस्तावेजीकरण किया जा सके।

अधिकारियों का कहना है कि गणना के दौरान पूजा और दर्शन व्यवस्था सामान्य रूप से जारी रहेगी। हालांकि, भीतरी कक्ष (भीतरा कथा) से दर्शन पर रोक है। श्रद्धालु को केवल बाहरी कक्ष (बाहरा कथा) से ही दर्शन कर सकते हैं। 1978 के रिकॉर्ड के अनुसार, रत्न भंडार में 367 प्रकार के सोने और 231 प्रकार के चांदी के आभूषण मौजूद हैं।

सोने का कुल वजन 149 किलो 460 ग्राम है, जबकि 184 किलो चांदी सुरक्षित रखी गई है। इन्वेंट्री प्रक्रिया में गहनों की गिनती, वजन और उनकी पहचान की जाएगी। जिसका 1978 के रिकॉर्ड से मिलान किया जाएगा।

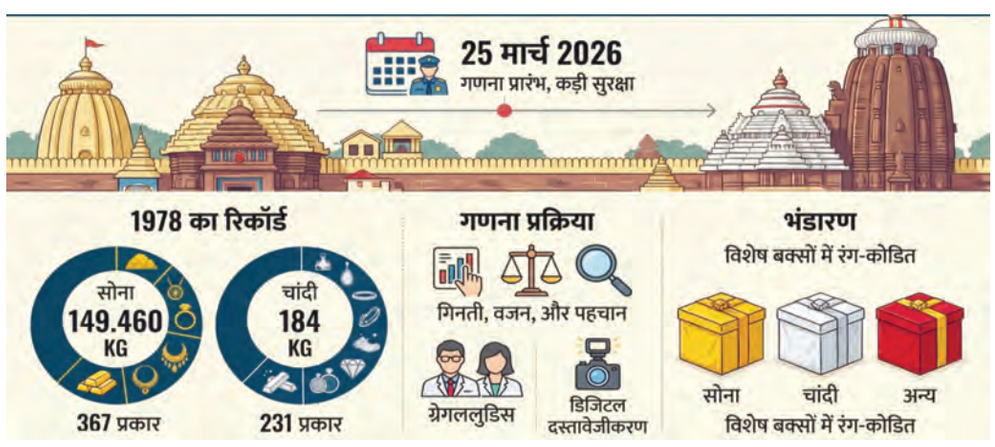

पार्षद के बेटे पर यौन शोषण का आरोप

नाबालिग लड़कियों ने दर्ज कराई शिकायत क्राइम ब्रांच को सौंपी गई जांच

पणजी, 25 मार्च (एजेंसियां)। गोवा में एक भाजपा पार्षद के बेटे के खिलाफ यौन शोषण के कथित मामले में दो और नाबालिग लड़कियों ने शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने बुधवार को इस बात की जानकारी दी। यह मामला गोवा के कुशावती जिले का है, जहां स्थानीय पार्षद सुशांत नाइक के 20 वर्षीय बेटे सोहम नाइक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले में कुरचोरम पुलिस ने 22 मार्च को सोहम नाइक को गिरफ्तार किया था। उस पर नाबालिग लड़कियों के अश्लील वीडियो बनाने और उन्हें सोशल मीडिया पर फैलाने के गंभीर आरोप हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और गोवा चिल्ड्रेन एक्ट जैसी सख्त धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। इसके अलावा, उस पर भारतीय न्याय संहिता और आईटी एक्ट की संबंधित धाराएं भी लगाई गई हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई। कुशावती जिले के पुलिस अधीक्षक संतोष देसाई ने मडगांव में पत्रकारों को बताया कि केस क्राइम ब्रांच के पास जाने से पहले दो नाबालिग लड़कियों ने जांच अधिकारी के सामने अपने बयान दर्ज कराए हैं। पुलिस अधीक्षक ने यह भी बताया कि अब तक आरोपी के खिलाफ कुल तीन मामले दर्ज किए जा चुके हैं। पुलिस को अंदेशा है कि आने वाले दिनों में कुछ और पीड़ित लड़कियां भी शिकायत लेकर सामने आ सकती हैं। इस मामले को लेकर स्थानीय लोगों में काफी गुस्सा है। 21 मार्च को कुरचोरम पुलिस स्टेशन के बाहर बड़ी संख्या में लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया था। लोगों को जब पता चला कि आरोपी नाबालिग लड़कियों के अश्लील वीडियो फैला रहा थो, तो वे सड़क पर उतर आए। शुरुआत में पुलिस ने औपचारिक शिकायत न होने का हवाला देते हुए आरोपी को हिरासत में नहीं लिया था। लेकिन जब प्रदर्शनकारी पुलिस स्टेशन से हटने को तैयार नहीं हुए, तो पुलिस ने दबाव में आकर सोहम नाइक को गिरफ्तार कर लिया।

टीएमसी को नहीं मिले वोटर लिस्ट में अभिषेक बनर्जी और शुभेंदु अधिकारी के नाम

एक बूथ पर सभी विचाराधीन अवैध घोषित

कोलकाता, 25 मार्च (एजेंसियां)। बंगाल में वोटरों की पूरक सूची आने के बाद तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर जोरदार हमला किया है। तृणमूल कांग्रेस के आधिकारिक एक्स एकाउंट पर लिखा गया है कि चुनाव आयोग के कारण आज पूरा बंगाल ही मुकदमे की चपेट में है। पार्टी ने लिखा है कि अभिषेक बनर्जी का नाम अब भी वैध वोटरों की सूची में नहीं दिख रहा है। शुभेंदु अधिकारी का नाम भी हटा दिया गया है। चाहे यह कोई "तकनीकी गड़बड़ी" हो या वैनिश कमीशन द्वारा जानबूझकर दहशत फैलाने की कोशिश हो, यह बेहद चिंताजनक है।

तृणमूल कांग्रेस की ओर से कहा गया है कि आयोग के इस तरह से सूची निर्माण के परिणाम घातक हो सकते हैं। एसआईआर के कारण उत्पन्न भय, चिंता और मानसिक आघात से हम पहले ही 200 अनमोल जिंदगियां खो चुके हैं। यदि इस आपराधिक लापरवाही और भय के कारण एक और निर्दोष जीवन भी खत्म हो जाता है, तो इसका खून सीधे तौर पर चुनाव आयोग और वनीश कुमार के हाथों पर होगा। क्या चुनाव आयोग इन टाली जा सकने वाली त्रासदियों की जिम्मेदारी लेगा।

सभी विचाराधीन वोटरों के नाम कटे

राज्य में 60 लाख मतदाताओं के नाम विचाराधीन सूची में थे। इनमें से 30 लाख मतदाताओं की पूरक सूची चुनाव आयोग द्वारा प्रकाशित की गई। इस पूरक सूची को देखकर उत्तर 24 परगना के बसीरहाट स्थित एक बूथ के निवासी दंग रह गए। विचाराधीन सूची में शामिल बूथ के सभी 340 नाम सूची से गायब थे। बूथ के मतदाता सूची अधिकारी (बीएलओ) भी इससे अछूते नहीं रहे। इस घटना को लेकर इलाके में हंगामा मच गया। बूथ के बीएलओ शफीउल आलम ने कहा– मेरे बूथ में 952 मतदाता हैं। इनमें से 340 नाम विचाराधीन सूची में थे। सभी नाम सूची से गायब हैं। ऐसा लगता है कि जानबूझकर नाम हटाए गए हैं।

मिड-डे मील आउटसोर्सिंग पर पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट का बड़ा आदेश

मार्कफेड को 60 दिन में फैसला लेने की डेडलाइन

चंडीगढ़, 25 मार्च (एजेंसियां)। सरकारी स्कूली बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन और गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए पोषण पूरक आहार की तैयारी और आपूर्ति का काम बड़ी निजी संस्थाओं को आउटसोर्स करने के 2022 के पंजाब सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका का पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने निपटारा कर दिया है। कोर्ट ने मार्कफेड को इस बारे में 60 दिन के भीतर निर्णय लेने का आदेश दिया है। पब्लिक अगेंस्ट अडल्ट्रेशन वेल्फेयर एसोसिएशन ने याचिका दाखिल करते हुए कहा कि आउटसोर्सिंग का कदम सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित सिद्धांतों और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन है, जो गांव या पंचायत स्तर पर स्थानीय स्वयं सहायता समूहों और महिला मंडलों के माध्यम से विकेन्द्रीकृत तैयारी और वितरण का आदेश देता है। याची ने कहा कि 2004 से, पंजाब ने वेरका जैसी सरकारी सहकारी समितियों के माध्यम से टेक-होम राशन और मध्याह्न भोजन तैयार करने और वितरित करने के लिए एक विकेन्द्रीकृत माडल का पालन किया था। हालांकि, 2022 में राज्य ने नए टेंडर जारी किए और चार निजी कंपनियों को ठेके दिए, जिनमें से कुछ के पास कथित तौर पर पंजीरी जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थ तैयार करने के लिए बुनियादी ढांचे का अभाव था। याची ने अदालत को बताया कि पंजाब सरकार के फैसले ने निविदा में उच्च कारोबार और क्षमता की शर्तें लगाकर छोटे स्थानीय उत्पादकों को प्रभावी रूप से बाहर कर दिया है, जिससे केवल राजनीतिक हस्तियों के करीबी बड़े खिलाड़ी ही पात्र हो सकते हैं। याची ने कहा कि अगर किसी संगठन का कारोबार 35 करोड़ रुपये का है, तो उसकी तुलना गांव स्तर पर खिचड़ी या पंजीरी तैयार करने वाले स्वयं सहायता समूह से कैसे की जा सकती है? कोर्ट ने पंजाब सरकार को याचिका पर जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 26 मार्च, 2026 3

सुविचार: लोग दिये को सिर्फ अँधेरे में ही याद करते है इसलिए, अगर आपको भी कोई सिर्फ जरुरत पड़ने पर याद करे तो नाराज ना हो!

एलपीजी की बढ़ती कीमतों पर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद (हैदराबाद सेंट्रल) जिला कांग्रेस समिति के अध्यक्ष मोता रोहित मुदिराज के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एलपीजी की बढ़ती कीमतों के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी इंदिरा गांधी की मूर्ति से लोक भवन तक मार्च करते हुए नारे लगाते और प्लेट-चम्मच बजाकर केंद्र सरकार को सचेत करने का प्रयास कर रहे थे।

भारी संख्या में महिला और पार्टी कार्यकर्ता इस प्रदर्शन में शामिल रहे। उन्होंने एलपीजी की कीमतें कम करने और उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ कम करने के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऊर्जा सुरक्षा और एलपीजी आपूर्ति नीति पर भी निशाना साधा।

ईंधन की कोई कमी नहीं अफवाहों से बढ़ी भीड़: उत्तम

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने बुधवार को कहा कि राज्य में पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है। उन्होंने जनता से घबराकर ईंधन जमा करने से बचने की अपील की। मंत्री ने नागरिक आपूर्ति आयुक्त स्टीफन रवींद्र के साथ मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि राज्य में ईंधन का भंडार तीन महीने से अधिक के लिए पर्याप्त है और वर्तमान में आपूर्ति मांग से अधिक है। उन्होंने कहा कि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड , भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने आपूर्ति बढ़ा दी है। बुधवार को 17,898 किलोलीटर ईंधन आपूर्ति की गई, जबकि मांग 17,246 किलोलीटर थी, जिससे स्थिति में अधिकता बनी। घबराहट की वजह से 25% अधिक मांग के बावजूद आपूर्ति 22% अधिक स्तर पर बनी हुई है। अतिरिक्त 16,000 किलोलीटर बैकअप स्टॉक और 1,200 अतिरिक्त टैंकर भी तैनात किए गए हैं। मंत्री ने स्पष्ट किया कि ईंधन स्टेशनों पर कभी-कभी स्टॉक नहीं का संकेत केवल लॉजिस्टिक देरी के कारण होता है, कमी के कारण नहीं। उत्तम कुमार रेड्डी ने जनता को चेतावनी दी कि डिब्बों या अन्य कंटेनरों में ईंधन स्टोर करना 'अवैध और खतरनाक' है और इसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। हैदराबाद के सभी 596 पेट्रोल पंप संचालन में हैं और आपूर्ति की निगरानी 24/7 कंट्रोल रूम के माध्यम से की जा रही है। एलपीजी की आपूर्ति घरेलू स्तर पर स्थिर है, लेकिन वाणिज्यिक सिलेंडरों में कुछ समस्याएं सामने आई हैं, जिन्हें राज्य सरकार ने केंद्र से उठाया है। अब तक 2,952 अवैध वाणिज्यिक सिलेंडर जब्त किए जा चुके हैं। मंत्री ने स्पष्ट किया कि स्थिति केवल अफवाहों से उत्पन्न हुई है और जनता को घबराने की आवश्यकता नहीं है।

ईंधन आपूर्ति पर तेलंगाना भाजपा प्रमुख ने दी सफाई

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राज्य अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने बुधवार को कहा कि तेलंगाना में पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है। उन्होंने ईंधन की कमी की खबरों को निराधार अफवाह करार दिया और जनता से घबराहट या घबराहट में ईंधन जमा करने से बचने का आग्रह किया। राजेंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र, रंगारेड्डी जिले में एक सभा को संबोधित करते हुए राव ने कहा कि पूरे राज्य और देश में पर्याप्त ईंधन भंडार उपलब्ध हैं। उन्होंने तेल कंपनियों की पर्याप्त भंडार क्षमता का हवाला देते हुए कहा कि आपूर्ति में कोई व्यवधान नहीं है। राव ने कांग्रेस पार्टी पर ईंधन कमी की अफवाहें फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि यह जनता में अनावश्यक चिंता पैदा कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं। राव ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के हलचल वाले डेलिमिटेशन बयान पर भी निशाना साधा और कहा कि उनका मकसद उत्तर और दक्षिण राज्यों में विभाजन पैदा करना है। उन्होंने दक्षिणी राज्यों पर राजनीतिक नुकसान के आशंका को खारिज किया। इस मौके पर उन्होंने कई अन्य दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं, जिनमें बीआरएस के उप सरपंच किशन रेड्डी भी शामिल थे, को भाजपा में स्वागत किया।

मछली पकड़ते समय तालाब में डूबने से बुजुर्ग मछुआरे की मौत

जाल खींचने के दौरान हुआ हादसा

मंचेरियल, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के दांडेपल्ली मंडल अंतर्गत धर्मारावपेट गांव के बाहरी इलाके में बुधवार को एक दुखद घटना घटी, जहाँ मछली पकड़ने के दौरान एक बुजुर्ग मछुआरे की पानी में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान पेद्दामपेट गांव निवासी 55 वर्षीय नर्मला लिंगैया के रूप में हुई है। इस घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है।

दांडेपल्ली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, लिंगैया हमेशा की तरह स्थानीय सिंचाई तालाब में मछली पकड़ने गए थे। मछली पकड़ने के लिए डाले गए जाल को पानी से बाहर खींचने की कोशिश करते समय उनका संतुलन बिगड़ गया और वे गहरे पानी में चले गए। पास में मौजूद अन्य मछुआरों ने उन्हें डूबते देख बचाने की भरसक कोशिश की, लेकिन उनके पहुँचने से पहले ही लिंगैया ने दम तोड़ दिया था। साथियों ने तुरंत घटना की सूचना परिजनों और पुलिस को दी। सूचना मिलने पर स्थानीय उप-निरीक्षक तहसीनुद्दीन अपनी टीम के साथ मौके पर पहुँचे और विशेषज्ञ गोताखोरों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद शव को तालाब से बाहर निकाला। लिंगैया के परिवार में उनकी पत्नी लछवा, एक बेटा और तीन बेटियां हैं। पुलिस ने पत्नी की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

खाली डबल बेडरूम मकान जरूरतमंदों को आवंटित किए जाएंगे: पोंगुलेटी

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास एवं सूचना और जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने प्रजा पालन—प्रगति प्रनालिका 99-दिन कार्यक्रम के तहत घोषणा की कि राज्यभर में अधूरी डबल बेडरूम मकानों का निर्माण पूरा कर उन्हें पात्र एवं जरूरतमद लाभार्थियों को आवंटित किया जाएगा। बुधवार को विधानसभा में 22 विधायकों के सवालों का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि जल्द ही संयुक्त जिलों में विशेष समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी, ताकि राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों में इंदिरम्मा मकानों से संबंधित समस्याओं का समाधान किया जा सके। मंत्री ने यह भी कहा कि अगले कुछ दिनों में एक टोल-फ्री नंबर उपलब्ध कराया जाएगा, जिसके माध्यम से प्राप्त शिकायतों का 24 घंटे के भीतर जवाब दिया जाएगा और आवश्यक कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि राज्य में इंदिरम्मा हाउसिंग योजना से जुड़ी समस्याओं को तीन श्रेणियों में विभाजित करके हल करने की पहल शुरू की गई है।

ईंधन संकट पर विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कथित पेट्रोल की कमी के विरोध में ऑल इंडिया यूथ फेडरेशन राज्य समिति ने शहर में अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने बिना ईंधन वाली दोपहिया साइकिलें धकेलते हुए हिमायतनगर से एक पेट्रोल पंप तक मार्च किया और हाथों में पोस्टर लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की। राज्य अध्यक्ष सैयद वली उल्लाह कादरी और महासचिव कल्लूरु धर्मेंद्र ने केंद्र सरकार पर आपूर्ति में विफलता और समन्वयहीनता का आरोप लगाते हुए तुरंत सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह कोई प्राकृतिक संकट नहीं है, बल्कि सरकारी लापरवाही का परिणाम है। एआईवाईएफ के राज्य कार्यकारी अध्यक्ष नेरलकांति श्रीकांत और अन्य राज्य कार्यकारिणी सदस्य सलमान बेग, नरसिम्हा, लक्ष्मण, प्रवीण और कुमार भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए।

हैदराबाद में ऑटो एलपीजी का संकट

घंटों कतारों में खड़े रहने को मजबूर चालक, दोहरी मार झेल रही जनता

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के पेट्रोल पंपों पर ऑटो एलपीजी की भारी किल्लत के चलते ऑटो रिक्शा चालकों और उन पर निर्भर आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को शहर के इक्का-दुक्का खुले गैस स्टेशनों पर वाहनों की मीलों लंबी कतारें देखी गईं, जबकि अधिकांश स्टेशन 'स्टॉक खत्म' होने के बोर्ड लगाकर बंद रहे। इस संकट ने न केवल चालकों की आजीविका पर प्रहार किया है, बल्कि स्कूली बच्चों और यात्रियों के लिए भी मुश्किलें खड़ी कर दी हैं।

पहाड़ीशरीफ रोड पर एक गैस स्टेशन के बाहर घंटों से कतार में खड़े ऑटो चालक नूरुद्दीन ने अपना दर्द साझा करते हुए कहा, "कल मैं चार घंटे लाइन में लगा रहा, लेकिन मेरी बारी आते ही स्टेशन बंद कर दिया गया। आज फिर दो घंटे से इंतजार कर रहा हूँ। अगर सारा समय लाइन में ही बीतेगा, तो मैं कमाऊंगा क्या और परिवार का पेट कैसे पालूँगा?" यही हाल एलबी नगर और अन्य इलाकों का भी है, जहाँ चालकों को गैस के लिए 2 से 3 घंटे की मशक्कत करनी पड़ रही है।

ईंधन संकट का असर अब स्कूली बच्चों की पढ़ाई पर भी पड़ रहा है। ऑटो चालक मोहम्मद कमालुद्दीन ने बताया कि एलपीजी न मिलने के कारण वे बच्चों को समय पर स्कूल नहीं छोड़ पा रहे हैं, जिससे नाराज होकर अब कई माता-पिता खुद बच्चों को स्कूल छोड़ने पर मजबूर हैं। इसके अलावा, चालकों ने आरोप लगाया है कि इस संकट की आड़ में कुछ केंद्रों पर ईंधन की वास्तविक कीमत से 30 रुपये प्रति किलोग्राम तक अधिक वसूला जा रहा है। महंगाई और गैस की कमी के बीच ऑटो चालक दिन भर में 700 रुपये भी नहीं कमा पा रहे हैं, जिससे उनके सामने गहरा आर्थिक संकट पैदा हो गया है।

'चलो असेंबली' पर भारी बवाल

छात्र संगठनों और पुलिस के बीच तीखी झड़प

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा के बजट सत्र के दौरान बुधवार को राजधानी की सड़कों पर भारी हंगामा देखने को मिला। छात्र संगठन एसएफआई और एआईएसएफ द्वारा आयोजित 'चलो असेंबली' कार्यक्रम के तहत सैकड़ों छात्र अपनी मांगों को लेकर विधानसभा घेराव के लिए निकले। प्रदर्शनकारी छात्रों ने जैसे ही विधानसभा परिसर में घुसने का प्रयास किया, वहां तैनात भारी पुलिस बल ने उन्हें रोक दिया। इस दौरान छात्रों और पुलिस के बीच तीखी झड़प और धक्का-मुक्की हुई, जिसके बाद पुलिस ने दर्जनों कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर विभिन्न थानों में भेज दिया।

एसएफआई की तेलंगाना इकाई ने सरकार के सामने मांगों की लंबी सूची रखी है। संगठन के राज्य महासचिव टी. नागराजू ने मांग की है कि शिक्षा क्षेत्र के बजट में कम से कम 20 प्रतिशत की वृद्धि की जाए और लंबित छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति की बकाया राशि तत्काल जारी की जाए। छात्रों का यह भी आरोप है कि कई कल्याणकारी आवासीय स्कूल और कॉलेज वर्तमान में किराए की इमारतों में चल रहे हैं, जिन्हें जल्द से जल्द स्थायी भवन उपलब्ध कराए जाने चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का भी कड़ा विरोध किया। नागराजू ने सरकार से इस नीति को तुरंत वापस लेने और राज्य में इसे लागू न करने के लिए विधानसभा में प्रस्ताव पारित करने की मांग की। इसके अलावा, राज्य के विश्वविद्यालयों में प्रोफेसरों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के रिक्त पदों पर भर्ती, छात्रावासों के लंबित बिलों का भुगतान और खम्मम व आदिलाबाद में नए विश्वविद्यालयों की स्थापना जैसी मांगें भी प्रमुखता से उठाई गईं। वहीं, एआईएसएफ ने शिक्षा बजट में 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी की मांग करते हुए सरकार विरोधी नारे लगाए।

आईबीसी संशोधन पर कांग्रेस सांसद मल्लू रवि ने जताई चिंता

नई दिल्ली, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सांसद मल्लू रवि ने बुधवार को इनसॉल्वेंसी और बैंकक्रप्सी कोड (आईबीसी) में प्रस्तावित संशोधनों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने चेतावनी दी कि ये संशोधन भारत के दिवालियापन ढांचे की मूलभूत नीतियों को कमजोर कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व ढांचा लिक्विडेटर को अर्ध-न्यायिक अधिकार देकर संतुलित दृष्टिकोण सुनिश्चित करता था, जबकि अब इसे क्रेडिटर्स की समिति (सीओसी) के अधीन करना तटस्थता और उचित प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है। प्रस्तावित क्रेडिटर-इनिशिएटेड इनसॉल्वेंसी रिज़ॉल्यूशन प्रोसेस (सीआईआईआरपी) में डिफ़ॉल्ट को ट्रिगर के रूप में रखना जल्दी हस्तक्षेप को रोकता है और कुछ वित्तीय एवं परिचालन लेनदारों को प्रक्रिया में शामिल होने से रोकता है, जिससे पारदर्शिता घटती है। उन्होंने कहा कि आवेदन वापस लेने पर सख्त नियम जल्दी समाधान और कोर्ट के बाहर समाधान को बाधित कर सकते हैं।

बेकरी में अवैध रूप से पेट्रोल बेचते गिरफ्तार

30 लीटर ईंधन जब्त, एसपी ने दी चेतावनी

आदिलाबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में ईंधन की कमी की अफवाहों का फायदा उठाकर अवैध कमाई करने वालों के खिलाफ पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। बुधवार को पुराने बस स्टैंड इलाके में पुलिस ने एक बेकरी पर छापा मारकर अवैध रूप से पेट्रोल बेचने के आरोप में बेकरी मालिक फैजल को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से करीब 30 लीटर पेट्रोल भी जब्त किया है, जिसे बेकरी के भीतर असुरक्षित तरीके से जमा करके रखा गया था।

पुलिस के अनुसार, उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि बेकरी संचालक नियमों का उल्लंघन करते हुए ऊंचे दामों पर वाहन चालकों को पेट्रोल बेच रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने जाल बिछाया और फैजल को ग्राहकों को पेट्रोल बेचते हुए रंगे हाथों धर दबोचा। पुलिस ने स्पष्ट किया कि बिना लाइसेंस के और व्यावसायिक परिसर में ज्वलनशील पदार्थों का भंडारण करना एक गंभीर अपराध है, जो बड़े हादसे को न्यौता दे सकता है। इसी बीच, जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अखिल महाजन ने जनता से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर चल रही ईंधन की किल्लत की खबरों पर ध्यान न दें। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि यदि कहीं भी पेट्रोल या डीजल की अनधिकृत और खुलेआम बिक्री की जानकारी मिले, तो तुरंत स्थानीय पुलिस स्टेशन को सूचित करें। एसपी ने चेतावनी दी कि बोतलों या डिब्बों में पेट्रोल का अवैध भंडारण आग लगने की घटनाओं का कारण बन सकता है, जिससे जान-माल का भारी नुकसान होने की आशंका रहती है। प्रशासन ऐसे कालाबाजारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखेगा।

मिशन एड्स सुरक्षा ने 19 जिलों पर केंद्रित किया ध्यान

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने मिशन एड्स सुरक्षा के तहत एचआईवी नियंत्रण प्रयासों को तेज करने के लिए हैदराबाद में उच्च-स्तरीय 'सुरक्षा संकल्प कार्यशाला' आयोजित की। इस कार्यशाला में राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर के नेतृत्व ने प्राथमिक जिलों में लक्षित हस्तक्षेपों को तेजी से लागू करने पर विचार-विमर्श किया। तेलंगाना में 0.41% एचआईवी प्रसार और लगभग 1.57 लाख एचआईवी संक्रमित लोग होने के कारण राज्य प्रमुख फोकस क्षेत्र है। इस अभियान के तहत 19 प्राथमिक जिलों को चिन्हित किया गया है, जहां कार्यक्रम कार्यान्वयन और निगरानी को तीव्र किया जाएगा। कार्यशाला की अध्यक्षता डॉ. राकेश गुप्ता ने की और उन्होंने जिला-स्तरीय, डेटा-संचालित हस्तक्षेप, परीक्षण में सुधार, एंटीरिट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) तक पहुँच और मजबूत निगरानी पर जोर दिया। तेलंगाना के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन डायरेक्टर एवं तेलंगाना राज्य एड्स नियंत्रण समाज (टीएसएसीएस) की परियोजना निदेशक डॉ. एस. संगीता सत्यनारायण ने भी इसमें भाग लिया। डॉ. राकेश गुप्ता ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्राथमिक जिले भारत की एचआईवी प्रतिक्रिया में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं और जमीनी स्तर पर लक्षित, डेटा-संचालित हस्तक्षेपों से परिणामों में सुधार और राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति में तेजी लाई जा सकती है। उन्होंने प्रभावी कार्यक्रम कार्यान्वयन के लिए जिला स्तर पर योजना, निगरानी और जवाबदेही को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। कार्यशाला के दौरान जिला टीमों ने कार्यक्रम की प्रगति की विस्तृत जानकारी साझा की, संचालन और फील्ड स्तर की चुनौतियों को उजागर किया और जिला-विशेष डेटा-संचालित कार्य योजनाओं के विकास पर चर्चा की। 19 प्राथमिक जिलों के प्रतिनिधियों, जिनमें हैदराबाद, रंगारेड्डी, खम्मम, करीमनगर, नलगोंडा, सिद्दीपेट, मेडाक, वारंगल, निजामाबाद, आदिलाबाद, सुर्यापेट, पेड्डापल्ली, जंगांव, विकराबाद, कामारेड्डी, हनुमाकोंडा, सांगारेड्डी, महबूबाबाद और जयशंकर भूपालपल्ली शामिल हैं, ने इस कार्यशाला में भाग लिया।

सिरसिला बुनकरों के लिए केटीआर की गुहार

बिजली बकाया माफी की मांग

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) ने राज्य सरकार से सिरसिला की पावरलूम इकाइयों पर बकाया बिजली बिल और अधिभार (सरचार्ज) को तुरंत माफ करने का आग्रह किया है। केटीआर ने चेतावनी दी है कि कपड़ा उद्योग पहले से ही गहरे संकट के दौर से गुजर रहा है और ऐसे में भारी-भरकम बकाया थोपने से बुनकरों की स्थिति और भी दयनीय हो जाएगी। उन्होंने एमएलसी एल. रमना के साथ विधानसभा में उपमुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क और कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव से मुलाकात कर इस संबंध में एक ज्ञापन सौंपा।

केटीआर ने अपने ज्ञापन में मांग की है कि बिजली के पुराने बिलों और अधिभारों को पूरी तरह माफ किया जाए और बुनकरों को दी जाने वाली बिजली सब्सिडी बिना किसी रुकावट के जारी रखी जाए। उन्होंने सरकार से सिरसिला कपड़ा उद्योग पर निर्भर हजारों परिवारों की आजीविका बचाने के लिए तत्काल वित्तीय सहायता देने की भी अपील की। बीआरएस विधायक ने याद दिलाया कि सिरसिला राज्य के कपड़ा क्षेत्र की रीढ़ है और अतीत में आर्थिक तंगी के कारण यहां कई बुनकरों ने आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम उठाया था।

पूर्व मंत्री ने बताया कि पिछली बीआरएस सरकार ने बिजली करघों के लिए सब्सिडी की सीमा 25 एचपी तक बढ़ाकर स्थिति को स्थिर किया था, लेकिन अब बिजली कंपनियों की नई नीतियों से उद्योग फिर संकट में है। रामा राव के अनुसार, अधिकारियों ने लगभग 127 लघु इकाइयों पर साल 2016 से 2024 तक का बकाया थोप दिया है। यह मूल बकाया लगभग 19 करोड़ रुपये था, जो अधिभार जुड़ने के बाद अब 38 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि इस भारी कर्ज को चुकाने में असमर्थ होने के कारण कई इकाइयां बंद हो गई हैं, जिससे श्रमिक फिर से आत्महत्या के लिए मजबूर हो रहे हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे ने माल ढुलाई में बनाया नया कीर्तिमान

कोयला और सीमेंट ढुलाई में अग्रणी रहा

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने वित्तीय वर्ष 2025—26 में अपने स्थापना काल से अब तक का सर्वाधिक माल ढुलाई रिकॉर्ड दर्ज किया है। 24 मार्च 2026 तक ज़ोन ने कुल 144.244 मिलियन टन (एमटी) माल लोडिंग हासिल की, जो पिछले वित्तीय वर्ष 2024—25 के 144.14 एमटी के रिकॉर्ड को पार कर गया है। यह उपलब्धि वित्तीय वर्ष समाप्त होने से एक सप्ताह पहले ही हासिल कर ली गई। दक्षिण मध्य रेलवे परंपरागत रूप से कोयला और सीमेंट की ढुलाई में अग्रणी रहा है, खासकर सिंगरेनी कोलियरियों और क्षेत्र के सीमेंट कारखानों से। इसके साथ ही ज़ोन ने अपने माल ढुलाई पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए नए उत्पादों को भी रेल परिवहन से जोड़ने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं। माल ढुलाई के आंकड़ों के अनुसार 66.878 एमटी कोयला, 37.572 एमटी सीमेंट, 8.620 एमटी लौह अयस्क, 8.038 एमटी उर्वरक, 4.810 एमटी इस्पात संयंत्रों के कच्चे माल, 6.225 एमटी खाद्यान्न, 2.561 एमटी कंटेनर, 1.223 एमटी पेट्रोलियम उत्पाद (पीओएल) तथा 8.349 एमटी अन्य वस्तुओं की ढुलाई की गई। इस रिकॉर्ड उपलब्धि का श्रेय एससीआर के कर्मचारियों के उत्कृष्ट टीमवर्क और विभिन्न विभागों के बीच प्रभावी समन्वय को दिया गया है। ज़ोन द्वारा माल टर्मिनलों के बुनियादी ढांचे में सुधार, गुड्स शेड्स के उन्नयन तथा बेहतर कार्य वातावरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही, ग्राहकों की आवश्यकताओं को समय पर पूरा करने के लिए नियमित संवाद भी बनाए रखा जा रहा है। संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने इस उपलब्धि पर परिचालन और वाणिज्यिक टीमों की सराहना की। उन्होंने इंजीनियरिंग, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और सिग्नल एवं दूरसंचार विभागों के समन्वय की भी प्रशंसा की। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों के समर्पण की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी गति को बनाए रखते हुए माल ढुलाई व्यवसाय को और आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

CLASSIFIEDS

LOST PASSPORT

I, BOMPAGA JOHNSON FRAIZER S/o. BOMPAGA ARON JOHNSON R/o. H.No.6-6-381/1, Behind Pragatools, Ramaswamy Compound, Gandhi Nagar, SEC'BAD, T.S., While I Am Renovating My above Premises I Lost My Passport Bearing No. H1864947. If Found Cont:- 9121061708.

CHANGE OF NAME

I, Doly Choudhary, Mother of No.17010357H, NK, Kuldeep Choudhary, R/o, Dist: Dewas, Madhya Pradesh, changed my name from Doly Choudhary to Dali Bai Choudhri, vide Affidavit No. 466063 dt. 24.03.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Venkateswarlu, Father of No. 14672434K, NK, Pavuluri Narayana Swamy, R/o, Dist: Prakasam, Andhra Pradesh, changed my name from Venkateswarlu to Pavuluri Venkateswarlu vide Affidavit No.466064 dt. 24.03.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Veramma, Mother of No. 14672434K, NK, Pavuluri Narayana Swamy, R/o, Dist: Prakasam, Andhra Pradesh, changed my name from Veramma to Pavuluri Veeramma vide Affidavit No. 466066 dt. 24.03.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

नर्सिंग होम की छत पर कंपाउंडर का शव मिलने से सनसनी, प्रेम प्रसंग व फेसबुक पोस्ट की जांच

छपरा(सारण), 25 मार्च (एजेंसियां)। छपरा के नगर थाना क्षेत्र में सनसनीखेज मामला सामने आया है। जेपीएम महाविद्यालय के सामने स्थित एक नर्सिंग होम की निर्माणाधीन छत पर युवक का शव मिला। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को इसकी जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। मृतक की पहचान कन्हैया कुमार (25) के रूप में हुई है। वह गोपालगंज जिले के कटेया थाना क्षेत्र का रहने वाला था। कन्हैया नर्सिंग होम में पिछले तीन वर्षों से कंपाउंडर के रूप में कार्यरत था। घटना आरआर पाली क्लिनिक के निर्माणाधीन ऊपरी मंजिल पर हुई। परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। उनके आने का इंतजार किया जा रहा है।

जेडीयू में बढ़ी अंदरूनी खींचतान

नीतीश के सांसद गिरधारी यादव की सदस्यता पर संकट

पटना, 25 मार्च (एजेंसियां)। दिलीश्वर कामैत ने बड़ा कदम उठाते हुए लोकसभा स्पीकर को नोटिस सौंपा है। इस नोटिस में गिरधारी यादव की सदस्यता खत्म करने की मांग की गई है। सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में की गई है। जेडीयू के अंदर इस कदम को अनुशासनात्मक कार्रवाई के तौर पर देखा जा रहा है। मामला अब सीधे संसद के स्तर पर पहुंच गया है। इससे बिहार की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। बताया जा रहा है कि गिरधारी यादव पर लंबे समय से पार्टी लाइन से अलग चलने के आरोप लगते रहे हैं। इससे पहले भी उनके बयानों को लेकर पार्टी ने नाराजगी जताई थी। चुनावी मुद्दों और संवेदनशील मामलों पर सार्वजनिक टिप्पणी से विवाद बढ़ा था। पार्टी ने इसे अनुशासनहीनता माना था। ऐसे मामलों में पहले भी उन्हें नोटिस दिया जा चुका है।

सांसद गिरधारी यादव

पहले भी रहे हैं विवादों में

गिरधारी यादव पहले भी विवादों में रह चुके हैं। उन्होंने चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दे पर बयान देकर पार्टी को असहज किया था। उनके इस रुख को पार्टी के लिए 'सुविधाजनक' बताया गया था। इसी वजह से उन्हें कारण बताओ नोटिस भी दिया गया था। लगातार विवादों के कारण अब स्थिति गंभीर होती दिख रही है। पार्टी के भीतर उनके भविष्य को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

बिहार की राजनीति में बढ़ेगा असर

इस पूरे घटनाक्रम का असर बिहार की राजनीति पर भी पड़ सकता है। जेडीयू के अंदर चल रही खींचतान अब खुलकर सामने आ रही है। विपक्ष भी इस मुद्दे को लेकर हमलावर हो सकता है। संसदीय स्तर पर मामला पहुंचने से इसकी गंभीरता बढ़ गई है। आने वाले दिनों में इस पर और राजनीतिक बयानबाजी संभव है। अब नजर स्पीकर के फैसले और पार्टी की अगली रणनीति पर टिकी है।

अब मामला सीधे अयोग्यता की मांग तक पहुंच गया है।

नीतीश नेतृत्व को संदेश?

इस पूरे घटनाक्रम को नीतीश कुमार के नेतृत्व से जोड़कर देखा जा रहा है। पार्टी के अंदर सख्ती दिखाने की कोशिश के रूप में भी इसे समझा जा रहा है। जेडीयू नेतृत्व नहीं चाहता कि कोई नेता सार्वजनिक रूप से अलग लाइन ले। यह कदम अन्य नेताओं के लिए भी एक संकेत माना जा रहा है। विशेषकर चुनावी माहौल में पार्टी अनुशासन पर जोर दे रही है। इससे संगठन के भीतर नियंत्रण मजबूत करने की कोशिश दिखती है।

खनन से खजाना भर रहा सोनभद्र, प्रदेश में बना नंबर-1 678 करोड़ की कमाई का रिकॉर्ड

सोनभद्र, 25 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में सोनभद्र एक बार फिर अपनी पहचान पर खरा उतरा है। खनन के दम पर सोनभद्र प्रदेश की अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ा योगदान देने वाला जिला बनकर उभरा है। खनिज संपदा से भरपूर इस जिले ने राजस्व के मामले में पूरे उत्तर प्रदेश में पहले स्थान पर पहुंच गया है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, सोनभद्र ने 678 करोड़ 28 लाख रुपये का राजस्व अर्जित कर बाकी सभी जिलों को काफी पीछे छोड़ दिया है। सोनभद्र ने लगातार बेहतर प्रदर्शन कर अपनी बादशाहत कायम रखी है। खनन, उपखनन और सख्त निगरानी के चलते यह उपलब्धि हासिल हुई है, जो जिले की आर्थिक ताकत को भी दर्शाती है। दरअसल, प्रदेश में खनिज और उपखनिज से होने वाले राजस्व संग्रह में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। सख्त निगरानी, प्रभावी कार्रवाई और पारदर्शी व्यवस्था के चलते कई जिलों ने बेहतर प्रदर्शन किया है।

व्हाट्सएप बना 'दलाली का अड्डा'

फोटो भेजकर बुलाए जाते थे ग्राहक

बरेली, 25 मार्च (एजेंसियां)। शहर के किला क्षेत्र में जिस्मफरोशी का गंदा खेल बेखौफ चल रहा था। बाकरगंज इलाके में एक मकान को 'हॉटस्पॉट' बनाकर व्हाट्सएप के जरिए ग्राहकों को बुलाया जाता था और फिर घंटों के हिसाब से सौदे तय होते थे। सोमवार शाम पुलिस ने इस काले कारोबार का पर्दाफाश करते हुए दो महिलाओं समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। किला पुलिस को सूचना मिली थी कि याकरगंज चौकी क्षेत्र में सावरी मस्जिद के पास एक मकान में सेक्स रैकेट संचालित हो रहा है।

इसके बाद सीओ अंजनी कुमार तिवारी के नेतृत्व में टीम ने दबिश दी। जांच में खुलासा हुआ कि ग्राहकों को व्हाट्सएप पर लड़कियों की तस्वीरें भेजी जाती थीं और वहीं से 'डील' फाइनल होती थी। पुलिस की जांच में सामने आया कि गुड़िया नाम की महिला इस पूरे रैकेट की सरगना है। वह अपने ही घर में कमरे, बेड और अन्य सुविधाएं मुहैया कराकर देह व्यापार चलाती थी। प्रति घंटे 500 से 1000 रुपये तक वसूली होती थी, जिसमें उसका मोटा कमीशन तय था। दबिश के दौरान पुलिस ने गुड़िया के साथ गाजियाबाद निवासी कोमल उर्फ स्वाति (कॉलगर्ल), बारादरी के चक नवादा निवासी मोनिश और बाकरगंज निवासी चांद को गिरफ्तार किया। मौके से आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद हुई, जिससे रैकेट के संगठित तरीके से चलने की पुष्टि हुई।

कार्रवाई के दौरान सबसे चौंकाने वाला पहलू तब सामने आया जब पता चला कि कोमल उर्फ स्वाति अपने एक साल के बच्चे के साथ यहां देह व्यापार करने आई थी। गिरफ्तारी के समय बच्चा भी मौके पर मौजूद था। पुलिस ने मां के साथ बच्चे को भी जेल भेज दिया,

महिलाओं के पक्ष में होगा यूपी चुनाव 2027!

सपा ने किया 40 हजार देने का वादा, बीजेपी ने निकाला यह तोड़

लखनऊ, 25 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2027 के मद्देनजर अब आधी आबादी को साधने की कवायद में जुटे दल अपनी अपनी चाल चलन में जुट गए हैं। चाहे समाजवादी पार्टी हो या भारतीय जनता पार्टी सभी खुद को महिलाओ का हिमायती बताने में जुटे हैं। सपा ने जहां सरकार बनने पर महिलाओं को हर साल 40 हजार देने का वादा कर दिया है, जिसके जबाब में सत्तारूढ़ बीजेपी ने महिला आरक्षण का दांव फेंका है और सपा शासन काल में महिलाओं पर अत्याचार का मुद्दा उठाया है। सपा के खिलाफ बीजेपी ने सपा अकी बागी विधायक पूजा पाल को भी अब मैदान में उतारा है। जिन्होंने अतीक अहमद पर हमला कर सपा पर सवाल उठा दिए हैं। फिलहाल चुनावों से पहले अपने वोट बैंक के लिए पार्टियों की जोर आजमाइश आगे और बढ़ने जा रही है।

सपा ने 40 हजार सलाना देने का दावा किया

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दावा किया है कि अगर सत्ता में आते हैं तो घर की मुखिया महिला को चालीस हजार सालाना देंगे और पीडीए के मायने में ए यानी आधी आबादी को सेट कर रहे हैं। बीते दिनों उन्होंने महिलाओं को राज्य कार्यालय में सम्मानित भी किया।

बीजेपी ने खेला महिला सुरक्षा और आरक्षण का दांव

अखिलेश यादव के आधी आबादी को साधने वाले बयान के बाद से बीजेपी खेमे में हलचल है। बीजेपी समाजवादी शासन में हुए महिला अत्याचार को मुद्दा बना रही है और 33% महिला आरक्षण नारी शक्ति वंदन अधिनियम को यूपी विधानसभा में जल्द लागू करने की तैयारी कर रही है।

पूजा पाल के बयान से मची राजनीतिक हलचल

विधायक पूजा पाल ने बयान दिया और कहा कि सपा सरकार में अतीक को संरक्षण मिला। धुरंधर 2 फिल्म ने अतीक और सपा के रिश्तों के राज खोल दिये हैं। बोलीं- सपा शासन में अतीक ने देश को दीमक की तरह खोखला किया। नकली नोटों के कारोबार में अतीक की भूमिका का दावा किया और इसके साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धुरंधर मुख्यमंत्री बताते हुए कहा कि योगी सरकार ने अतीक और मुख्तार के साम्राज्य का अंत किया।

चुनावी गेमचेंजर पर सबकी नजर

बता दें कि महिला मतदाता चुनावों में गेमचेंजर रही हैं अभी तक के आंकड़ों के अनुसार कुल महिला मतदाताओ की संख्या लगभग 1,54,55,288 है। सपा जहां कैश ट्रांसफर वादे से वहीं बीजेपी मौजूदा स्कीम्स, महिला सुरक्षा पर ज्यादा फोकस कर रही है।

सपा का पलटवार

पूजा पाल के बयान के बाद राजनीतिक भूचाल आ गया है। समाजवादी पार्टी ने भी निशाना साधा सपा प्रवक्ता उदयवीर सिंह ने पूजा पाल से सवाल किया कि जब इतनी बुराइयां पता थी तो सपा क्यों ज्वाइन किया। ? बहरहाल चुनाव की जीत में अहम भूमिका अदा करने वाली महिला वोटर को लेकर योजनाओं से लेकर हिमायती बनने की दावेदारी जारी है,

रायबरेली पुलिस ने मुठभेड़ के बाद 5 शातिर अपराधियों को किया गिरफ्तार

रायबरेली, 25 मार्च (एजेंसियां)। रायबरेली में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई मुठभेड़ में पुलिस ने पांच शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो बदमाशों के पैर में गोली लगी है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, नसीराबाद और बछरावां इलाकों में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस और अपराधियों के बीच झड़प हुई।

गिरोह के दो सदस्य सूरज और मार्को गोली लगने से घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि तीन अन्य - मनीष, पिंटू और अनिकेत को गिरफ्तार कर लिया गया। ये सभी अंतर्जनपदीय गैंग के शातिर लुटेरे बताए जा रहे हैं। इनके कब्जे से ईको स्पोर्ट कार व बाइक बरामद हुई है।

मीसा भारती का केंद्र और नीतीश कुमार पर तीखा हमला

सर्वदलीय बैठक, महिला आरक्षण और परिवारवाद पर उठाए सवाल

पटना, 25 मार्च (एजेंसियां)। राजद सांसद मीसा भारती ने केंद्र सरकार की प्रस्तावित सर्वदलीय बैठक को लेकर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि अब यह देखना दिलचस्प होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बैठक में सभी दलों को पूरी जानकारी देते हैं या नहीं। मीसा भारती ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी बैठक के बाद ही अपनी आधिकारिक प्रतिक्रिया देगी। उन्होंने संकेत दिया कि सरकार की मंशा और पारदर्शिता का आकलन इसी बैठक से होगा। राजनीतिक हलकों में इस बयान को सरकार पर दबाव बनाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। साथ ही विपक्ष की ओर से पहले से ही कई मुद्दों पर जवाब मांगने की तैयारी है।

महिला आरक्षण बिल पर जताई शंका

महिला आरक्षण बिल को लेकर भी मीसा भारती ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि यह बिल इस शुक्रवार तक लाया जा सकता है। हालांकि, उन्होंने इसके समय पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसका संबंध चुनावी रणनीति से हो सकता है। उनका मानना है कि पश्चिम बंगाल चुनाव को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि महिला सशक्तिकरण जरूरी है, लेकिन इसका राजनीतिक उपयोग नहीं होना चाहिए। इस बयान से यह स्पष्ट है कि सरकार की मंशा पर नजर बनाए हुए है।

विपक्ष की रणनीति पर साफ संकेत

मीसा भारती के बयानों से यह साफ है कि विपक्ष केंद्र और राज्य दोनों स्तर पर आक्रामक रुख अपनाने की तैयारी में है। सर्वदलीय बैठक, महिला आरक्षण और परिवारवाद जैसे मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की रणनीति बनाई जा रही है। उन्होंने सीधे तौर पर सरकार की नीयत और समय पर सवाल उठाए हैं।

नीतीश कुमार पर परिवारवाद को लेकर तंज

बिहार की राजनीति पर बोलते हुए मीसा भारती ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार का अपनी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना अच्छी बात है। लेकिन साथ ही उन्होंने परिवारवाद के मुद्दे को लेकर तंज कसते हुए सवाल उठाया। मीसा ने कहा कि अब जब वे अपने बेटे को राजनीति में ला रहे हैं, तो उन्हें परिवारवाद पर बोलने से बचना चाहिए। यह बयान बिहार की सियासत में नए विवाद को जन्म दे सकता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले दिनों में इस पर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल सकती है।

पत्नी के अधिक मोबाइल देखने से परेशान

पति ने मार डाला, हत्या के आरोप में पति गिरफ्तार

बीजपुर(सोनभद्र), 25 मार्च (एजेंसियां)। स्थानीय थाना क्षेत्र के सिरसोती ग्राम पंचायत अंतर्गत महुआबारी गांव में बीती रात घरेलू विवाद के चलते एक युवक ने अपनी पत्नी की सब्बल से वार कर बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोप लगाया कि पत्नी मोबाइल में ही अक्सर बिजी रहती थी। जानकारी के अनुसार मृतका सुमन कुमारी (26 वर्ष) का विवाह आश्रम मोड़ निवासी कन्हैया के साथ हुआ था।

बताया जा रहा है कि दोनों के बीच लंबे समय से अनबन चल रही थी जिसके कारण सुमन पिछले कई वर्षों से अपने पति को छोड़कर महुआबारी में अपनी मां के साथ रह रही थी। हालांकि कुछ महीने पहले ही आपसी रजामंदी के बाद कन्हैया भी अपनी ससुराल (महुआबारी) में आकर रहने लगा था। चीख-पुकार सुनकर परिजनों और पड़ोसियों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची बीजपुर पुलिस ने गंभीर रूप से घायल सुमन को एनटीपीसी रिहंद स्थित धनवंतरी अस्पताल पहुँचाया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति कन्हैया को रात में ही हिरासत में ले लिया। बुधवार सुबह फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाए हैं। मृतका की मां सीता देवी की तहरीर पर पुलिस अग्रिम कानूनी कार्रवाई कर रही है।

शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है और सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

पटना हाई कोर्ट ने मानसिक स्वास्थ्य पर जताई चिंता

केंद्र-राज्य से मांगी विस्तृत रिपोर्ट

पटना, 25 मार्च (एजेंसियां)। राज्य में बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर पटना हाई कोर्ट ने गहरी चिंता व्यक्त की है। अदालत ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव को इस मुद्दे पर जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश देते हुए अगली सुनवाई की तिथि 20 अप्रैल निर्धारित की है। मुख्य न्यायाधीश संगम कुमार साहू और न्यायाधीश हरीश कुमार की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान राज्य और केंद्र, दोनों स्तरों पर उठाए जा रहे कदमों की विस्तृत समीक्षा की।

विदित हो कि राज्य में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल स्थिति पर स्वतः संज्ञान लेकर हाई कोर्ट सुनवाई कर रही है। न्यायालय ने अगली सुनवाई में स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव, बिहार राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण के सचिव, बिहार मानसिक स्वास्थ्य एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान के निदेशक, पुलिस महानिदेशक तथा कारागार महानिरीक्षक को वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहने का निर्देश दिया है।

सुनवाई के दौरान न्यायालय ने कारागार महानिरीक्षक को मानसिक स्वास्थ्य देखभाल (मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों के अधिकार) नियम, 2018 के नियम 10 और 11 के अनुपालन की प्रक्रिया का सत्यापन कर विस्तृत जवाब दाखिल करने का आदेश दिया। राज्य सरकार की ओर से अदालत को अवगत कराया गया कि एक अक्टूबर, 2025 से प्रति मरीज 182.325 रुपये प्रतिदिन की दर से निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही, वर्ष 2022 के संकल्प के तहत मरीजों को 144 प्रकार की दवाओं की निःशुल्क आपूर्ति सुनिश्चित की गई है।

अदालत ने पुलिस महकमे को निर्देश दिया कि प्रदेश के सभी प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर व्यापक रूप से जारी और प्रचारित किए जाएं। न्यायालय ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्म के जरिए जनजागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति प्रथमदृष्टया मानसिक रूप से अस्वस्थ प्रतीत होने वाले व्यक्ति को सड़कों पर भटकते हुए देखे, तो वह टोल-फ्री नंबर पर सूचना दे सके। यह हेल्पलाइन 24x7 आपातकालीन सहायता के लिए उपलब्ध रहेगी।

एसएसपी-एसपी को निर्देश

कमजोर वर्ग के अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी), सीआइडी द्वारा दायर हलफनामे में बताया गया कि पुलिस महानिदेशक ने सभी जिला एसएसपी/एसपी को मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, 2017 की धारा 100 के प्रावधानों का संवेदनशीलता के साथ अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है, साथ ही की गई कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करने को भी कहा गया है। राज्य में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, नवंबर 2022 से अब तक 36,381 लोगों को टेली-मानस सेवा के जरिए परामर्श प्रदान किया गया है। वहीं, बीते वर्षों में कई मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों की पहचान कर सफल उपचार के बाद उन्हें उनके घरों तक पहुंचाया गया है।

बढ़ेगी बेड की संख्या

स्वास्थ्य ढांचे की बात करें तो वर्तमान में पुरुषों के लिए 100, महिलाओं के लिए 60 तथा कैदियों के लिए 20 बेड की व्यवस्था है, जिसे निकट भविष्य में बढ़ाने की योजना है। जिला अस्पतालों के ओपीडी आंकड़े भी मानसिक स्वास्थ्य मामलों में निरंतर वृद्धि का संकेत दे रहे हैं। वर्ष 2022-23 में 14,503 नए मरीज सामने आए, जो 2024-25 में बढ़कर 20,677 हो गए। इसी अवधि में फालो-अप मरीजों की संख्या भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है।

'पीएम मोदी को करनी चाहिए थी मध्यस्थता

विश्व लीडर्स उनसे परिचित', मिडिल ईस्ट की स्थिति पर बोले रामगोपाल यादव

लखनऊ, 25 मार्च (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव ने कहा है कि पश्चिमी एशिया में संघर्ष के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मध्यस्थता करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। प्रधानमंत्री मोदी सारे नेताओं से परिचित हैं।

ईरान-इजरायल युद्ध में पाकिस्तान की ओर से मध्यस्थता के सवालों पर रामगोपाल यादव ने कहा, पाकिस्तान, मिस्र और तुर्किए तीन देश मध्यस्थता कर रहे हैं। यह मध्यस्थता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत को करनी चाहिए थी। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है।

प्रधानमंत्री मोदी सारे नेताओं से परिचित हैं। उन्होंने आगे कहा, बहुत सारे देशों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना सबसे बड़ा राष्ट्रीय सम्मान भी दिया। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी की बात को माना जा सकता है, लेकिन देखना होगा कि उनकी डोनाल्ड ट्रंप के साथ क्या बातचीत हुई। संसद और देश को उन्हें इस बारे में बताना चाहिए। रामगोपाल यादव ने भारत की विदेश नीति पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से उठाए गए सवालों पर भी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा, विदेश नीति जो है, वो मूल रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में होता है कि हमारे किस देश से कैसे संबंध रहेंगे ये प्रधानमंत्री ही निर्णय लेते हैं। जवाहरलाल नेहरू जी से लेकर हमेशा यही हुआ है। हमारी गुटनिरपेक्ष नीति थी, उसके निर्माता नेहरू जी थे। अब वह उससे हट रहे हैं तो उससे हटने वाले प्रधानमंत्री मोदी हैं। केंद्र सरकार की ओर से सर्वदलीय बैठक पर बुलाने पर रामगोपाल यादव ने कहा कि शाम 5 बजे सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। इस बारे में सूचना मिली थी। समाजवादी पार्टी की ओर से जावेद अली खान और धर्मेंद्र यादव जाएंगे। पार्टियों की तरफ से दो-दो नेता जाएंगे। इसी दौरान, सपा सांसद ने संसद में पेश होने वाले केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक का विरोध किया। उन्होंने कहा, इस विधेयक में आपत्ति ही आपत्ति हैं।

सरकार से कौन लड़ सकता है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को वह नहीं मानती है। असिस्टेंट कमांडेंट 30 साल में भी डिप्टी कमांडेंट नहीं बन पाता है। उसी परीक्षा से पास हुए आईपीएस डीजी बन जाते हैं। सेना में मेजर जनरल और लेफ्टिनेंट जनरल बन जाते हैं।

पता होना चाहिए कि निराशा में कितने लोगों ने डीआरएस लिया। उन्होंने कहा कि मैंने शून्यकाल में इसके विरोध में आवाज उठाई। सपा सांसद ने कहा कि राजनेताओं की रक्षा यही जवान करते हैं। सीमा से लेकर देश के अंदर शहीद होने वाले सबसे अधिक यही जवान होते हैं।

उत्तर से पूर्वोत्तर भारत तक तेजी से बदलेगा मौसम

कहीं बारिश-आंधी तो कहीं गर्मी बढ़ने के आसार

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। मार्च के अंतिम सप्ताह में देशभर का मौसम तेजी से करवट लेने जा रहा है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार 26 और 28 मार्च को सक्रिय होने वाले दो पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत से लेकर पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत तक व्यापक असर डालेंगे। कहीं भारी बारिश और बर्फबारी होगी, तो कहीं आंधी, बिजली और ओलावृष्टि का खतरा रहेगा, जबकि कई राज्यों में तापमान 36 से 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने से गर्मी भी बढ़ेगी।

मौसम विभाग के मुताबिक पहला पश्चिमी विक्षोभ 26 मार्च से सक्रिय होगा और दूसरा 28 मार्च की रात से असर दिखाएगा। इन दोनों प्रणालियों के कारण उत्तर भारत में मौसम तेजी से बदलेगा। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में 26 मार्च को हल्की बारिश के साथ ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना है, जबकि 27 मार्च को इसका असर उत्तराखंड तक पहुंचेगा। 28 मार्च को एक बार फिर जम्मू-कश्मीर और आसपास के क्षेत्रों में मौसम खराब हो सकता है।

किन राज्यों में बदलेगा मौसम?

26 मार्च को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में गरज-चमक के साथ आंधी चलने और हल्की बारिश होने के आसार हैं। दिल्ली में धूल भरी तेज हवाएं चल सकती हैं। 28 मार्च को राजस्थान में भी इसी तरह का मौसम बन सकता है, जिससे दिनचर्या और यातायात प्रभावित होने की आशंका है। पूर्वोत्तर भारत में चक्रवात की वजह से मौसम ज्यादा सक्रिय है। अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में भारी बारिश का अनुमान है, जिसके चलते ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन क्षेत्रों में 64.5 से 115.5 मिलीमीटर तक वर्षा हो सकती है। इसके अलावा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी गरज-चमक, बिजली और हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है।

दक्षिण और पश्चिम भारत में भी बदलेगा मौसम

पश्चिमी भारत के ऊपर सक्रिय उपोष्णकटिबंधीय पछुआ जेट स्ट्रीम के प्रभाव से 26 मार्च के दौरान मराठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र में तेज हवाओं और बिजली गिरने के साथ हल्की बारिश हो सकती है। वहीं उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में बने चक्रवाती परिसंचरण के कारण आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में भी तेज हवाएं, बिजली और बारिश देखने को मिल सकती है।

फसल-बुनियादी ढांचे को नुकसान का खतरा

इस बदलते मौसम के साथ नुकसान की आशंका भी बढ़ गई है। तेज हवाओं के कारण पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं या पेड़ गिर सकते हैं, जिससे बिजली और संचार सेवाएं बाधित हो सकती हैं। खेतों में खड़ी फसलों, विशेषकर केले और पपीते जैसी संवेदनशील फसलों को ओलावृष्टि और तेज हवाओं से नुकसान हो सकता है।

कई राज्यों में 40 डिग्री के करीब पहुंचा पारा

मौसम के इस बदलाव के साथ तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। उत्तर भारत में अगले चार दिनों के दौरान तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि हो सकती है, जबकि मध्य भारत में 2 से 4 डिग्री और पूर्वी भारत में 4 से 6 डिग्री तक तापमान बढ़ने के आसार हैं। दक्षिण और पश्चिम भारत के कई हिस्सों में तापमान पहले ही 36 से 40 डिग्री के बीच पहुंच चुका है। महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक, गुजरात, केरल, तमिलनाडु और ओडिशा के कई क्षेत्रों में गर्मी का असर बढ़ गया है,

पश्चिम बंगाल और सिक्किम में आंधी व ओलावृष्टि का खतरा

उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में तेज आंधी, बिजली और ओलावृष्टि की आशंका बनी हुई है। यहां हवाओं की गति 50 से 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। ओलावृष्टि से फसलों और पेड़ों को नुकसान होने की आशंका है, जिसके मद्देनजर किसानों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

पासपोर्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी, आसपास का क्षेत्र कराया खाली

भिंड, 25 मार्च (एजेंसियां)। भिंड में पासपोर्ट कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। कार्यालय के आधिकारिक मेल पर आए इस धमकी भरे संदेश के बाद पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्र को खाली कराया गया। एहतियात के तौर पर पासपोर्ट ऑफिस के आसपास की दुकानों को भी बंद कराया गया और सुरक्षा बढ़ा दी गई। हालांकि शुरुआती जांच में किसी संदिग्ध वस्तु के मिलने की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच में जुट गई है। इससे पहले इंदौर के आरटीओ कार्यालय को भी संदिग्ध ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। उस समय पुलिस और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा और कई घंटों तक तलाशी अभियान चलाया गया, लेकिन कोई विस्फोटक नहीं मिला। राजधानी भोपाल के संभागायुक्त कार्यालय को भी इसी तरह का धमकी भरा ईमेल मिला था। इसके बाद पुलिस और डॉग स्क्वाड ने कई घंटों तक तलाशी ली, लेकिन वहां भी कोई संदिग्ध सामग्री नहीं मिली।

भुवनेश्वर में आरडीई ऑडिटर रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

भुवनेश्वर, 25 मार्च (एजेंसियां)। ओडिशा सतर्कता विभाग ने क्षेत्रीय शिक्षा निदेशक (आरडीई) कार्यालय, भुवनेश्वर में तैनात ऑडिटर अंबिका प्रसाद रथ को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी पर एमएसीपी योजना के तहत वेतन आहरण सक्षम करने और सेवा सत्यापन के नाम पर रिश्वत मांगने का आरोप है। सतर्कता विभाग को खुर्दा जिले के एक डिग्री कॉलेज के कर्मचारी ने शिकायत दी थी कि ऑडिटर अंबिका प्रसाद रथ सेवा पुस्तिका के सत्यापन और संशोधित सुनिश्चित करियर प्रगति (एमएसीपी) योजना के तहत वेतन निर्धारण में सुधार करने तथा वेतन आहरण सक्षम करने के लिए 4,000 रुपये की रिश्वत मांग रहे हैं।

शिकायत के आधार पर सतर्कता टीम ने जाल बिछाया। जाल के दौरान आरोपी को उसके कार्यालय कक्ष में ही कर्मचारी से 4,000 रुपये की रिश्वत लेते समय पकड़ लिया गया। गवाहों की मौजूदगी में आरोपी के पास से पूरी रिश्वत राशि बरामद कर ली गई। हाथ धुलाई के रासायनिक परीक्षण में भी आरोपी के रिश्वत लेने की पुष्टि हुई। गिरफ्तारी के बाद सतर्कता टीम ने मधुसूदन नगर स्थित आरोपी के घर और कार्यालय में एक साथ तलाशी अभियान चलाया।

तलाशी के दौरान घर से 27,42,900 रुपये नकद और कार्यालय की मेज की दराज से 1,28,000 रुपये बरामद किए गए। इस तरह कुल 28,70,900 रुपये जब्त किए गए। सतर्कता थाना भुवनेश्वर में आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम 2018 की धारा 7 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जाएगा। मामले की आगे जांच जारी है।

यहां रहना है तो हमसे दबकर रहना होगा

गाना बजाने पर हुआ विवाद तो दिव्यांशु को हमेशा के लिए शांत कर दिया

देहरादून, 25 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और बिहार के गानों से बढ़ी वर्चस्व की लड़ाई ने दिव्यांशु को हमेशा के लिए शांत कर दिया। विवाद करीब दो महीने पहले शुरू हुआ था जब दिव्यांशु के दोस्तों ने विवि के गेट के सामने कार में छोरा जाट्टा का गाना बजा दिया था। बिहार निवासी आरोपी छात्रों के गुट ने इसे चुनौती के रूप में लिया और कई बार मारपीट की।

यह कहानी पश्चिमी उत्तर प्रदेश के छात्र दिव्यांशु की मौत पर आकर खत्म हो गई। जानकारी के मुताबिक दिव्यांशु प्रेम नगर क्षेत्र स्थित एक निजी विवि के बीटेक सीएस द्वितीय वर्ष के छात्र थे। वे अपने दोस्तों के साथ पौंदा स्थित हॉस्टल में रहते थे। पूर्व में गाने से उपजे विवाद के बाद दूसरे गुट के युवक उसकी रेकी कर रहे थे। रात जब दिव्यांशु प्रेम नगर बाजार में खाना खाने गया तो आरोपी युवक भी वहां पहुंच गए। चश्मदीदों के अनुसार युवकों ने कहा कि तुम अपने समूह के लोगों को ज्यादा ताकतवर समझते हो, अपनी औकात में रहो। यहां रहना है तो हमसे दबकर रहना होगा।

दिव्यांशु ने जैसे ही इसका विरोध, युवकों ने तुरंत हमला कर दिया। इसमें उसकी दर्दनाक मौत हो गई। दिव्यांशु को 15 आरोपी भरे बाजार पीटते रहे, लेकिन कोई भी आगे नहीं आया। लोग तमाशबीन बनकर देखते रहे। आरोपियों के हाथ में फावड़ा और लाठी-डंडे थे। बाद में एक दंपत्ति ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। इससे इंसानियत भी शर्मसार हुई है।

ब्लैकमेल कर 15 साल की लड़की से गैंग रेप, प्राइवेट ग्रुप में वीडियो डाला तो खुला राज

चंडीगढ़, 25 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के मोहाली के न्यू चंडीगढ़ इलाके में एक छात्रा के साथ रेप का मामला सामने आया है। 15 साल की छात्रा के साथ उसके क्लासमेट और तीन अन्य दोस्तों ने कई दिनों तक गैंग रेप किया। आरोपी ने पीड़िता का आपत्तिजनक वीडियो भी बनाया और उसे जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से तीन नाबालिग हैं। तीनों नाबालिगों को बाल सुधार गृह भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, 15 साल की छात्रा के साथ गैंग रेप का मुख्य आरोपी पीड़िता का क्लासमेट है। वह और उसके तीन दोस्त उसे धमकियां देते थे और उसे अलग-अलग एकांत स्थानों पर ले जाते थे, जहां उन्होंने उसके साथ कई बार रेप किया। क्रूरता यहीं नहीं रुकी आरोपी ने उसे ब्लैकमेल करने के लिए उसका वीडियो भी रिकॉर्ड किया।

कोर्ट के आदेश की अनदेखी पड़ी भारी, पूर्व अपर मुख्य सचिव सुलेमान

आईएएस तरुण राठी सहित चार अधिकारियों को दो-दो माह की सजा

इंदौर, 25 मार्च (एजेंसियां)। कोर्ट के आदेश की अनदेखी अधिकारियों पर भारी पड़ी। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति प्रणय वर्मा की एकलपीठ ने पूर्व अपर मुख्य सचिव (एसीएस) मोहम्मद सुलेमान, पूर्व में आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं रहे और वर्तमान में आयुक्त आदिम जाति कल्याण तरुण राठी, उज्जैन स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त संचालक डॉ डीके तिवारी और मंदसौर सीएमएचओ डॉ गोविंद चौहान को कोर्ट की अवमानना का दोषी पाते हुए दो-दो माह कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने सजा को तीन सप्ताह के लिए स्थगित रखा है ताकि आदेश का पालन किया जा सके। मंदसौर स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ कर्मचारियों के पक्ष में छह दिसंबर 2023 को हाई कोर्ट ने एक आदेश पारित किया था।

कोर्ट ने इन कर्मचारियों को वर्ष 2004 से सात अप्रैल 2016 तक नियमितीकरण और उसके साथ सभी अनुषंगी लाभ देने के निर्देश दिए थे। कोर्ट ने विभाग को आदेश के पालन के लिए तीन माह का समय दिया था, बावजूद इसके आदेश का पालन नहीं हुआ। इस मामले में नौ अवमानना याचिकाएं हाई कोर्ट में प्रस्तुत हुईं। कोर्ट ने अवमानना याचिकाओं में पक्षकार बनाए गए सभी अधिकारियों को दो-दो माह कारावास की सजा सुनाई है।

कश्मीरी युवक से इश्क कर बैठी थी बंगाल की महिला, ब्यूटी पार्लर में घुसकर प्रेमी ने गला रेता

कोलकाता, 25 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक महिला की उसके ही ब्यूटी पार्लर में धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई। वारदात को महिला के ही प्रेमी ने अंजाम दिया। हालांकि, आरोपी युवक ने भी कथित तौर पर वहीं आत्महत्या कर ली, जिससे मामला और भी रहस्यमय हो गया है। यह घटना नरेंद्रपुर थाना क्षेत्र के गरिया स्थित टेंटुलतला इलाके में हुई।

मृतका की पहचान 50 वर्षीय रूपबानी दास के रूप में हुई है, जो बीते करीब 15 वर्षों से इलाके में ब्यूटी पार्लर चला रही थीं। पुलिस के मुताबिक, इसी पार्लर में उनकी हत्या की गई। दोपहर बारह बजे रूपबानी के पति अनूप कुमार दास उन्हें पार्लर के बाहर छोड़कर गए थे। फिर आधे घंटे बाद पार्लर से उनके घर पर फोन आया, जिसमें बताया गया कि अंदर किसी बात को लेकर विवाद हो रहा है। सूचना मिलते ही पति तुरंत मौके पर पहुंचे।

शुरुआती जांच से पता चला है कि रूपबानी का एक कश्मीरी युवक के साथ प्रेम संबंध था। बताया जा रहा है कि बीते कुछ दिनों से दोनों के बीच अनबन चल रही थी। मंगलवार को महिला के पार्लर पहुंचने के कुछ ही देर बाद वह युवक भी वहां पहुंच गया। इसके बाद उसने पार्लर का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया और दोनों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। जब परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और दरवाजा नहीं खुला, तो उन्होंने जबरदस्ती उसे खोला। अंदर का नजारा बेहद भयावह था। रूपबानी खून से लथपथ पड़ी थीं और उनके गले पर धारदार हथियार से किए गए कई वार के निशान थे। वहीं, आरोपी युवक भी गंभीर हालत में पड़ा मिला।

पुलिस के अनुसार, युवक ने महिला की हत्या करने के बाद उसी हथियार से अपना गला रेतकर आत्महत्या कर ली। हालांकि, घटना के पीछे की असली वजह क्या थी, यह अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

पंजाब के धनकुबेर सांसद: टॉप-10 अमीर सांसदों में दो नाम

राजिंदर गुप्ता 5053 करोड़ के साथ दूसरे नंबर पर

चंडीगढ़, 25 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के राज्यसभा सांसद संपत्ति के मामले में देशभर में दूसरे स्थान पर हैं। सूबे के सात राज्यसभा सांसदों की कुल संपत्ति 5729 करोड़ रुपये आंकी गई है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (एडीआर) की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, पंजाब के दो सांसद देश के टॉप-10 सबसे अमीर सांसदों में शामिल हैं। ट्राइडेंट ग्रुप के प्रमुख और राज्यसभा सांसद राजिंदर गुप्ता 5053 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ देश में दूसरे स्थान पर हैं। उनसे आगे केवल तेलंगाना के एक सांसद हैं। गुप्ता की आय के प्रमुख स्रोत व्यवसाय और निवेश बताए गए हैं।

इसके अलावा सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी 498 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ देश में आठवें स्थान पर हैं। इस तरह पंजाब के दो सांसद अरबपतियों की सूची में शामिल हैं। खास बात यह है कि देनदारियों के मामले में पंजाब का कोई भी सांसद टॉप-10 में शामिल नहीं है। राजिंदर गुप्ता हाल ही में राज्यसभा पहुंचे हैं। संजीव अरोड़ा के लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने के बाद खाली हुई सीट पर गुप्ता निर्विरोध चुने गए थे। वहीं, सबसे कम संपत्ति के मामले में भी पंजाब के सांसद का नाम सामने आया है। संत बलबीर सिंह सीचेवाल के पास मात्र तीन लाख रुपये की संपत्ति दर्ज की गई है।

अन्य सांसदों की संपत्ति भी सामने आई

रिपोर्ट के अनुसार, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के संस्थापक और सांसद अशोक कुमार मित्तल के पास 91 करोड़ रुपये की संपत्ति है। पूर्व क्रिकेटर और सांसद हरभजन सिंह के पास 81 करोड़ रुपये, संदीप कुमार पाठक के पास 4 करोड़ रुपये और राघव चड्ढा के पास 36 लाख रुपये की संपत्ति है।

सबसे युवा सांसद भी पंजाब से

राज्यसभा में सबसे युवा सांसद होने का रिकॉर्ड भी पंजाब के नाम है। राघव चड्ढा 33 वर्ष की उम्र में इस सूची में शामिल हैं। उनका कार्यकाल 2022 से 2028 तक है। दूसरे स्थान पर मुंबई के मोहम्मद इमरान खान (34 वर्ष) हैं।

आपराधिक मामलों में भी आंकड़े चौंकाने वाले

एडीआर रिपोर्ट के मुताबिक, पंजाब के 29 प्रतिशत सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से 20 प्रतिशत मामलों को गंभीर श्रेणी में रखा गया है। हालांकि इस मामले में तेलंगाना पहले स्थान पर है।

श्रद्धा वाल्कर जैसे घटनाओं से बेटियों को बचाना है

गुजरात सीएम ने बताई समान नागरिक संहिता लाने की वजह

अहमदाबाद, 25 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात विधानसभा ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए ' समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक 2026' को बहुमत से पारित कर दिया गया।

इसी के साथ उत्तराखंड के बाद गुजरात यह कानून लाने वाला देश का दूसरा राज्य बन गया है। इस बिल के माध्यम से बीजेपी ने 1995 के अपने चुनावी वादे को 31 वर्षों बाद पूरा कर दिया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने यह विधेयक पेश करते हुए इसे न सिर्फ कानूनी सुधार बल्कि सामाजिक न्याय और महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ा बड़ा कदम बताया। सदन में विधेयक पेश करते हुए मुख्यमंत्री ने श्रद्धा वाल्कर हत्याकांड का खासतौर से जिक्र करते हुए कहा कि राज्य सरकार बेटियों को ऐसी भयावह घटनाओं से बचाने के अपने कर्तव्य के तहत यह कानून ला रही है। उन्होंने साफ कहा कि अब गुजरात में उन लोगों के लिए कोई जगह नहीं होगी जो अपनी पहचान छिपाकर या धोखे से विवाह करते हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में भारतीय परंपरा और वैदिक मूल्यों का हवाला देते हुए कहा कि देश की सभ्यता 'साथ चलने, साथ सोचने और एकता' के सिद्धांत पर आधारित रही है। उन्होंने ऋग्वेद का उल्लेख करते हुए कहा कि न्याय और सत्य सबके लिए समान होना चाहिए, और यही सोच इस कानून की नींव है। उन्होंने इसे संविधान के अनुच्छेद 44 और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के विजन के अनुरूप बताते हुए राज्य के लिए एक ऐतिहासिक क्षण करार दिया। इस विधेयक के तहत अब राज्य के सभी नागरिकों के लिए विवाह, तलाक और संपत्ति के मामलों में समान नियम लागू होंगे। विवाह का 60 दिनों के भीतर पंजीकरण अनिवार्य किया गया है, अन्यथा 10 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। एक से अधिक विवाह करने पर कड़ी सजा का प्रावधान है, जबकि जबरन या धोखे से किए गए विवाह के मामलों में सात साल तक की सजा हो सकती है।

37 बैंक अकाउंट, 12 करोड़ की 32 गाड़ियां

असम चुनाव में इस महिला उम्मीदवार का ' अकूत खजाना'

गुवाहाटी, 25 मार्च (एजेंसियां)। असम विधानसभा चुनाव 2026 की सरगर्मियों के बीच एक ऐसी 'करोड़पति' उम्मीदवार की चर्चा हो रही है, जिसकी संपत्ति का आंकड़ा अच्छे-अच्छे दिग्गजों के पसीने छुड़ा रहा है। कोकराझार विधानसभा सीट से बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) की उम्मीदवार सेवली मोहिलरी ने अपने चुनावी हलफनामे में जो जानकारी दी है, उसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

बैंक अकाउंट में 5.26 करोड़

49 वर्षीय सेवली मोहिलरी की रईसी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनके पास एक या दो नहीं, बल्कि कुल 37 बैंक अकाउंट हैं। इन खातों में करीब 5.26 करोड़ रुपये जमा हैं। लेकिन बात सिर्फ कैश तक सीमित नहीं है। सेवली के पास 32 वाहनों का एक बड़ा बेड़ा है, जिसकी कुल कीमत 12 करोड़ रुपये से भी ज्यादा है। उनके इस 'काफिले' में 16

टिप्पर ट्रक और 4 ट्रैक्टर भी शामिल हैं, जो उनकी व्यावसायिक मजबूती को दर्शाते हैं।

पति से 5 गुना ज्यादा अमीर पत्नी

दिलचस्प बात यह है कि सेवली मोहिलरी के पति और बीपीएफ प्रमुख हाग्रामा मोहिलरी, जो बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) के चीफ भी रहे हैं, अपनी पत्नी के मुकाबले काफी 'गरीब' नजर आते हैं। सेवली मोहिलरी की कुल संपत्ति 54.4 करोड़ रुपये है, जबकि उनके पति हाग्रामा मोहिलरी की कुल संपत्ति मात्र 9.17 करोड़ रुपये है। वहीं, अचल संपत्ति की बात करें तो सेवली के पास 20.03 करोड़ रुपये की कृषि भूमि और कमर्शियल बिल्डिंग्स भी हैं।

असम के अन्य 'दिग्गजों' का क्या है हाल?

भले ही सेवली की संपत्ति चर्चा में है, लेकिन वे असम के सबसे अमीर उम्मीदवार बदरुद्दीन अजमल से पीछे हैं। इत्र कारोबारी और एआईयूडीएफ प्रमुख अजमल ने अपनी कुल संपत्ति 222.34 करोड़ रुपये घोषित की है। वहीं, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और उनकी पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा की संपत्ति में भी भारी इजाफा हुआ है। साल 2021 में उनकी कुल संपत्ति 17.27 करोड़ रुपये थी, जो 2026 तक बढ़कर 35.16 करोड़ रुपये हो गई है।

विधायक की कार का कटा 10 हजार रुपए का चालान ब्लैक स्कॉर्पियो में हूटर लगाकर चलना पड़ा महंगा

ग्वालियर, 25 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में एक ब्लैक स्कॉर्पियो कार में हूटर लगाकर चल रहे कांग्रेस विधायक सुरेश राजे के खिलाफ वाहन चेकिंग के दौरान बड़ी कार्रवाई हुई है। अधिकारियों ने विधायक का 10 हजार रुपए का चालान काटा है। जिस समय ये चालान काटा गया, उस समय विधायक कार में ही मौजूद थे। ग्वालियर डबरा सिविल न्यायालय से मजिस्ट्रेट समेत पुलिस बल की मंगलवार को शहर में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई देखने को मिली। नगर के पिछोर तिराहे पर सिविल न्यायालय के सभी मजिस्ट्रेटों के द्वारा मोबाइल कोर्ट लगाया गया। इस दौरान नाबालिक चालकों सहित अन्य वाहनों के दस्तावेज खंगाले गए। जिनके पास दस्तावेज नहीं थे, उनके खिलाफ कार्रवाई की गई।

25 साल की पड़ोसन के लिए डॉक्टर ने पत्नी की गला घोंटकर हत्या की

फिर कार में डालकर जलाया, एमपी पुलिस का खुलासा

सागर, 25 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सागर जिले में डॉक्टर की पत्नी की कार में जलने से मौत हादसा नहीं, हत्या थी। पुलिस जाचं में यह साफ हो गया है। आरोपी पति डॉ नीलेश पटेल ने 38 वर्षीय पत्नी सीमा कुर्मी को गला दबाकर मारा और फिर इसे हादसा दिखाने के लिए कार में आग लगा दी। आरोपी डॉक्टर के 25 साल की लड़की से अवैध संबध थे, जिसे लेकर ही उसने पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। मामले के खुलासे के बाद पुलिस ने डॉ। नीलेश पटेल को मुख्य आरोपी बनाते हुए उसके दो सहयोगियों को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी पति डॉ। नीलेश पटेल कबूल किया कि उसका पड़ोस में रहने वाली 25 साल की युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस अवैध संबंध की जानकारी उसकी पत्नी सीमा को लग गई थी, जिसके बाद से दोनों के बीच लगातार विवाद हो रहे थे। इससे परेशान होकर उसने पत्नी को रास्ते से हटाने की योजना बनाई।

पुलिस के अनुसार, 20 मार्च शुक्रवार की रात डॉ। नीलेश ने पहले पत्नी सीमा का गला दबाकर हत्या की। जिसे छिपाने के लिए उसने हादसे का रूप देने के लिए सोची-समझी साजिश रची। योजना के तहत उसने सीमा के परिजनों को कॉल कर झूठी जानकारी दी कि उसे हार्ट अटैक आया है, वह सीमा को अस्पताल लेकर जा रहा है। इसके बाद उसने अपने क्लीनिक में काम करने वाले दो कर्मचारियों को साथ लिया और उन्हें भी योजना में शामिल किया। इसके बाद तीनों ने ज्वलनशील पदार्थ डालकर कार में आग लगा दी। इसके बाद डॉ। नीलेश पटेल ने पुलिस को सचूना दी कि उसकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई और सीएनजी किट में विस्फोट होने से उसमें आग लग गई। हादसे में उसकी पत्नी की मौत हो गई। हालांकि, पुलिस को शुरुआत से ही इस कहानी पर संदेह था। मौके का निरीक्षण और फॉरेंसिक जांच के दौरान कई ऐसे तथ्य सामने आए, जिन्होंने पुलिस की शंका को और गहरा कर दिया।

पुलिस की जांच में सामने आया कि कार की अपेक्षा मृतका का शव अधिक बुरी तरह जला था, जो सामान्य दुर्घटना के मामलों से मेल नहीं खाता था। इसके अलावा आरोपी लगातार अपना बयान बदल रहा था। साथ ही, सीमा के परिजनों ने भी नीलेश पर शक जताया था। उन्होंने भी पुलिस से कहा था कि डॉ। नीलेश का किसी महिला के साथ अवैध संबंध है,

डेनमार्क में पीएम फ्रेडरिक्सन की पार्टी बहुमत से 6 सीट दूर

कोपेनहेगन, 25 मार्च (एजेंसियां)। डेनमार्क में हुए आम चुनाव में प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन को बड़ा झटका लगा है। उनकी पार्टी बहुमत के आंकड़े से 6 सीट दूर रह गई, जिससे सरकार बनाना अब मुश्किल हो गया है।

फ्रेडरिक्सन की सोशल डेमोक्रेट पार्टी और उनके सहयोगी दल मिलकर 84 सीटें ही हासिल कर सके, जबकि बहुमत के लिए 90 सीटों की जरूरत होती है।

इस चुनाव में फ्रेडरिक्सन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ ग्रीनलैंड को लेकर हुए विवाद को बड़ा मुद्दा बनाया था। माना जा रहा था कि इस कड़े रुख से उन्हें चुनावी फायदा मिलेगा, लेकिन नतीजों में इसका असर नहीं दिखा। चुनाव में घरेलू मुद्दे जैसे महंगाई, अर्थव्यवस्था और वेलफेयर ज्यादा हावी रहे।

हालांकि फ्रेडरिक्सन की पार्टी अब भी सबसे बड़ी पार्टी है और उन्होंने सरकार बनाने की इच्छा जताई है, लेकिन इसके लिए उन्हें अन्य दलों का समर्थन जुटाना होगा। इस बीच, 14 सीटों वाली मॉडरेट्स पार्टी किंगमेकर की भूमिका में आ गई है, जो तय करेगी कि अगली सरकार किसकी बनेगी।

ट्रम्प के लिए होर्मुज स्ट्रेट खुलवाना मुश्किल क्यों

ईरान संकरे रास्ते का फायदा उठा रहा, यहां अमेरिकी वॉरशिप भी सुरक्षित नहीं

वॉशिंगटन, 25 मार्च (एजेंसियां)। ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच चल रहा युद्ध अब इतना बढ़ गया है कि होर्मुज स्ट्रेट लगभग बंद हो गया है। इस वजह से सैकड़ों तेल टैंकर दोनों तरफ खड़े हैं और आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। इससे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल को पार कर चुकी हैं। इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा है कि वह इस समुद्री रास्ते को 'किसी भी तरह' फिर से खोलेंगे। लेकिन एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह काम इतना आसान नहीं है। अगर ईरान से कोई समझौता नहीं होता या अमेरिका कोई बड़ा मिलिट्री एक्शन नहीं लेता, तो इस रास्ते पर पूरी तरह से आवाजाही बहाल करना मुश्किल होगा।

ईरान की मजबूती की सबसे बड़ी वजह इस इलाके की भौगोलिक स्थिति है। होर्मुज स्ट्रेट बहुत संकरा और उथला है। यहां से गुजरने वाले जहाजों को ईरान के पहाड़ी तट के बहुत करीब से गुजरना पड़ता है। यही वजह है कि ईरान इस इलाके का फायदा उठाकर दुश्मनों पर हमले करता है।

ईरान के पास ऐसे हथियार हैं जो छोटे होते हैं, आसानी से छिपाए जा सकते हैं और अचानक इस्तेमाल किए जा सकते हैं। ये हथियार पहाड़ों, गुफाओं और सुरंगों में छिपे होते हैं। जरूरत पड़ने पर इन्हें तट के पास से ही लॉन्च किया जा सकता है।

इस वजह से जहाजों को हमला होने पर प्रतिक्रिया देने के लिए बहुत कम समय मिलता है। जैसे ही मिसाइल या ड्रोन दिखाई देता है, उसके बाद कार्रवाई के लिए सिर्फ कुछ मिनट ही होते हैं।

ट्रम्प ने इस रास्ते को खोलने के लिए कई बार अलग-अलग दावे कर चुके हैं। एक बार तो उन्होंने यह भी कहा कि वह ईरान के सुप्रीम लीडर के साथ मिलकर इस रास्ते को कंट्रोल कर सकते हैं। लेकिन असल में अमेरिका जिन विकल्पों पर विचार कर रहा है, उनमें ज्यादातर सैन्य कार्रवाई ही शामिल है।

अगर अमेरिका सैन्य ताकत से इस रास्ते को खोलना चाहता है, तो सबसे पहले उसे ईरान की हमले की क्षमता खत्म करनी होगी। यानी उसे मिसाइल सिस्टम, ड्रोन और उन ठिकानों को नष्ट करना होगा जहां से ईरान

जहाजों पर हमला कर सकता है।

लेकिन अब तक अमेरिका और इजराइल के हजारों हमलों के बावजूद ईरान की यह क्षमता पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि ईरान के पास कई जगहों पर मिसाइल बैटरी हो सकती हैं और वे मोबाइल भी होती हैं, यानी उन्हें जल्दी-जल्दी एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जा सकता है। इसलिए उन्हें ढूंढना और खत्म करना बहुत मुश्किल है। ट्रम्प ने यह भी कहा है कि जहाजों को सुरक्षित निकालने के लिए नौसेना के जहाज उनके साथ चल सकते हैं। इसे एस्कॉर्ट ऑपरेशन कहा जाता है। इसमें वॉरशिप टैंकरों के साथ चलेंगे, ऊपर से विमान निगरानी करेंगे, ड्रोन को मार गिराएंगे और तट पर मौजूद मिसाइल ठिकानों पर हमला करेंगे।

इसके साथ ही समुद्र में अगर बारूदी सुरंगें (माइंस) बिछाई गई हैं, तो उन्हें हटाने के लिए माइंसवीपर जहाजों को लगाया जाएगा। लेकिन यह सब करना बहुत बड़ा और जटिल सैन्य अभियान होगा। इसमें काफी समय, संसाधन और जोखिम शामिल होंगे।

वॉरशिप खुद भी इस इलाके में पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि होर्मुज जैसे संकरे इलाके में जहाजों को चारों तरफ से खतरा रहता है। ड्रोन और मिसाइल से बचाव करना यहां और मुश्किल हो जाता है। सबसे बड़ा खतरा समुद्र में बिछाई गई माइंस से है। अगर पानी में माइंस होने का जरा सा भी शक हो, तो कोई भी देश अपने बड़े जहाज वहां भेजने का जोखिम नहीं उठाएगा।

माइंस हटाने का काम बहुत धीमा होता है और इसमें कई हफ्ते लग सकते हैं। इस दौरान जो टीमें माइंस हटाती हैं, उन्हें भी सुरक्षा की जरूरत होती है, क्योंकि वे खुद हमले का आसान निशाना बन सकती हैं। जमीन पर कार्रवाई का विकल्प भी मौजूद है। अमेरिकी मरीन सैनिक इस इलाके की तरफ भेजे जा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि उन्हें स्ट्रेट के आसपास के छोटे-छोटे द्वीपों पर तैनात किया जा सकता है, जहां से वे हमले रोकने या एयर डिफेंस सिस्टम लगाने का काम कर सकते हैं। लेकिन ईरान की बड़ी आर्मी को देखते हुए उसके मुख्य इलाके में घुसना बहुत जोखिम भरा होगा। अगर अमेरिकी सैनिक मारे गए या पकड़ लिए गए, तो इससे हालात और बिगड़ सकते हैं और युद्ध और बढ़ सकता है।

लव अफेयर के चक्कर में युवक को मारा

जमशेदपुर थीम पार्क के पास किया लहुलुहान, सीसीटीवी आया सामने, चार दिनों में तीसरी वारदात

जमशेदपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। जमशेदपुर के टेल्को थाना क्षेत्र में एक 18 वर्षीय युवक पर चापड़ से जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना टेल्को थीम पार्क के पास की है, जहां आदर्श सिंह नामक युवक को आरोपियों ने घेरकर गर्दन और पीठ पर वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उसे तत्काल टाटा मुख्य अस्पताल (टीएमएच) में भर्ती कराया गया, जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें कुछ युवक बाइक से आते और हमला करते दिख रहे हैं। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है।

पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। बताया जा रहा है कि आदर्श सिंह एक युवती से एकतरफा प्रेम करता था।

अमेरिका से कोई शांति वार्ता नहीं

पाकिस्तान में ईरानी राजदूत ने बताई सच्चाई, कहा- ये जंग धोखेबाजी का नतीजा

इस्लामाबाद, 25 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच ईरान ने साफ कर दिया है कि अमेरिका के साथ किसी भी तरह की शांति वार्ता नहीं चल रही है। पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रजा अमीरी मोगदम के इस बयान ने उस समय स्थिति को और उलझा दिया, जब अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया था कि दोनों देशों के बीच बातचीत चल रही है और युद्ध जल्द खत्म हो सकता है। ईरान के इस सख्त रुख से साफ है कि हालात अभी सामान्य होने से दूर हैं।

ईरानी राजदूत ने कहा कि वॉशिंगटन और तेहरान के बीच कोई बातचीत नहीं हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा युद्ध अमेरिका की धोखेबाजी का नतीजा है। यानी पहले जो बातचीत की कोशिशें थीं, उन्हें अमेरिका ने तोड़ा और अब हालात युद्ध तक पहुंच गए हैं। दूसरी ओर इस्राइल ने भी किसी शांति वार्ता की जानकारी से इनकार किया है और साफ कहा है कि सैन्य कार्रवाई अभी जारी रहेगी।

ईरान के बयान ने ट्रंप के दावे को सीधे तौर पर खारिज कर दिया है। ट्रंप ने कहा था कि बातचीत चल रही है और ईरान समझौता करना चाहता है। लेकिन ईरान ने साफ कहा कि ऐसी कोई बातचीत नहीं हो रही। इससे यह साफ हो गया है कि दोनों पक्षों के बयान

अलग-अलग हैं और जमीनी हकीकत अभी भी टकराव की ही है।

इस्राइल के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत डैनी डैनन ने कहा कि उन्हें किसी बातचीत की जानकारी नहीं है और इस्राइल का लक्ष्य साफ है कि ईरान परमाणु क्षमता हासिल न कर सके। उन्होंने कहा कि इस्राइल और अमेरिका मिलकर ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमले कर रहे हैं और यह अभियान जारी रहेगा। इस्राइल का दावा है कि उसने ईरान को काफी कमजोर कर दिया है और आगे भी दबाव बनाए रखा जाएगा।

ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की सैन्य ताकत लगभग खत्म हो चुकी है और अमेरिका के विमान तेहरान के ऊपर उड़ान भर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईरान पूरी तरह कमजोर हो चुका है। वहीं दूसरी ओर ईरान भी लगातार जवाबी हमले कर रहा है और अब तक कई चरणों में हमले कर चुका है। इस्राइल के हमले और ईरान की जवाबी कार्रवाई के बीच पश्चिम एशिया में शांति की संभावना फिलहाल नजर नहीं आ रही है।

डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी प्रिंस को बताया 'योद्धा'

ईरान युद्ध में साथ देने के लिए एमबीएस की तारीफ में पढ़े कसीदे

वॉशिंगटन/तेहरान, 25 मार्च (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान को 'योद्धा' बताया है। ट्रंप ने सऊदी के क्राउन प्रिंस की उस वक्त तारीफ की है जब उन्होंने अमेरिका के लिए अपने एक और एयरबेस खोलने की इजाजत दे दी है। ईरान युद्ध लगातार बढ़ता जा रहा है और कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि सऊदी क्राउन प्रिंस बार बार ट्रंप ने ईरान युद्ध को जारी रखने के लिए कह रहे हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स, एक्सियोस और वॉल स्ट्रीट जर्नल भी ऐसा दावा कर चुके हैं। ट्रंप ने सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान को 'योद्धा' बताया और मौजूदा युद्ध में उनकी कोशिशों में क्षेत्रीय साझेदारों की भूमिका का समर्थन किया।

सऊदी अरब को लेकर रिपोर्ट्स में दावे किए गये हैं कि वो अमेरिका से ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान को और तेज करने के लिए कह रहा है। प्रिंस सलमान नियमित तौर पर डोनाल्ड ट्रंप से उनके निजी मोबाइल फोन पर

बात करते हैं और ईरान युद्ध को जारी रखने के लिए कह रहे हैं। इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू भी यही कर रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि 'वह (क्राउन प्रिंस) एक योद्धा हैं। वैसे वह हमारे साथ मिलकर लड़ रहे हैं। सऊदी अरब ने बहुत बढ़िया काम किया है और यूएई ने भी। बहुत बढ़िया। और मैं आपको बताऊं कतर ने तो कमाल ही कर दिया। ट्रंप ने आगे कहा कि 'कतर ने हमले झेले है। काफी खतरनाक हमले। कतर बहुत करीब है। आप जानते ही हैं। आप असल में पैदल चलकर ही सीमा पार कर सकते हैं। कतर को झटका तो लगा लेकिन उन्होंने बहुत बढ़िया काम किया है। वे बहुत मजबूत रहे हैं।'

रिपोर्ट्स में कहा गया है कि मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रंप को चेतावनी दी है कि अगर ईरान के खिलाफ युद्ध बंद कर दिया गया तो वो और ताकतवर बनकर उभरेगा। मिडिल ईस्ट आई ने दो दिन पहले अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा है कि सऊदी अरब, बहुत जल्द ईरान के खिलाफ युद्ध में शामिल हो सकता है। यूएई ने अमेरिकी अधिकारियों को बताया है कि वो कम से कम 9 महीने तक की लड़ाई के लिए तैयार है।

ट्रंप ने कतर के साथ साथ सऊदी और यूएई को अमेरिका का बेहतरीन साझेदार बताया है। ये इस मुश्किल समय में खाड़ी देशों को अपने साथ एकजुट रखने की कोशिश है। उन्होंने अमेरिका के तीन विमानों को गलती से मार गिराने वाले कुवैत की भी तारीफ की है।

वॉशिंगटन और खाड़ी देशों की राजधानियों के बीच बढ़ता तालमेल इस बात का संकेत है कि ईरान के खिलाफ एक व्यापक क्षेत्रीय मोर्चा आकार ले रहा है और फिलहाल युद्धविराम संभव नहीं लग रहा है।

ट्रंप की टिप्पणियां भले ही ईरान युद्ध को जल्द खत्म करने के संकेत लग रहे हों लेकिन लग नहीं रहा है कि मिडिल ईस्ट के साझेदार ऐसा चाहते हैं।

जग्गी हत्याकांड केस छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में रिओपन

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सुनवाई, अमित जोगी को लेनी होगी जमानत, 1 अप्रैल को फाइनल हियरिंग

बिलासपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड केस हाईकोर्ट में रिओपन हो गया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बुधवार को चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच में केस की सुनवाई हुई। इस दौरान रामावतार जग्गी के बेटे सतीश जग्गी मौजूद रहे। डिवीजन बेंच ने केस की अंतिम सुनवाई के लिए 1 अप्रैल की तारीख तय की है। दरअसल, डिवीजन बेंच ने 2 साल पहले रामावतार जग्गी हत्याकांड के दोषियों की अपील को खारिज कर दिया था। जिसमें डिवीजन बेंच ने आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा था। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई की अपील स्वीकार करते हुए मामला फिर से छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट भेजने का निर्देश दिया था, जिससे मामले की मेरिट पर विस्तार से सुनवाई हो सके। हत्याकांड के बाद पुलिस की शुरूआती जांच में पक्षपात और असंतोष के आरोप लगने पर राज्य सरकार ने जांच सीबीआई को सौंपी थी। तब सीबीआई ने अपनी जांच में पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी समेत कई लोगों पर हत्या और साजिश के आरोप लगाए थे। हालांकि, सबूतों के अभाव में अमित जोगी को बरी कर दिया गया था। लेकिन अब केस रिओपन होने के बाद कानूनी जानकारों का कहना है कि अमित जोगी को जमानत लेनी होगी।

वहीं रामावतार जग्गी के बेटे सतीश जग्गी ने बताया कि अमित जोगी फिर से आधिकारिक रूप से अभियुक्त हो गए हैं। सीबीआई, स्टेट गर्वनमेंट, अमित जोगी और वे 1 अप्रैल को अपना पक्ष रखेंगे। इस मामले पर अमित जोगी ने कहा कि अभी जानकारी मिली है कि हाईकोर्ट 1 अप्रैल को उस मामले में सुनवाई करेगा, जिसमें मुझे दो दशक पहले ही बरी किया जा चुका है।

तेल पर छूट खत्म की, अब खाद का निर्यात बंद किया

दोस्त रूस भारत को दे रहा झटके पर झटका

मास्को, 25 मार्च (एजेंसियां)। ईरान पर अमेरिकी-इजरायली हमले के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल और गैस ले जाने वाले जहाजों की आवाजाही बंद है। इससे भारत में ऊर्जा संकट पैदा हो गया है। जो इक्का-दुक्का जहाज इस जलडमरूमध्य को पार कर रहे हैं, वो ऊर्जा की भारी डिमांड को पूरा करने में असमर्थ हैं। इस बीच रूस ने भी भारत को बड़ा झटका दिया है। रूस ने घरेलू मांग को प्राथमिकता देते हुए एक महीने के लिए खाद का निर्यात रोक दिया है। रूस भारत का सबसे बड़ा खाद आपूर्तिकर्ता है। जनवरी से जून 2025 तक रूस ने भारत को 25 लाख टन खाद की आपूर्ति की थी।

एक रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में रूस से भारत को खाद की आपूर्ति में पिछले साल के मुकाबले 20% की बढ़ोतरी हुई। इससे भारत के कुल खाद आयात में रूस की हिस्सेदारी रिकॉर्ड

33% तक पहुंच गई है। रूस के कृषि मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि वह वसंत ऋतु में बुवाई के मौसम से पहले, एक महीने के लिए अमोनियम नाइट्रेट के निर्यात पर रोक लगा रहा है। उन्होंने बताया कि यह कदम रूस में घरेलू खाद की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। रूसी कृषि मंत्रालय ने एक बयान में कहा, बढ़ती निर्यात मांग के बीच विदेशों में नाइट्रोजन खाद की खेप भेजना रोकने से हमें वसंत ऋतु में खेतों में होने वाले काम के दौरान घरेलू बाजार को प्राथमिकता देने और काम में कोई रुकावट न आए, यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। रूस से आने वाले अमोनियम नाइट्रेट का इस्तेमाल खेती में बड़े पैमाने पर होता है। इसका उपयोग विस्फोटक बनाने में भी एक कंपोनेंट के तौर पर किया जाता है। दुनिया में कुल अमोनियम नाइट्रेट के उत्पादन में रूस की हिस्सेदारी एक-चौथाई है। अमोनियम नाइट्रेट बनाने में इस्तेमाल होने वाला मुख्य तत्व अमोनिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य से 24 प्रतिशत अमोनिया की आवाजाही होती है, लेकिन इसके बंद होने से उत्पादन पर प्रभाव पड़ रहा है। रूसी कृषि मंत्रालय ने बताया कि उसने नए निर्यात लाइसेंस जारी करना बंद कर दिया है। सिर्फ सरकारी अनुबंधों के तहत होने वाली आपूर्ति को ही इस नियम से छूट दी गई है। रूस ने भारत को मिलने वाली रियायती दरें खत्म कर दी हैं और अब भारतीय रिफाइनरी को ब्रेंट क्रूड के मुकाबले $4-5 प्रति बैरल अधिक प्रीमियम पर तेल मिल रहा है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव (ईरान संकट) के बीच, अमेरिका ने भारत को 30 दिनों की अस्थायी छूट दी थी, जिसके तहत भारत ने अप्रैल के लिए 60 मिलियन बैरल रूसी तेल खरीदा है।

सीजीपीएससी-2021, सिलेक्टेड कैंडिडेट्स को देनी होगी जॉइनिंग

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की राज्य सरकार की एसएलपी उम्मीदवारों को नियुक्ति आदेश देने के खिलाफ लगाई थी याचिका

बिलासपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) भर्ती 2021 में चयनित उम्मीदवारों को अब राज्य सरकार को जॉइनिंग देनी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य शासन की विशेष अनुमति याचिका को खारिज कर दी है। सरकार ने हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति आदेश देने हाईकोर्ट के फैसले को सही ठहराया है।

दरअसल, सीजीपीएससी-2021 में गड़बड़ी सामने आने के बाद राज्य शासन ने सीबीआई जांच की घोषणा की थी। सीबीआई इस केस की जांच कर रही है। जबकि, एग्जाम में सिलेक्टेड उम्ममीदवारों को राज्य शासन ने जांच का हवाला देकर नियुक्ति आदेश नहीं दिया है।

इससे परेशान होकर डिप्टी कलेक्टर और डीएसपी के पद पर चयनित उम्मीदवारों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसमें उन्होंने कहा कि उनका चयन मैरिट पर हुआ है। न तो उनके खिलाफ कोई जांच चल रही है और न ही कोई केस दर्ज है। इसके बाद भी उन्हें जॉइनिंग से रोक दिया गया है। जिस पर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को याचिकाकर्ताओं की नियुक्ति रोकने का कारण पूछा था। जवाब में राज्य सरकार ने सीबीआई जांच का हवाला दिया था, जिससे असंतुष्ट हाईकोर्ट ने चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति देने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट के इस फैसले के खिलाफ राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल पिटिशन लीव (एसएलपी) दायर कर चुनौती दी। राज्य सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, सीनियर एडवोकेट अपूर्व कुरुप ने तर्क देते हुए कहा कि, फर्जीवाड़ा की सीबीआई जांच चल रही है। जांच पूरी होने तक नियुक्तियों को स्थगित रखा जाना चाहिए। उनका कहना था कि नियुक्तियों पर अंतिम निर्णय जांच पूरी होने के बाद ही लिया जा सकता है। वहीं, राज्य सरकार की दलीलों का विरोध करते हुए चयनित उम्मीदवारों की ओर से कहा गया कि सीबीआई पहले ही अपनी अंतिम चार्जशीट दाखिल कर चुकी है, जिसमें 171 चयनित अभ्यर्थियों में से केवल 5 के नाम ही शामिल हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि 125 अभ्यर्थियों को पहले ही जॉइनिंग दी जा चुकी है। शेष अभ्यर्थियों को तीन वर्षों से अधिक समय तक जॉइनिंग से वंचित रखने का कोई औचित्य नहीं है।

यह मामला 2020 से 2022 के बीच हुई भर्ती प्रक्रियाओं से जुड़ा है।

बंद घर से लाखों की चोरी

जमशेदपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। जमशेदपुर के परसुडीह थाना क्षेत्र के प्रमोद नगर स्थित जूही रोड में एक बंद घर से लाखों रुपए के कीमती सामान की चोरी हो गई। चोरों ने घर का ताला तोड़कर वारदात को अंजाम दिया।

यह घर पंजाब नेशनल बैंक के सीनियर बैंक मैनेजर गोविंद चंद्र हांसदा का है। वे इन दिनों अपने परिवार के साथ पंजाब गए हुए थे, जिसका फायदा उठाकर चोरों ने बीती रात चोरी की घटना को अंजाम दिया।

बुधवार सुबह जब घर में काम करने वाली दाई पहुंची, तो उसने मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ पाया। घर के अंदर का सारा सामान बिखरा पड़ा था, अलमारियां खुली थीं और बिस्तर पर ज्वेलरी के खाली डिब्बे पड़े मिले।

प्रारंभिक जांच से पता चला है कि चोरों ने सुनियोजित तरीके से इस वारदात को अंजाम दिया। उन्होंने पूरे घर को खंगालकर कीमती सामान चुराया और फिर मौके से फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही परसुडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें दो संदिग्ध युवक घर में घुसते हुए दिखाई दिए। पुलिस फिलहाल इन संदिग्धों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है।

निर्माणाधीन पुल का ढांचा गिरा

दो मजदूरों की चली गई जान, एक गंभीर

बलिया, 25 मार्च (एजेंसियां)। बलिया में बेल्थरा रोड के घाघरा नदी पर बन रहा पुल दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बुधवार की सुबह पिलर बनाने के दौरान सरिया बांधा जा रहा था। सरिया बांधते समय लोहे का ढांचा अचानक गिर पड़ा। इस हादसे में चार मजदूर ढांचे की चपेट में आ गए। दुर्घटना स्थल पर ही दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप घायल बताया जा रहा है।

घायलों को सियर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों ने जांच के बाद पप्पू और अमित को मृत घोषित कर दिया। दोनों मृतकों की उम्र 30 वर्ष के करीब बताई जा रही है। यह दोनों है लखीमपुर जिले के धरहरा क्षेत्र के खैरा पुरवा के रहने वाले बताए जा रहे हैं। इसके साथ ही पीलीभीत जिले के मदल टांडा क्षेत्र के दुबिया गांव निवासी जुगल का इलाज चल रहा है। जुगल की उम्र 21 वर्ष बताई गई है। घटना की जानकारी पर स्थानीय प्रशासन, पुलिस के साथ मौके पर पहुंची। हादसे के कारणों की जांच के लिए टीम का गठन किया गया है। स्थानीय लोगों की माने तो निर्माण कार्य मे लापरवाही बरती गई जिसके कारण यह हादसा हुआ। स्थानीय पुलिस के अनुसार घटना की सूचना मिलने के तुरंत ही मौके पर राहत और बचाव कार्य से शुरू कर दिया गया।

पाकिस्तान में युद्धविराम वार्ता पर सस्पेंस

इस्लामाबाद/वॉशिंगटन/तेहरान, 25 मार्च (एजेंसियां)। ईरान युद्ध का तीसरा हफ्ता चल रहा है और युद्धविराम को लेकर डोनाल्ड ट्रंप का दावा फिलहाल सुर्खियों में है। ट्रंप ने होर्मुज खोलने के लिए ईरान को शुक्रवार तक का वक्त दिया है। उन्होंने कहा है कि ईरान के साथ युद्धविराम पर बातचीत 'सकारात्मक' है। लेकिन ईरान ने खुलकर युद्धविराम के बारे में कुछ नहीं बताया है। इस्लामाबाद में ईरान के राजदूत का कहना है कि 'ईरान और अमेरिका के बीच कोई बातचीत नहीं हुई है।'

ईरान के राजदूत रेजा अमीरी मोघदम ने कहा हमने भी मीडिया के जरिए ऐसी खबरें सुनी हैं लेकिन मेरी जानकारी के मुताबिक और ट्रंप के दावों के विपरीत अब तक दोनों देशों के बीच कोई बातचीत, चाहे वह सीधी हो या परोक्ष, नहीं हुई है। मोघदम ने आगे कहा कि दोस्त देशों ने युद्ध को खत्म करने के मकसद से दोनों पक्षों के साथ विचार-विमर्श किया है। उनकी यह टिप्पणी ट्रंप के उन दावों के बीच आई है कि एक अनाम ईरानी अधिकारी के साथ 'सार्थक बातचीत' हुई है। लेकिन ईरान ने इन दावों को नकार दिया है।

उलझन इसलिए है क्योंकि ईरान ने बार बार युद्धविराम पर किसी भी बातचीत से इनकार कर दिया है। लेकिन मिस्र, तुर्की और पाकिस्तान ने कहा है कि वो मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। बात और ज्यादा उलझ इसलिए भी गई है क्योंकि अमेरिकी मीडिया ने कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप 15-सूत्रीय योजना का प्रस्ताव रखा है।

अलजजीरा ने पाकिस्तानी सूत्रों के हवाले कहा है कि ट्रंप के 15 सूत्रीय प्रस्ताव को तेहरान भेज दिया गया है। दूसरी तरफ तुर्की ने भी ऐसी ही बात कही है। तुर्की की सत्ताधारी एके में विदेश मामलों के उपाध्यक्ष हारुन अरमागन ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स को बताया है कि तुर्की, तेहरान और वॉशिंगटन के बीच 'संदेश पहुंचाने की भूमिका निभा रहा है।'

वियोग की आग में जलकर भी निर्मल बने श्रीराम

सुरेश गांधी

हम भगवान श्रीराम का नाम लेते हैं, तो हमारी स्मृति में एक दिव्य, तेजस्वी और आदर्श पुरुष की छवि उभरती है, एक ऐसे नायक की, जो धर्म, मर्यादा और त्याग का पर्याय है। लेकिन यदि हम उनके जीवन को गहराई से देखें, तो यह केवल विजय और आदर्शों की कथा नहीं, बल्कि दुःख, संघर्ष, वियोग और कठोर परीक्षाओं की भी एक लंबी यात्रा है। श्रीराम का जीवन हमें यह सिखाता है कि महानता सुख-सुविधाओं में नहीं, बल्कि कठिनाइयों के बीच अपने कर्तव्य पर अडिग रहने में निहित है। आज के समय में जब जीवन की छोटी-छोटी परेशानियां भी हमें विचलित कर देती हैं, तब राम का चरित्र हमें धैर्य, संयम और कर्तव्यनिष्ठा का अमूल्य संदेश देता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम राम को केवल पूजा और आस्था के प्रतीक के रूप में न देखें, बल्कि उनके जीवन को आधुनिक जीवन-दर्शन से जोड़कर समझें। यही दृष्टिकोण आने वाली पीढ़ियों के लिए राम की प्रासंगिकता को जीवंत बनाए रखेगा। श्रीराम का जीवन यदि देखा जाए, तो जन्म से लेकर अंत तक संघर्षों से भरा रहा। बचपन में ही उन्हें ऋषि विश्वामित्र के साथ राक्षसों के संहार के लिए जाना पड़ा, एक ऐसा क्षण, जब वे अपने पिता से दूर हुए। विवाह के बाद वनवास, फिर सीता हरण, लंका विजय के बाद भी लोक-आरोपों के कारण सीता का वियोग, यह घटनाएं किसी साधारण मनुष्य को तोड़ सकती थीं। परंतु राम ने कभी "उफ" तक नहीं किया। उन्होंने हर परिस्थिति को अपने कर्तव्य का हिस्सा मानकर स्वीकार किया। यही कारण है कि उनका जीवन हमें सिखाता है, परिस्थितियां नहीं, बल्कि हमारा धैर्य और कर्तव्य हमें महान बनाते हैं।

जन्म से ही संघर्ष की राह पर

अयोध्या के राजमहल में जन्मे राम का जीवन बाहर से भले ही वैभवशाली प्रतीत होता हो, लेकिन उनके जीवन की शुरुआत से ही संघर्ष उनके साथ जुड़ गया था। बाल्यकाल में ही ऋषि विश्वामित्र उन्हें राक्षसों के संहार के लिए अपने साथ ले गए। एक पुत्र के रूप में यह पहला वियोग था, पिता दशरथ से दूर होने का। राजकुमार होते हुए भी उन्होंने कभी विशेषाधिकार का मोह नहीं किया। उनका जीवन यह संकेत देता है कि महानता का आरंभ सुविधा से नहीं, बल्कि त्याग से होता है।

प्रेम का आरंभ और वियोग की भूमिका

जनकपुरी की पुष्पवाटिका में जब राम और सीता का प्रथम मिलन हुआ, तो वह केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं था, बल्कि दो आत्माओं का संगम था। यह प्रेम शुद्ध, निर्मल और मर्यादित था। विवाह के बाद ऐसा प्रतीत हुआ मानो जीवन अब सुखद दिशा में आगे बढ़ेगा। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। विवाह के कुछ समय बाद ही राम को वनवास मिला। यह केवल राज्य का त्याग नहीं था, बल्कि माता-पिता, परिवार और वैभव का भी वियोग था। सीता और लक्ष्मण उनके साथ वन को चले गए, लेकिन अयोध्या का हर कोना उनके अभाव में शोकमग्न हो उठा।

वनवास : कर्तव्य और संघर्ष का विश्वविद्यालय

वनवास राम के जीवन का वह कालखंड है, जिसने उनके चरित्र को सबसे अधिक तपाया। चौदह वर्षों का यह वनवास केवल एक दंड नहीं, बल्कि एक परीक्षा थी :- धैर्य, संयम और कर्तव्य की। इस दौरान उन्होंने समाज के हर वर्ग से जुड़ाव बनाया। निषादराज की मित्रता, शबरी के प्रेम, और वानर-भालुओं के सहयोग ने यह सिद्ध किया कि राम का व्यक्तित्व केवल राजसी नहीं, बल्कि लोकजीवन से गहराई से जुड़ा हुआ था। लेकिन इसी वनवास में वह घटना घटी, जिसने राम के जीवन को सबसे गहरे दुःख में डाल दिया :- सीता हरण।

सीता वियोग : एक पति का सबसे बड़ा दुःख

रावण द्वारा सीता का हरण केवल एक स्त्री का अपहरण नहीं था, बल्कि राम के हृदय का टूटना था। एक पति के रूप में यह उनके जीवन का सबसे बड़ा आघात था। राम ने सीता की खोज में जंगल-जंगल भटककर यह सिद्ध किया कि वे केवल आदर्श राजा ही नहीं, बल्कि संवेदनशील पति भी हैं। उनका यह रूप उन्हें ईश्वर से अधिक एक मनुष्य के रूप में हमारे करीब लाता है। यहाँ राम का एक और रूप सामने आता है, संघर्षशील योद्धा का। उन्होंने वानर सेना के साथ मिलकर लंका पर चढ़ाई की और रावण का वध किया। यह केवल युद्ध नहीं था, बल्कि अधर्म पर धर्म की विजय थी।

विजय के बाद भी वियोग : मर्यादा की सबसे कठोर परीक्षा

राम के जीवन में सबसे बड़ा दुःख सीता का वियोग था। पहले रावण द्वारा हरण, फिर अग्नि परीक्षा और अंततः लोकमत के कारण उनका निष्कासन, ये घटनाएं राम के हृदय को भीतर तक तोड़ देने वाली थीं। लेकिन एक राजा के रूप में उन्होंने व्यक्तिगत सुख से ऊपर समाज के विश्वास को रखा। यह निर्णय आज भी बहस का विषय हो सकता है, लेकिन यह राम के कर्तव्यनिष्ठ और मर्यादित चरित्र को दर्शाता है। मतलब साफ है लंका विजय के बाद जब राम अयोध्या लौटे, तो चारों ओर उत्सव का माहौल था। लेकिन यह सुख अधिक समय तक नहीं टिक सका। समाज में उठे प्रश्नों के कारण राम को एक और कठिन निर्णय लेना पड़ा, सीता का निष्कासन। यह निर्णय एक पति के लिए जितना पीड़ादायक था, उतना ही एक राजा के लिए आवश्यक। राम ने अपने व्यक्तिगत सुख से ऊपर समाज की मर्यादा को रखा। यह त्याग उन्हें "मर्यादा पुरुषोत्तम" बनाता है। यहाँ राम का चरित्र हमें यह सिखाता है कि कभी-कभी जीवन में ऐसे निर्णय लेने पड़ते हैं, जो व्यक्तिगत रूप से हमें तोड़ देते हैं, लेकिन समाज के हित में आवश्यक होते हैं।

राम : आदर्शों का जीवंत स्वरूप

राम को "मर्यादा पुरुषोत्तम" कहा जाता है। इसका अर्थ केवल यह नहीं कि वे ईश्वर हैं, बल्कि यह भी है कि वे मनुष्यों में सर्वोत्तम हैं। या यूं कहें राम का जीवन केवल दुःखों की श्रृंखला नहीं, बल्कि आदर्शों की स्थापना भी है। उन्होंने हर भूमिका को पूर्णता के साथ निभाया, उन्होंने जीवन के हर रिश्ते को आदर्श रूप में जिया, पुत्र के रूप में आज्ञाकारिता अर्थात पिता की आज्ञा के लिए राजपाट त्याग दिया, भाई के रूप में, स्नेह और त्याग का अनुपम उदाहरण बने, पति के रूप में, सीता के प्रति अटूट निष्ठा दिखाई, राजा के रूप में न्याय और धर्म के साथ प्रजा के हित को सर्वोपरि रखा. राम का यही मानवीय पक्ष उन्हें जन-जन के करीब लाता है। वे केवल आराध्य नहीं, बल्कि अनुकरणीय भी हैं। उनका जीवन यह संदेश देता है कि मनुष्य अपने आचरण से ही महान बनता है, न कि अपने पद या शक्ति से।

समाज को जोड़ने वाला व्यक्तित्व

राम का सबसे बड़ा गुण था, समाज को जोड़ना। उन्होंने कभी ऊंच-नीच का भेदभाव नहीं किया। निषादराज से मित्रता, शबरी के जूठे बेर खाना, वानरों और भालुओं को अपना सहयोगी बनाना, ये सभी उदाहरण सामाजिक समरसता के प्रतीक हैं। आज जब समाज विभाजन की ओर बढ़ रहा है, तब राम का यह समन्वयकारी स्वरूप अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है। वे हमें सिखाते हैं कि समाज की शक्ति उसकी एकता में निहित है।

राम का जीवन : आधुनिक युग के लिए मार्गदर्शन

आज का समाज अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है :- परिवारों में टूटन, नैतिक मूल्यों का ह्रास, और व्यक्तिगत स्वार्थ का बढ़ता प्रभाव। ऐसे समय में राम का जीवन हमें कई महत्वपूर्ण सीख देता है, कर्तव्य सर्वोपरि है, धैर्य ही सबसे बड़ी शक्ति है, त्याग के बिना आदर्श संभव नहीं, रिश्तों का सम्मान ही समाज की नींव है. रामराज्य केवल एक कल्पना नहीं, बल्कि सुशासन, न्याय और समानता का आदर्श मॉडल है।

रिश्तों का सम्मान करना, समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाना. राम का जीवन एक ऐसा मार्गदर्शक है, जो हमें हर कठिनाई में सही दिशा दिखाता है।

राम : आस्था नहीं, जीवन-दर्शन

आज राम का नाम हर जगह लिया जाता है, लेकिन उनके जीवन के मूल्यों को अपनाने में कमी दिखाई देती है। केवल "राम-नाम" का जाप पर्याप्त नहीं है, जब तक हम उनके गुणों को अपने जीवन में नहीं उतारते। राम का अर्थ है, जीवन में रम जाना, अपने कर्तव्य में लीन हो जाना और लोभ-मोह से ऊपर उठकर समाज के लिए जीना।

वियोग से उजाला बनने की प्रेरणा

राम केवल एक ऐतिहासिक या धार्मिक पात्र नहीं हैं। वे भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं, एक ऐसी चेतना जो हर युग में समाज को दिशा देती है। राम का जीवन हमें यह सिखाता है कि दुःख और वियोग जीवन का अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है। यदि हम अपने कर्तव्य और धर्म पर अडिग रहें, तो हम भी अपने जीवन की अंधकारमय परिस्थितियों को प्रकाश में बदल सकते हैं। "राम इसलिए महान नहीं हैं कि वे ईश्वर हैं, बल्कि इसलिए महान हैं क्योंकि उन्होंने मनुष्य होकर भी अपने धर्म को नहीं छोड़ा।" आज आवश्यकता इस बात की है कि हम राम को केवल मंदिरों में न खोजें, बल्कि अपने भीतर तलाशें। जब हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारेंगे, तभी हम भी वियोग की आग में जलकर उजाला बन सकेंगे।

राम से सीखें जीवन के 7 सूत्र

दुःख में भी धैर्य न खोना, कर्तव्य को सर्वोपरि रखना, रिश्तों का सम्मान करना, त्याग को स्वीकार करना, समाज को जोड़ना, सत्य और मर्यादा का पालन करना, हर परिस्थिति में सकारात्मक बने रहना. मतलब साफ है राम केवल पूलने के लिए नहीं, बल्कि मानव जीवन के संघर्षों में आशा की वह ज्योति है, जो हर युग में मार्गदर्शन करती रहेगी।

चैत्र नवरात्रि की नवमी की तारीख को लेकर पंचांग भेद

तिथियों की घट-बढ़ की वजह से आज और कल भी रहेगी चैत्र शुक्ल रामनवमी

इस साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष नवमी की तारीख को लेकर पंचांग भेद हैं। इस तिथि पर चैत्र नवरात्रि खत्म होती है और भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया जाता है। कुछ पंचांग 26 तो कुछ 27 मार्च को राम नवमी बता रहे हैं।

ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, नवमी तिथि की शुरुआत 26 मार्च को सुबह 11:48 बजे शुरू होगी और 27 मार्च की सुबह 10:06 बजे तक रहेगी। दो दिन नवमी तिथि होने से राम नवमी की तारीख को लेकर भ्रम की स्थिति है। भगवान राम का जन्म पुनर्वसु नक्षत्र में हुआ था और ये नक्षत्र 26 को नहीं, 27 तारीख को है, इस दिन सूर्योदय भी नवमी तिथि में ही होगा, इसलिए 27 को राम नवमी मनाना श्रेष्ठ है।

दूसरी ओर, कुछ विद्वानों का मत है कि शास्त्रों के अनुसार भगवान श्रीराम का जन्म चैत्र शुक्ल नवमी की दोपहर में हुआ था। इसलिए जिस दिन दोपहर में नवमी तिथि है, उसी दिन रामनवमी मनाई जानी चाहिए। इस बार 26 मार्च की दोपहर में नवमी तिथि रहेगी, इसलिए इसी दिन नवमी मनाई जा सकती है।

26 को चैत्र नवरात्रि का आठवां दिन है, इस दिन माता महागौरी की पूजा करनी चाहिए। 27 को देवी सिद्धिदात्री की पूजा करें।

सरल स्टेप्स में ऐसे कर सकते हैं श्रीराम की पूजा

घर के मंदिर में राम दरबार की पूजा की व्यवस्था करें। गणेश पूजन के बाद राम दरबार में श्रीराम, लक्ष्मण, सीता, हनुमान जी, भरत और शत्रुघ्न शामिल रहते हैं।

राम दरबार की सभी प्रतिमाओं पर जल चढ़ाएं। जल के बाद पंचामृत अर्पित करें और एक बार फिर जल चढ़ाएं।

भगवान को इत्र, हार-फूल और वस्त्र आदि पूजन सामग्री चढ़ाएं। सुंदर श्रृंगार करें। मिठाई का भोग लगाएं। धूप-दीप जलाएं और आरती करें।

पूजा में श्रीराम नाम का और रां रामाय नमः मंत्र का जप करें। आप चाहें तो रामायण के कुछ अध्यायों का या सुंदरकांड का पाठ कर सकते हैं।

पूजन के अंत में भगवान से क्षमा याचना करें। प्रसाद बांटें और खुद भी लें।

दुर्गाष्टमी-महानवमी पर कैसे करें कन्या पूजन?

दुर्गाष्टमी पर कन्या पूजा का शुभ समयः 26 मार्च को दुर्गा अष्टमी है। इस दिन आप शोभन योग में सुबह 06:18 बजे से 07:50 बजे के बीच और सुबह 10:55 बजे से दोपहर 01:59 बजे के बीच कर सकते हैं। उसके बाद से राहुकाल प्रारंभ हो जाएगा।

महानवमी पर कन्या पूजा का शुभ समयः 27 मार्च को महानवमी है. इस दिन सुबह से ही रवि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग बना है. आप लाभ-उन्नति मुहूर्त सुबह 07:50 बजे से 09:22 बजे के बीच कन्या पूजा कर सकते हैं. उसके बाद अमृत-सर्वोत्तम मुहूर्त 09:22 बजे से 10:54 बजे तक है. इसमें भी कन्या पूजा करके पुण्य लाभ पा सकते हैं।

कन्या पूजा विधि

आपके यहां जिस दिन कन्या पूजा होती है, दुर्गाष्टमी या महानवमी के दिन आप सुबह में स्नान आदि से निवृत होकर साफ कपड़े पहन लें.इसके बाद व्रत और पूजा का संकल्प करें. फिर विधि विधान से मां दुर्गा की पूजा करें. उसके बाद 2 से लेकर 9 की संख्या में यानि, 2, 3, 4, या जैसी आपकी आस्था है, उतनी कन्याओं को अपने घर आमंत्रित करें. उनकी उम्र 2 से लेकर 9 वर्ष के बीच में हो. उनके साथ एक बालक को भी बुलाएं. कन्याओं के आगमन पर उनका स्वागत करें. उनको माला पहनाएं, शंख बजाएं. बैठने के लिए उपयुक्त आसन दें।

सबसे पहले व्रती को चाहिए कि वह कन्याओं और बालक के पैर छूकर प्रणाम करें. साफ पानी से उनके पांव पखारे यानि साफ करें. अब आप फूल, अक्षत, रोली, माला से उनका पूजन करें. उनको तिलक लगाएं. माता की लाल चुनरी अर्पित करें. रक्षा सूत्र या कलावा बांधें. इस दौरान रक्षासूत्र का मंत्र येन बद्धो बलि राजा, दानवेन्द्रो महाबलः, तेन त्वाम् प्रतिबद्धनामि, रक्षे मा चल मा चलः पढ़ें. इस दौरान मां दुर्गा के मंत्र, गायत्री मंत्र आदि पढ़ सकते हैं. नहीं याद है तो परेशान न हो, मां दुर्गा के नाम का जाप करके पूजन कर लें।

फिर भक्ति भाव से उनको हलवा, पुड़ी, काले चने, फल, मिठाई आदि परोसें।

जब वे भोजन कर लें, तो उनको अपनी क्षमता के अनुसार उपहार दें. आप चाहें तो दुर्गा चालीसा की पुस्तिका भी भेंट कर सकते हैं।

जब कन्या विदा करें तो उनको फिर से प्रणाम करें और अगले वर्ष से आने का निवेदन करें. इस प्रकार से कन्या पूजा संपन्न करें।

रामनवमी : पंजीरी व खीर पूरी है भगवान राम को सबसे प्रिय?

रामनवमी का भोगः आस्था और परंपरा का मेल भगवान श्रीराम को विष्णु का अवतार माना जाता है, इसलिए उनके भोग में सात्विकता और शुद्धता का विशेष महत्व होता है. भोग सिर्फ भोजन नहीं, बल्कि श्रद्धा का प्रतीक है. यही वजह है कि इस दिन बनाए जाने वाले प्रसाद का हर एक तत्व कुछ न कुछ संदेश देता है।

प्रमुख भोग जो श्रीराम को अर्पित किए जाते हैं धनिया पंजिरी का महत्व रामनवमी पर धनिया की पंजिरी का विशेष स्थान है. इसे पिसे हुए सूखे धनिये, घी, चीनी और मेवों से तैयार किया जाता है. गर्मी के मौसम की शुरुआत में धनिया शरीर को ठंडक देता है. यही कारण है कि इसे प्रसाद

के रूप में प्रमुखता दी जाती है. कई घरों में इसे बनाते समय बच्चों की भी मदद ली जाती है, जिससे त्योहार का उत्साह और बढ़ जाता है.

पंचामृत पंचामृत के बिना वैष्णव पूजा अधूरी मानी जाती है. दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल से बने इस मिश्रण में तुलसी दल मिलाना बेहद जरूरी होता है. धार्मिक मान्यता है कि तुलसी के बिना भगवान श्रीराम भोग स्वीकार नहीं करते।

केसरिया भात की मिठास पीले रंग के मीठे चावल, जिन्हें केसरिया भात कहा जाता है, भगवान राम को अत्यंत प्रिय माने जाते हैं. केसर, इलायची और सूखे मेवों के साथ तैयार यह व्यंजन शुभता और ज्ञान का प्रतीक है. कई परिवारों में इसे खास तौर पर सुबह के भोग में शामिल किया जाता है।

खीर और पूरी दूध और चावल से बनी खीर को अमृत समान माना गया है. मान्यता है कि राजा दशरथ के यज्ञ के बाद जो प्रसाद मिला था, वह खीर ही थी. इसलिए रामनवमी पर खीर का भोग विशेष महत्व रखता है. पूरी के साथ इसका संयोजन भोग को और पूर्ण बना देता है।

कंदमूल और फल भगवान श्रीराम के वनवास के जीवन को याद करते हुए कंदमूल और फल अर्पित किए जाते हैं. शकरकंद, केला, सेब और खासकर बेर जो शबरी की भक्ति की याद दिलाते हैं इस दिन के भोग का हिस्सा बनते हैं. यह परंपरा हमें सादगी और संतोष का संदेश देती है।

पना और शीतल पेय चैत्र मास में गर्मी की शुरुआत हो जाती है, इसलिए बेल का शरबत या आम का पना भगवान को अर्पित किया जाता है. यह केवल परंपरा नहीं, बल्कि मौसम के अनुरूप स्वास्थ्य का भी ध्यान रखता है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 26 मार्च - 2026

आरक्षण पर नई चुनौती

सुप्रीम कोर्ट द्वारा यह स्पष्ट किया जाना कि हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म से बाहर जाकर धर्म परिवर्तन करने वाले व्यक्ति को अनुसूचित जाति (एससी) का दर्जा नहीं मिल सकता। यह एक ऐसा फैसला है जिसने संवैधानिक प्रावधानों और सामाजिक वास्तविकताओं के बीच चल रही पुरानी बहस को फिर से केंद्र में ला दिया है। यह निर्णय संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 के प्रावधानों के अनुरूप है, लेकिन इसके सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव दूरगामी हो सकते हैं। संविधान के तहत अनुसूचित जाति का दर्जा ऐतिहासिक रूप से उन समुदायों को दिया गया, जो हिंदू समाज की जातिगत संरचना में सबसे निचले पायदान पर रहे और सदियों तक सामाजिक भेदभाव का सामना करते रहे। बाद में इस दायरे में सिख और बौद्ध समुदायों को भी शामिल किया गया। लेकिन ईसाई और मुस्लिम धर्म अपनाने वाले दलितों को इससे बाहर रखा गया। सुप्रीम कोर्ट का ताजा रुख इसी संवैधानिक व्यवस्था की पुनः पुष्टि करता है। फैसले का महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि आरक्षण का उद्देश्य सामाजिक और ऐतिहासिक अन्याय की भरपाई करना है, न कि धार्मिक पहचान के आधार पर लाभ देना। यदि कोई व्यक्ति उस सामाजिक ढांचे से बाहर चला जाता है, जहां जातिगत उत्पीड़न की संरचना मौजूद है, तो उसे उसी आधार पर मिलने वाले विशेष अधिकारों का लाभ देना तर्कसंगत नहीं माना जा सकता। इस दृष्टि से यह फैसला संवैधानिक भावना के अनुरूप प्रतीत होता है। लेकिन इसका दूसरा पक्ष कहीं अधिक जटिल और संवेदनशील है। भारत में जाति केवल धार्मिक पहचान का हिस्सा नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवहार की एक गहरी जड़ है। कई उदाहरण ऐसे सामने आए हैं, जहां धर्म परिवर्तन के बावजूद दलित समुदाय के लोगों को भेदभाव और सामाजिक अलगाव का सामना करना पड़ा। तमिलनाडु और अन्य राज्यों से आई शिकायतें यह दर्शाती हैं कि ईसाई या मुस्लिम बनने के बाद भी सामाजिक बराबरी स्वतः सुनिश्चित नहीं हो जाती। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या केवल धर्म बदल लेने से जातिगत असमानता समाप्त हो जाती है? यहां सबसे बड़ी चुनौती कानून और जमीन की सच्चाई के बीच संतुलन बनाने की है। सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के दायरे में रहकर फैसला दिया है, लेकिन समाज की जटिलताओं को केवल कानूनी व्याख्या से हल नहीं किया जा सकता। यदि धर्म परिवर्तन के बाद भी सामाजिक भेदभाव जारी रहता है, तो उस स्थिति में राज्य की जिम्मेदारी बनती है कि वह ऐसे समुदायों की वास्तविक स्थिति का पुनर्मूल्यांकन करे। राजनीतिक स्तर पर भी यह मुद्दा आने वाले समय में बहस को तेज करेगा। एक ओर आरक्षण के दुरुपयोग को रोकने की चिंता है, तो दूसरी ओर उन लोगों के अधिकारों का सवाल भी है, जो धर्म परिवर्तन के बावजूद सामाजिक भेदभाव से मुक्त नहीं हो पाए हैं। इसलिए इस विषय पर संतुलित और व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। अंततः यह समझना जरूरी है कि जाति भारत की सामाजिक सच्चाई है, जिसे केवल कानूनी आदेशों से समाप्त नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट का फैसला संवैधानिक रूप से सही हो सकता है, लेकिन यह समाज के सामने एक बड़ा सवाल भी छोड़ता है? क्या धर्म बदलने से वास्तव में सामाजिक बराबरी मिल जाती है? यदि नहीं, तो फिर समाधान केवल कानून नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक सुधारों में ही निहित है।

ईरान युद्धः सदी की त्रासदी और बडी भूल

ओंकारेश्वर पांडेय

युद्ध छेड़ने के 25 दिन के भीतर अमेरिका अब ईरान के साथ बातचीत पर आ गया है। पाकिस्तान उस बातचीत की मेज़बानी करने का दावा कर रहा है। युद्ध का एक महीना भी नहीं गुजरा और बातचीत की बात करना दुनिया के तमाम शांति पसंद मुल्कों के लिए सुखद संकेत होता मगर ईरान की ओर से मिल रहे संकेत तत्काल युद्ध समाप्त होने के संकेत नहीं देते और बातचीत की इच्छा जताना अपने आप में दर्शाता है कि अमेरिका इस युद्ध में थक गया है। या वह उपलब्धियां हासिल नहीं कर पाया, जिसके लिए युद्ध में उतरा। अगर बातचीत ही करनी थी तो पिछली बातचीत के बीच हमले का कोई औचित्य नहीं था।

बात रणनीति की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बयान मीडिया में छाया है कि इस युद्ध के लिए उनके रक्षा सचिव पीट हेगसेठ ने कहा था – लेट्स डू इट। पिछले ही हफ्ते अमेरिकी नेशनल काउंटर टेररिज्म सेंटर के निदेशक जो केंट ने इस युद्ध के औचित्य पर सवाल खड़े करते हुए इस्तीफा दे दिया था। और अब ट्रंप का पांच दिवसीय युद्ध विराम और शांति समझौते की बात करना कई सवाल खड़े करता है।

अमेरिका ने ईरान पर हमले और युद्ध विराम के संदर्भ में जो भी कहा हो पर उससे इतर ईरान ने इस बार युद्ध को अपनी सभ्यतागत अस्तित्व और साख की लड़ाई मान ली है। इसलिए युद्ध समाप्त होने में समय लगेगा। और जब भी युद्ध समाप्त होगा, तो ईरान, इज़राइल और अमेरिका को निश्चय ही इस युद्ध में हुए ध्वंस का पुनर्निर्माण करने में दशकों लगेंगे। पर जो नैतिकता और साख का ढांचा टूट गया है, उसको बनाने में सदियां लगेंगी। सत्य कहां है? तथ्य कहां है? सबूत कहां है? झूठ सागर में डूबता जा रहा। यह सेंचुरियन ब्लंडर है। सदी की भूल। यह सदी की त्रासदी है। और सदी का सबक भी। सागर के भीतर से नयी विश्व-व्यवस्था की सुनामी उठ रही है।

दुनिया अब उस मोड़ पर है, जहाँ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान को 48 घंटे का अल्टीमेटम दे रहे हैं, और ईरानी सैन्य कमांडर उन्हें उन्हीं की भाषा में 'यू आर फायर्ड' कह रहे हैं। जब अमेरिका ने कहा कि वह ईरान के सभी ऊर्जा ढांचे को नेस्तनाबूद कर देगा, तो ईरान ने जवाब दिया कि ठीक है, वह तब तक के लिए हारमूज की खाड़ी को बंद करके रखेगा, जबतक कि उन ढांचों का पुनर्निर्माण न हो जाय। बस इसी बयान ने ट्रंप को बैकफुट पर ला दिया और वे शांति वार्ता की बात करने लगे।

अगर बारीकी से देखें तो यह सिर्फ युद्ध नहीं, यह रणनीति का अंतिम संस्कार है, जहाँ दोनों पक्ष पानी, बिजली और स्कूलों को निशाना बना रहे हैं, और विश्व समुदाय इस आत्मघाती नाटक के सबसे कड़वे फल भोग रहा है। इंटरनेशनल रेड क्रिसेंट की रिपोर्ट है कि अब तक ईरान के 82 हजार से ज्यादा इमारतों को नुकसान पहुंचा है। नुकसान इजराइल में भी काफी हो रहा है। अनेक विश्लेषक इस युद्ध को 'बहुध्रुवीय व्यवस्था' के नजरिए से देख रहे हैं, लेकिन वे उस मूल सत्य को नजरअंदाज कर रहे हैं जो अब हर गली, हर ड्रोन हमले, और हर अल्टीमेटम में झलक रहा हैः यह युद्ध कोई रणनीति नहीं, बल्कि एक बड़े घोटाले को छुपाने का सस्ता नाटक है।

पेंटागन ने स्वीकार किया है कि ईरान पर हमले के पहले सप्ताह में ही अमेरिका ने लगभग 110 अरब डॉलर खर्च कर दिए। 24 मार्च 2026 तक यह आंकड़ा 200 अरब डॉलर के पार पहुंच चुका है। पेंटागन ने कांग्रेस से 200 अरब डॉलर की अतिरिक्त धनराशि की मांग की है । विशेषज्ञों का अनुमान है कि युद्ध की दैनिक लागत 1 से 2 अरब डॉलर के बीच है । यह रकम एक नए 'फोर्ड-क्लास' विमानवाहक पोत से भी अधिक है। डेमोक्रेटिक सांसदों का कहना है कि असली आंकड़ा 500 अरब डॉलर के पार जा सकता है। 25 दिन बीत चुके हैं।

• ईरान का परमाणु कार्यक्रम खत्म नहीं हुआ, बल्कि नतंज़ सुविधा पर दोबारा हमला हुआ। • ईरान ने दीमोना (इज़राइल का परमाणु ढांचा) पर मिसाइल दागी। अमेरिका को अपने ही सहयोगी देशों (यूएई, सऊदी अरब) की जलापूर्ति और बिजली घरों की सुरक्षा की चिंता सता रही है। • अमेरिका को एक इंच ईरानी जमीन का कब्जा नहीं मिला है। • और ईरान को जलडमरूमध्य का टोल प्लाज़ा मिल गया। यह रणनीति है या पैसे और जान की बर्बादी? युद्ध क्यों? वह कारण जिसे दुनिया ने ठुकरा दिया

अमेरिका ने युद्ध का जो आधार बताया, वह था—ईरान का परमाणु हथियार बनाने का 'तत्काल खतरा'। संयुक्त राष्ट्र परमाणु निरीक्षकों (IAEA) ने स्पष्ट किया कि उनके पास ऐसे किसी भी सबूत का अभाव है। यूरोपीय संघ के विदेश मंत्री जोसेप बोरेल ने कहा कि राजनयिक विकल्प अभी समाप्त नहीं हुए थे। रूस और चीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में प्रस्ताव रखा कि बातचीत जारी रहे। लेकिन अमेरिका ने न तो सुरक्षा परिषद का रुख किया, न नाटो का, न यूरोपीय संघ का। उसने अकेले ही यह फैसला लिया। दुनिया ने यह सवाल कियाः अगर खतरा इतना तात्कालिक था, तो IAEA की रिपोर्ट का इंतजार क्यों नहीं किया गया? इस सवाल का जवाब आज तक नहीं मिला।

फरवरी 2026 में अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी ने एप्सटीन फाइल्स जारी करने का वादा किया था। 3 मार्च 2026 को विभाग ने लगभग 50,000 दस्तावेज़ हटा लिए थे जिन्हें बाद में संवेदनशील जानकारी हटाकर फिर से जारी किया गया । जब फाइलें आईं तो उनमें काफी हिस्सा काली स्याही से ढंक दिया गया था — पुराने अखबारों के कटिंग्स, पहले से लीक दस्तावेज़, और हज़ारों पन्ने की सामग्री तो थी पर किसी बड़े नाम का ज़िक्र इस रूप में नहीं था कि शर्मिंदगी हो। यूएसए टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, फाइलों में से 47,635 दस्तावेज़ समीक्षा के लिए हटाए गए थे और कुछ फाइलों में राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ आरोपों का जिक्र था । यानी सब छुपा लिया गया। और फिर, 28 फरवरी 2026 को अचानक युद्ध शुरू हो गया ।

ट्रंप को इस युद्ध से क्या मिला? एप्सटीन फाइल्स दब गईं। इज़राइल को क्या मिला? एक लंबा, थका देने वाला युद्ध जहाँ उसके शहरों पर मिसाइलें गिर रही हैं। नेतन्याहू की मौत की अफवाहें फैलाई गईं—वे सुरक्षित हैं, लेकिन यह अफवाहें बताती हैं कि यह युद्ध सिर्फ ज़मीन पर नहीं, बल्कि डीपफेक और सोशल मीडिया के स्क्रीन पर भी लड़ा जा रहा है।

ईरान का आरोप है कि अमेरिका ने पहले ही क़ेश्म द्वीप पर एक अलवणीकरण संयंत्र पर हमला कर दिया जो 30 गाँवों को पानी सप्लाई करता था। और अब तक चार जल आपूर्ति ढांचों को निशाना बना चुका है। अमेरिका का आरोप है कि IRGC क्षेत्र के अलवणीकरण संयंत्रों को निशाना बनाने की योजना बना रहा है। IRGC का जवाब साफ थाः यह अमेरिकी सेना है जिसने युद्ध शुरू किया, 180 स्कूली बच्चों की हत्या करके। और अब तक पाँच जल आपूर्ति बुनियादी ढांचे को निशाना बना चुकी है जिसमें क़ेश्म द्वीप का अलवणीकरण संयंत्र शामिल है।

हालांकि बहरीन में पहले ही एक अलवणीकरण संयंत्र ईरानी ड्रोन हमले में क्षतिग्रस्त हो चुका है। खाड़ी देशों में 90% पीने का पानी अलवणीकरण पर निर्भर है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर ये संयंत्र तबाह हुए, तो दुबई और रियाद जैसे शहरों से पलायन शुरू हो सकता है।

कैंसर के मरीजों की संख्या चिंताजनक

स्नेहा सिंह

भारत में कैंसर के मरीजों की संख्या चिंताजनक रूप से बढ़ रही है। इसमें केवल आनुवंशिकता या नशे ही जिम्मेदार नहीं हैं। कई अन्य लापरवाहियां और अनदेखी की प्रवृत्ति भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। जानकारों का मानना है कि भारत में लोग जो भोजन करते हैं, उसकी जांच करने की जहमत नहीं उठाते। दूसरी ओर ऐसी कोई ठोस व्यवस्था भी नहीं है और न ही कानून का कड़ाई से पालन होता है। इसके कारण भोजन में जहरीले तत्वों की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे कई बीमारियां उत्पन्न होती हैं।

बेंगलुरु की एक संस्था ने 9 राज्यों और 14 शहरों के लोगों पर अध्ययन किया। उनके खून के नमूनों की जांच में सामने आया कि 78 प्रतिशत भारतीयों के खून में खतरनाक कीटनाशक और अन्य केमिकल्स पाए गए। शहरी आबादी में यह आंकड़ा 93 प्रतिशत तक पहुंचा। 36 प्रतिशत लोगों के खून में तीन या उससे अधिक केमिकल्स पाए गए। ये रसायन जीवन के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं और लोग इससे गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि त्योहारों के दौरान सबसे अधिक केमिकलयुक्त खाद्य पदार्थ लोगों तक पहुंचते हैं।

इस अध्ययन में यह भी सामने आया कि 54 प्रतिशत लोगों में एंटीबायोटिक्स और 39 प्रतिशत में स्टेरॉयड्स की मात्रा अधिक थी, जिससे हार्मोन असंतुलन और कैंसर जैसी बीमारियां बढ़ रही हैं।

शोधकर्ताओं ने बताया कि नॉनस्टिक बर्तनों में भी केमिकल्स का उपयोग होता है, जिससे लंबे समय तक उपयोग करने पर कैंसर, नपुंसकता, थायरॉइड और लिवर की बीमारियां हो सकती हैं। चिंताजनक बात यह है कि अनाज, दाल, सब्जियां, फल और अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावट और जहरीले रसायनों का उपयोग लगातार बढ़ रहा है, लेकिन इसे रोकने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे।

रिपोर्ट के अनुसार किसान बेहतर उत्पादन और फसल बचाने के लिए विभिन्न प्रकार के कीटनाशकों का उपयोग करते हैं, लेकिन उन्हें सही मात्रा और उपयोग की जानकारी नहीं होती। इसके अलावा बाजार में भंडारण के दौरान भी इन पर दवाओं का छिड़काव किया जाता है, जिससे इनका स्तर और बढ़ जाता है। आम आदमी तक पहुंचते-पहुंचते ये खाद्य पदार्थ अत्यधिक जहरीले हो जाते हैं।

लोगों और किसानों के मन में यह धारणा बैठा दी गई है कि फसल बचाने के लिए कीटनाशकों का उपयोग जरूरी है। लेकिन इसके अंधाधुंध उपयोग से समस्या और बढ़ रही है। कई मामलों में प्रतिबंधित केमिकल्स का भी उपयोग किया जा रहा है।

आज स्थिति यह है कि खेतों से लेकर घर तक हर जगह केमिकल्स पहुंच रहे हैं। खेतों में छिड़काव, भंडारण और घरों में मच्छर-मक्खी भगाने के लिए इस्तेमाल, हर स्तर पर इनका उपयोग हो रहा है। लेकिन इनके सुरक्षित उपयोग के बारे में जागरूकता नहीं है।

शहरी क्षेत्रों में मच्छर, मक्खी और अन्य जीवों से बचने के लिए लगातार केमिकल्स का उपयोग किया जा रहा है। पूरी रात चलने वाले उपकरणों से शरीर पर दुष्प्रभाव पड़ते हैं, सुस्ती, आंखों में जलन, चक्कर और उल्टी जैसी समस्याएं बढ़ती हैं।

हरित क्रांति के बाद जहां उत्पादन बढ़ा, वहीं इसके दुष्प्रभाव भी सामने आए। अब मिट्टी, पानी और भोजन सभी में कीटनाशकों की मौजूदगी बढ़ गई है। कई राज्यों की मिट्टी में भी जहरीले तत्व पाए गए हैं।

अब यह स्थिति हो गई है कि ये कीटनाशक हमारे खून तक पहुंच चुके हैं। इसका असर न केवल वर्तमान पीढ़ी पर, बल्कि आने वाली पीढ़ियों पर भी पड़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ये केमिकल्स आनुवंशिक बदलाव भी कर सकते हैं, जिससे जन्मजात बीमारियां बढ़ सकती हैं।

कुछ लोग यह तर्क देते हैं कि आधुनिक कीटनाशक सुरक्षित हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि पूरी तरह सुरक्षित विकल्प अभी उपलब्ध नहीं हैं। ऑर्गेनिक खेती भी सीमित है और आम लोगों तक नहीं पहुंच पाती या बहुत महंगी होती है। इसलिए जरूरी है कि लोग स्वयं जागरूक बनें और सरकार पर दबाव डालें। जब तक कीटनाशकों के उपयोग को नियंत्रित नहीं किया जाएगा, तब तक स्थिति में सुधार संभव नहीं है और देश की वर्तमान तथा आने वाली पीढ़ियां गंभीर बीमारियों की चपेट में आती रहेंगी।

एलपीजी संकट से खाने-पीने का धंधा चौपट

संजय सक्सेना

मार्च 2026 का महीना भारत के लाखों रेस्तरां मालिकों, ढाबेदारों और छोटे खाने-पीने के कारोबारियों के लिए एक बुरे सपने जैसा बन गया है। देश के सबसे बड़े सुबह उत्तर प्रदेश के छोटे-बड़े शहरों से लेकर गांव-देहात तक में एलपीजी गैस संकट ने खानपान के धंधे में लगे लोगों की कमर तोड़ दी है। यूपी ही नहीं, दिल्ली की गलियों से लेकर मुंबई के फुटपाथ तक, बेंगलुरु के होटलों से लेकर आंध्र प्रदेश के दूरदराज के ढाबों तक हर जगह एक ही चिंता हैः एलपीजी गैस कहां से आएगी?मार्च 2026 के पहले सप्ताह में यह संकट तब शुरू हुआ जब ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच सैन्य संघर्ष के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य व्यावहारिक रूप से बंद हो गया, जो दुनिया के इतिहास में पहली बार हुआ। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलपीजी आयातक है और वित्त वर्ष 2025 में उसने 3.13 करोड़ मीट्रिक टन एलपीजी की खपत की। देश अपनी जरूरत का करीब 67 फीसदी एलपीजी आयात करता है, जिसमें से लगभग 90 फीसदी होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर आता है। जब यह रास्ता बंद हुआ, तो भारत की रसोई की नब्ज थम-सी गई।घरेलू उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए सरकार ने व्यावसायिक एलपीजी आपूर्ति में 80 फीसदी तक की कटौती कर दी। इसका नतीजा यह हुआ कि यूपी, बिहार, दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोच्चि जैसे बड़े शहरों में हजारों रेस्तरां और होटल या तो बंद हो गए या उन्हें लकड़ी और कोयले पर वापस लौटना पड़ा। नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) के अध्यक्ष सागर दरयानी ने कहा कि यह एक संकट की स्थिति है, जो अगले कुछ दिनों में कई रेस्तरां बंद करा देगी। उन्होंने बताया कि भारत के 90 फीसदी रेस्तरां अपनी रसोई चलाने के लिए एलपीजी सिलेंडर पर निर्भर हैं। उद्योग पहले से ही कम मांग और उच्च लागत से जूझ रहा था, लेकिन अगर एलपीजी आपूर्ति की समस्या बनी रहती है, तो इससे ₹कारोबार बंद होंगे और नौकरियां जाएंगी। रेस्तरां उद्योग के जानकार और कई ब्रांड के संस्थापक ज़ोरावर कालरा ने इस संकट की तुलना मार्च 2020 के कोविड लॉकडाउन के शुरुआती दिनों से की। उन्होंने कहा कि रेस्तरां क्षेत्र कृषि के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा रोजगार देने वाला उद्योग है, जो सीधे तौर पर करीब 80 लाख लोगों को रोजगार देता है और इतने ही लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से। यह 6.6 लाख करोड़ का पारिस्थितिकी तंत्र है, जो हर दिन जीडीपी में करीब 1,800 करोड़ का योगदान देता है।कालरा ने अनुमान जताया कि अगर एलपीजी आधारित संचालन बंद हो जाए, तो दैनिक नुकसान 1,200 से 1,300 करोड़ के बीच हो सकता है। सबसे बुरी मार छोटे ढाबेदारों और रेहड़ी-पटरी वालों पर पड़ रही है, जिनकी पूरी आजीविका एक-दो सिलेंडर पर टिकी है। उत्तर प्रदेश में कुछ होटल मालिकों का कहना है कि उनके पास केवल एक या दो दिन का गैस भंडार बचा है और सिलेंडर की उपलब्धता 40 से 50 फीसदी तक घट गई है।

लखनऊ के रकाबगंज इलाके में रहने वाली चंदनी, जो प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की लाभार्थी हैं, डेढ़ साल तक बिना रुकावट गैस पाती रहीं। लेकिन जब उनका रिफिल नहीं आया, तो वो फिर से लकड़ी की ओर लौट गईं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में लकड़ी की कीमत 10 से बढ़कर 20 प्रति किलो हो गई है।संकट का असर खाने-पीने के कारोबार तक ही सीमित नहीं है। व्यवसाय ये बढ़ी हुई लागत उपभोक्ताओं पर डाल रहे हैं, जिससे खाने की कीमतें और महंगाई बढ़ रही है। यह संकट दक्षिणी और पश्चिमी राज्यों में सबसे गंभीर है, जबकि पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) के बुनियादी ढांचे वाले शहर अपेक्षाकृत कम प्रभावित हैं। इस संकट ने लॉन्ड्री और कांच-सिरेमिक जैसे कारखानों को भी प्रभावित किया है। पुणे में एक गैस चालित शवदाह गृह तक बंद करना पड़ गया। संसद के बाहर विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री के खिलाफ नारेबाजी की।सरकार के कदमों की बात करें तो 8 मार्च 2026 को सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन अधिकतम करने के आदेश दिए। घरेलू उत्पादन में करीब 25 फीसदी की बढ़ोतरी की गई। इसके अलावा लगभग 48,000 किलोलीटर केरोसीन वैकल्पिक ईंधन के रूप में जारी किया गया और शहरी इलाकों में सिलेंडर बुकिंग के बीच का न्यूनतम अंतराल 21 से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया। 12,000 से अधिक छापे मारे गए और जमाखोरी एवं कालाबाजारी रोकने के लिए 15,000 से ज्यादा सिलेंडर जब्त किए गए। पेट्रोलियम मंत्रालय ने रेस्तरां, होटल और अन्य व्यावसायिक उद्योगों को एलपीजी आपूर्ति के लिए प्रतिनिधित्व की समीक्षा हेतु एक समिति बनाने की भी घोषणा की।हालांकि, कालरा ने बताया कि रेस्तरां केवल 19 किलो के व्यावसायिक सिलेंडर का उपयोग कर सकते हैं और घरेलू सिलेंडर पर नहीं जा सकते। करीब 75 फीसदी रेस्तरां एलपीजी पर निर्भर हैं, जबकि केवल 25 फीसदी के पास पाइप्ड गैस का विकल्प है।यह संकट कब तक चलेगा, यह सवाल सबसे बड़ा है। ईरान के राजदूत ने कहा कि उनका देश कुछ ईंधन जहाजों को भारत के लिए होर्मुज से गुजरने की अनुमति के लिए 22 जहाज अभी भी फारस की खाड़ी में फंसे हुए हैं। जब तक होर्मुज की राह नहीं खुलती और कूटनीतिक समाधान नहीं निकलता, भारत के लाखों खाने-पीने के कारोबारियों की थाली खाली और चूल्हा ठंडा ही रहेगा।

ऊँची आय, तेज विकास का मॉडल है तेलंगाना

सुरेश कश्यप

तेलंगाना की अर्थव्यवस्था आज देश के तेजी से उभरते आर्थिक मॉडलों में एक मजबूत उदाहरण बनकर सामने आई है। वर्ष 2025–26 के अंतिम अग्रिम अनुमानों के अनुसार राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) 17.82 लाख करोड़ रुपये तक पहुँचने का अनुमान है, जो 10.7 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर को दर्शाता है। यह राष्ट्रीय औसत 8 प्रतिशत से काफी अधिक है और इस बात का संकेत है कि तेलंगाना विकास की दौड़ में तेज गति से आगे बढ़ रहा है। लेकिन इस तेज विकास के भीतर छिपे क्षेत्रीय संतुलन के सवालों को नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता।

तेलंगाना की अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत उसका सेवा क्षेत्र है। वर्ष 2025–26 में सेवा क्षेत्र का सकल राज्य मूल्य वर्धित (जीएसवीए) 11,30,596 करोड़ रुपये अनुमानित है और कुल अर्थव्यवस्था में इसकी हिस्सेदारी 68.6 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है। यह आँकड़ा स्पष्ट करता है कि राज्य का आर्थिक ढाँचा मुख्य रूप से सेवा-प्रधान मॉडल पर आधारित है। सूचना प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाएँ, परिवहन, व्यापार और संचार जैसे क्षेत्रों ने राज्य को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में निर्णायक भूमिका निभाई है। हालाँकि सेवा क्षेत्र की यह मजबूती राज्य की आर्थिक पहचान को मजबूत करती है, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि किसी भी अर्थव्यवस्था का दीर्घकालिक और स्थायी विकास केवल एक क्षेत्र पर निर्भर होकर संभव नहीं होता। यही कारण है कि द्वितीयक क्षेत्र यानी औद्योगिक क्षेत्र की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। इस क्षेत्र का जीएसवीए 2,68,325 करोड़ रुपये है और इसमें 9.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो सकारात्मक संकेत देता है। यह वृद्धि बताती है कि औद्योगिक विस्तार और आधारभूत संरचना विकास की दिशा में राज्य सही रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। सबसे बड़ी चिंता का विषय प्राथमिक क्षेत्र यानी कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियाँ हैं। इस क्षेत्र का जीएसवीए 2,49,691 करोड़ रुपये है और इसमें केवल 1.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। राज्य की कुल अर्थव्यवस्था में इसकी हिस्सेदारी 15.1 प्रतिशत रह गई है। यह आँकड़े संकेत देते हैं कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था अभी भी अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ पा रही है। जबकि राज्य की बड़ी आबादी अब भी कृषि पर निर्भर है, ऐसे में इस क्षेत्र की धीमी वृद्धि दीर्घकालिक सामाजिक असंतुलन का कारण बन सकती है।

तेलंगाना की प्रति व्यक्ति आय 4,18,931 रुपये तक पहुँच जाना निश्चित रूप से राज्य की आर्थिक मजबूती का प्रमाण है। यह राष्ट्रीय औसत 2,19,575 रुपये से लगभग दोगुना है। यह उपलब्धि बताती है कि राज्य की विकास रणनीति प्रभावी रही है और लोगों की आय क्षमता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। लेकिन यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि आय का यह औसत तभी सार्थक माना जाएगा, जब इसका लाभ समाज के सभी वर्गों तक समान रूप से पहुँचे।

संकट अब खबर नहीं, रोज़मर्रा की आदत

आर के जैन

मार्च 2026 की यह वसंत ऋतु किसी नवजीवन की नहीं, बल्कि एक ऐसे मौन तूफान की कहानी कह रही है, जिसने भारत के आम घर की रसोई से लेकर खेत की मेड़ तक हर सांस को भारी कर दिया है। एक ओर पश्चिम एशिया में युद्ध की आग भड़क रही है, तो दूसरी ओर धरती पर तपता सूरज और बेमौसम बरसते ओले किसान की उम्मीदों को कुचल रहे हैं। इन सबके बीच एमएसपी को लेकर सुलगता असंतोष उस आग में घी डालने का काम कर रहा है। यह सिर्फ खबरों का विषय नहीं, बल्कि हर उस परिवार की हकीकत है जिसकी थाली और आजीविका इन संकटों से सीधे जुड़ी है।

रसोई का चूल्हा, जो हर घर की धड़कन होता है, आज अनिश्चितता के धुएं में घिरा हुआ है। ईरान के आसपास बढ़े तनाव और हॉर्मुज जैसे महत्वपूर्ण मार्गों पर आई बाधा ने एलपीजी आपूर्ति की रीढ़ हिला दी है। सिलेंडर की कीमतें आम आदमी की पहुंच से बाहर जाती दिख रही हैं और कई जगहों पर काला बाजार अपने चरम पर है।

छोटे ढाबे, होटल और ठेले वाले, जो शहरों की जीवंतता का हिस्सा हैं, अब अपने चूल्हे बुझाने को मजबूर हो रहे हैं। महिलाओं की दिनचर्या, जो गैस के इर्द-गिर्द चलती थी, अब इंतजार और चिंता में बदल गई है। यह संकट केवल ईंधन का नहीं, बल्कि जीवन की गति का ठहराव है।

उधर खेतों में खड़ा किसान आसमान की ओर देखता है, लेकिन अब वहां से राहत नहीं, बल्कि अनिश्चितता बरस रही है। मार्च की असामान्य गर्मी ने रबी फसलों को समय से पहले ही झुलसा दिया, जिससे गेहूं के दाने सिकुड़ गए और पैदावार पर गहरा असर पड़ा। जैसे-तैसे बची फसल को अचानक आई बारिश और ओलावृष्टि ने जमीन पर गिरा दिया। यह दोहरी मार किसान की साल भर की मेहनत पर एक क्रूर प्रहार है। जो खेत कुछ दिन पहले सुनहरे दिखते थे, आज वहां बिखरी उम्मीदें नजर आ रही हैं। यह बदलाव केवल मौसम का नहीं, बल्कि उस जलवायु संकट का संकेत है जो अब हर खेत में अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहा है।

इस प्राकृतिक और वैश्विक संकट के बीच एमएसपी को लेकर उठती आवाजें एक और संघर्ष का रूप ले चुकी हैं। किसानों का भरोसा पहले ही कमजोर था, और अब अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों की चर्चाओं ने उनकी चिंता को और गहरा कर दिया है। सड़कों पर उतरते किसान केवल अपनी फसल का मूल्य नहीं, बल्कि अपने भविष्य की सुरक्षा मांग रहे हैं। उनके लिए एमएसपी सिर्फ एक आर्थिक नीति नहीं, बल्कि जीवन की गारंटी है। जब 86 प्रतिशत छोटे किसान पहले से कर्ज में डूबे हों, तब यह डर स्वाभाविक है कि सस्ते आयात उनकी मेहनत को बेमानी बना देंगे। यह संघर्ष केवल खेत का नहीं, बल्कि आत्मसम्मान का भी है। इन तीनों मोर्चों पर चल रहा यह संकट एक-दूसरे से अलग नहीं, बल्कि गहराई से जुड़ा हुआ है।

रसोई में महंगा होता गैस सिलेंडर, बाजार में बढ़ती अनाज की कीमतें और खेतों में घटती पैदावार—ये सब मिलकर एक ऐसा दबाव बना रहे हैं, जिससे आम आदमी की जिंदगी हर दिन कठिन होती जा रही है। गरीब और मध्यम वर्ग के लिए यह एक त्रिकोणीय हमला बन चुका है, जहां आय सीमित है लेकिन खर्च लगातार बढ़ रहा है। बच्चों की थाली छोटी हो रही है, और परिवारों की प्राथमिकताएं बदल रही हैं। यह सिर्फ महंगाई नहीं, बल्कि जीवन स्तर में गिरावट का संकेत है।

सरकार की ओर से प्रयास जरूर किए जा रहे हैं, लेकिन उनकी पहुंच और प्रभाव पर सवाल खड़े हो रहे हैं। वैकल्पिक आयात, रिफाइनरियों की क्षमता बढ़ाना और बीमा दावों को तेज करना जैसे कदम उठाए गए हैं, पर जमीनी स्तर पर राहत अभी भी सीमित है। किसान अब भी अपने नुकसान का सही आकलन और मुआवजा पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, और उपभोक्ता महंगाई के बोझ तले दबे हैं। यह स्थिति बताती है कि संकट केवल तात्कालिक उपायों से नहीं सुलझेगा, बल्कि इसके लिए दीर्घकालिक और व्यापक रणनीति की जरूरत है।

यह पूरा परिदृश्य भारत की ऊर्जा, कृषि और सामाजिक सुरक्षा की कमजोर कड़ियों को उजागर कर रहा है। वैश्विक घटनाएं अब सीधे घरेलू जीवन को प्रभावित कर रही हैं, और जलवायु परिवर्तन ने अनिश्चितता को नया सामान्य बना दिया है। अगर इन चुनौतियों को समय रहते नहीं समझा गया, तो आने वाले दिनों में यह संकट और गहरा सकता है। यह केवल अर्थव्यवस्था की बात नहीं, बल्कि उस भरोसे की भी बात है, जिस पर देश की नींव टिकी है।

अब समय है कि समाधान भी उतना ही व्यापक और साहसिक हो जितना यह संकट गहरा है। ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण, किसानों को मजबूत सुरक्षा कवच, एमएसपी पर स्पष्ट नीति और जलवायु के अनुरूप खेती को बढ़ावा—ये केवल विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता हैं। साथ ही, आम आदमी की आवाज को नीतियों के केंद्र में रखना होगा। क्योंकि जब रसोई सुरक्षित होगी और खेत मजबूत, तभी देश स्थिर और समृद्ध बन सकेगा। यह परीक्षा कठिन जरूर है, लेकिन सही दिशा में उठाए गए कदम इसे एक नए अवसर में बदल सकते हैं।

सुबह की एक गलती की वजह से होते हैं ज्यादातर हार्ट अटैक! हर किसी के लिए जानना जरूरी

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हार्ट अटैक के मामलों में तेजी से इजाफा देखा जा रहा है। आलम तो कुछ ऐसा हो गया है कि अब युवा भी इसकी चपेट में आने लगे हैं। वैसे तो खराब खानपान, तनाव, नींद की कमी और अनियमित दिनचर्या इसके बड़े कारण बनते जा रहे हैं लेकिन हमें समझने की जरूरत है कि अब हमारी रोजमर्रा की कुछ छोटी-छोटी आदतें भी दिल की सेहत पर गहरा असर डालती हैं, जिन पर हम अक्सर ध्यान नहीं देते।

दरअसल, सुबह का समय शरीर के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है, लेकिन इसी समय की गई एक आम गलती हार्ट अटैक का खतरा बढ़ा सकती है। ऐसे में जरूरी है कि हम अपनी सुबह की आदतों को समझें और सुधारें। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि वह कौन सी गलती है, जिससे दिल को खतरा हो सकता है और उससे कैसे बचा जा सकता है।

सुबह की ये गलती बढ़ा सकती है हार्ट अटैक का खतरा

ये गलती है सुबह अचानक उठकर अपने कामों में लग जाना।

दरअसल, अधिकांश लोग सुबह उठते ही सीधे बिस्तर छोड़कर व्यायाम, दौड़ या भारी काम करना शुरू कर देते हैं। जोकि पूरी तरह से गलत तरीका है। आइए जानते हैं कि ऐसा करने से हार्ट अटैक का कैसे होगा?

क्यों खतरनाक है ये आदत?

ब्लड प्रेशर में अचानक बदलाव

नींद से जागने पर शरीर का सर्कुलेटिंग ब्लड प्रेशर धीरे-धीरे बढ़ता है। अगर आप तुरंत खड़े होकर काम शुरू करते हैं, तो ब्लड प्रेशर अचानक ऊंचा हो जाता है। इससे रक्त वाहिकाओं और दिल पर अत्यधिक दबाव पड़ता है, जो हार्ट अटैक या स्ट्रोक का कारण बन सकता है।

हार्ट पर स्ट्रेस

स्ट्रेस हार्ट अटैक का बड़ा कारण है। सुबह अचानक एक्टिव होने से दिल को तेज़ी से खून पंप करना पड़ता है। यह अचानक स्ट्रेस हार्ट मसल्स पर लोड बढ़ा देता है और कमजोर हार्ट वाले लोगों के लिए खतरनाक हो सकता है।

ब्रेन और हार्ट को कम ऑक्सीजन

नींद से उठते समय शरीर और मस्तिष्क को पर्याप्त ऑक्सीजन की जरूरत होती है। अचानक उठने पर ऑक्सीजन की आपूर्ति धीमी हो जाती है, जिससे चक्कर, कमजोरी और कभी-कभी फॉल होने का खतरा भी बढ़ जाता है।

हाई रिस्क लोगों के लिए ज्यादा खतरा

जो लोग हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज या पहले से कार्डियक बीमारी से ग्रस्त हैं, उनके लिए यह आदत और भी गंभीर साबित हो सकती है। उनके हार्ट पर अचानक दबाव बढ़ने से हार्ट अटैक या इमरजेंसी की स्थिति बन सकती है।

क्या है सही तरीका?

सुबह उठते ही 1–2 मिनट बिस्तर पर बैठें

धीरे-धीरे शरीर को स्ट्रेच करें

एकदम से खड़े होने से बचें

गहरी सांस लें और शरीर को सामान्य होने दें

फिर धीरे-धीरे अपने दिन की शुरुआत करें

हमेशा ध्यान रखें कि छोटी-सी लापरवाही भी बड़ी समस्या बन सकती है। सुबह उठने का सही तरीका अपनाकर आप हार्ट अटैक के खतरे को काफी हद तक कम कर सकते हैं।

कहीं आपको डायबिटीज तो नहीं? इन लक्षणों को पहचानकर खुद करें जांच

आज की तेज़ रफ्तार और अनियमित लाइफस्टाइल ने हमारी सेहत पर गहरा असर डाला है। जंक फूड, कम फिजिकल एक्टिविटी और बढ़ता तनाव कई गंभीर बीमारियों को जन्म दे रहा है, जिनमें डायबिटीज सबसे आम हो चुकी है।

ऐसे में आपको ये समझना चाहिए कि डायबिटीज होने पर अक्सर शरीर कुछ संकेत देता है, लेकिन सही जानकारी के अभाव में लोग उन्हें सामान्य थकान या कमजोरी समझकर टाल देते हैं। ऐसे में जरूरी है कि डायबिटीज के शुरुआती लक्षणों को समय रहते पहचान लिया जाए। अगर आप इन संकेतों पर ध्यान देते हैं, तो घर पर ही अपनी शुगर लेवल चेक कर समय रहते बचाव कर सकते हैं।

डायबिटीज के लक्षण क्या हैं? -

बार-बार पेशाब आना

जब शरीर में शुगर लेवल बढ़ जाता है, तो किडनी अतिरिक्त ग्लूकोज को यूरिन के जरिए बाहर निकालने की कोशिश करती है। इस प्रक्रिया में ज्यादा पानी की जरूरत होती है, जिससे बार-बार पेशाब

आता है। खासकर रात में बार-बार उठना इसका महत्वपूर्ण संकेत माना जाता है।

ज्यादा प्यास लगना

बार-बार पेशाब आने से शरीर में पानी की कमी हो जाती है। इसी वजह से आपको लगातार प्यास लगती रहती है, चाहे आप पानी पीते रहें। यह शरीर का संकेत है कि वह फ्लूइड बैलेंस बनाए रखने की कोशिश कर रहा है।

लगातार थकान

डायबिटीज में शरीर ग्लूकोज को सही तरीके से ऊर्जा में बदल नहीं पाता। इससे कोशिकाओं को पर्याप्त ऊर्जा नहीं मिलती और व्यक्ति को हर समय कमजोरी और थकान महसूस होती है, भले ही उसने आराम किया हो।

अचानक वजन घटना

जब शरीर को ऊर्जा के लिए पर्याप्त ग्लूकोज नहीं मिलता, तो वह फैट और मसल्स को तोड़कर ऊर्जा बनाना शुरू कर देता है। इससे बिना किसी प्रयास के तेजी से वजन कम होने लगता है, जो एक गंभीर चेतावनी संकेत है।

धुंधला दिखाई देना

ब्लड शुगर का स्तर बढ़ने से आंखों की लेंस पर असर पड़ता है, जिससे उनका आकार अस्थायी रूप से बदल सकता है। इससे चीजें धुंधली दिखाई देने लगती हैं। लंबे समय तक अनियंत्रित शुगर आंखों को स्थायी नुकसान भी पहुंचा सकती है।

घाव का देर से भरना

डायबिटीज में ब्लड सर्कुलेशन धीमा हो जाता है और इम्यून सिस्टम कमजोर पड़ जाता है। इस कारण छोटी-छोटी चोटें या कट भी जल्दी ठीक नहीं होते और इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है।

बार-बार इंफेक्शन

उच्च शुगर लेवल बैक्टीरिया और फंगस के बढ़ने के लिए अनुकूल माहौल बनाता है। इसके कारण त्वचा, मसूड़ों, यूरिन या प्राइवेट पार्ट्स में बार-बार संक्रमण हो सकता है।

अगर इनमें से 2–3 लक्षण लगातार दिखाई दें, तो तुरंत ब्लड शुगर टेस्ट कराएं। समय रहते पहचान और इलाज से डायबिटीज को कंट्रोल करना आसान हो जाता है।

फैमिली में है डायबिटीज तो आप कैसे बचें

घर पर शुगर चेक कैसे करें?

ग्लूकोमीटर की मदद से आसानी से घर पर ब्लड शुगर टेस्ट किया जा सकता है।

सुबह खाली पेट (फास्टिंग) और खाने के 2 घंटे बाद शुगर लेवल जरूर चेक करें।

अगर शुगर काफी कम या ज्यादा है तो घरेलू इलाज न करें, तत्काल ही डॉक्टर से सलाह लें।

वजन घटाने में मददगार हो सकते हैं ये हेल्दी सलाद

वेट लॉस जर्नी को आसान बनाने के लिए लोग सबसे पहले जो फंडा अपनाते हैं वो है डाइट पर कंट्रोल करना, जो सबसे बड़ी गलती है। डाइट कंट्रोल करने के लिए लोग भूखा रहते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक वजन कम करने के लिए भूखा रहना जरूरी नहीं है बल्कि सही पोषण पर ध्यान देना जरूरी है। सही पोषण की जहां बात आती है उसमें सलाद का नाम सबसे पहले आता है। सलाद जिसमें कैलोरी न के बराबर होती है और पोषक तत्व भरपूर होते हैं जो बॉडी में फैट को बढ़ने नहीं देते और बॉडी को भरपूर पोषण देते हैं।

खीरा, टमाटर और गाजर का सलाद

खीरा, टमाटर और गाजर का सेवन सलाद के रूप में करने से पेट लम्बे समय तक भरा रहता है और भूख कंट्रोल रहती है। लौ कैलोरी इस सलाद में भरपूर फाइबर होता है। पानी से भरपूर ये सब्जियां बॉडी को हाइड्रेट रखती हैं और पाचन को दुरुस्त करती हैं। इसे बनाने के लिए खीरा, टमाटर और गाजर को काटकर उसमें नींबू का रस और काला नमक मिलाकर रोज लंच और डिनर से 15-20 मिनट पहले खाएं तो पेट भरा हुआ महसूस होता है और आप कम खाना खाते हैं।

स्प्राउट्स सलाद का करें सेवन

स्प्राउट सलाद प्रोटीन और फाइबर का अच्छा स्रोत है। यह लंबे समय तक पेट भरा रखता है और मेटाबॉलिज्म को तेज करता है। इसे बनाने के लिए अंकुरित मूंग या चने में प्याज, टमाटर, नींबू और हरा धनिया मिलाएं। इसे नाश्ते या शाम के स्नैक के रूप में लिया जा सकता है। यह जंक फूड का बेहतर विकल्प है। अनाज को अंकुरित करने से उनमें मौजूद प्रोटीन की गुणवत्ता और मात्रा 10-15% तक बढ़ जाती है। हाई प्रोटीन डाइट का सेवन घ्रेलिन यानी भूख बढ़ाने वाले हार्मोन के स्तर को कम करता है और 'पेप्टाइड YY' यानी तृप्ति महसूस कराने वाला हार्मोन को बढ़ाता है। इससे आप लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस करते हैं और ओवरईटिंग से बचते हैं।

ग्रीन पावर सलाद

यह सलाद खासतौर पर बेली फैट कम करने में मदद करता है। इसमें पालक, खीरा, शिमला मिर्च, उबला चना और टोफू शामिल किया जाता है। इसमें मौजूद आयरन और फाइबर शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करते हैं। इसे डिनर में रोटी या चावल की जगह लिया जा सकता है। आप एक बड़ा बाउल भरकर ये सलाद खा सकते हैं, जिससे पेट पूरी तरह भर जाएगा, लेकिन आपको कैलोरी बहुत कम मिलेगी। रिसर्च बताती हैं कि 'वॉल्यूम ईटिंग' करने वाले लोग बिना भूखे रहे लंबे समय तक वजन कम कर सकते हैं।

चुकंदर और सेब का सलाद

यह सलाद मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने और शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है। चुकंदर और सेब में एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं। इसमें सीड्स मिलाकर इसका पोषण बढ़ाया जा सकता है। इसे सुबह खाली पेट या वर्कआउट से पहले लेना फायदेमंद माना जाता है। चुकंदर में नाइट्रेट्स प्रचुर मात्रा में होता हैं जो शरीर में जाकर नाइट्रिक ऑक्साइड में बदल जाते हैं। ये नसों को फैलाता है जिससे मांसपेशियों तक ऑक्सीजन बेहतर पहुंचती है।

पेट में गैस बन रही है तो ये पेट में कीड़े का संकेत हो सकता है

पेट में कीड़े यानी इंटेस्टाइनल वर्म्स की समस्या भारत सहित कई देशों में एक आम हेल्थ प्रॉब्लम है। ये समस्या अधिकतर बच्चों में पाई जाती है, लेकिन वयस्क भी इससे प्रभावित हो सकते हैं। पेट दर्द या गैस की समस्या को साधारण मानकर नजरअंदाज कर देना सही नहीं है, कई मामलों में इसका कारण आंतों में मौजूद परजीवी (पैरासाइट्स) हो सकते हैं। सफाई का ध्यान रखकर पेट में कीड़े की समस्या से बचा जा सकता है।

आमतौर पर लोग ये समझते हैं कि सिर्फ बच्चों के पेट में कीड़े होते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। बड़ों के पेट में भी कीड़े हो सकते हैं और बच्चों की तरह वयस्कों का भी उपचार जरूरी है। जब आंतों में कीड़े पनपते हैं, तो वे शरीर के जरूरी पोषक तत्वों को सोख लेते हैं और पाचन तंत्र को कमजोर कर देते हैं। इससे गैस, पेट फूलना, अपच, मरोड़ और भारीपन जैसी समस्याएं होने लगती हैं।

यही कारण है कि बार-बार गैस बनने की समस्या को हल्के में नहीं लेना चाहिए, ये पेट में कीड़े होने का लक्षण हो सकता है। पेट में कीड़े होने पर मरीज को पेट दर्द के साथ साथ गैस, ब्लोटिंग, भूख कम लगना और वजन घटना जैसी समस्याएं होने लगती हैं। इन समस्याओं को लंबे समय तक नजरअंदाज करने से समस्या बढ़ सकती है।

बार-बार गैस होना पेट में कीड़े का संकेत

अगर आपको बार-बार गैस हो जाती है तो ये पेट में कीड़े होने का संकेत हो सकता है। जब पैरासाइट्स यानी कीड़े आंतों में रहते हैं, तो पाचन प्रक्रिया को बाधित करते हैं। इससे खाना सही तरह से नहीं पचता, जिससे आंतों में गैस बनने लगती है और पेट फूलने की शिकायत होती है। कई मामलों में यह समस्या लगातार बनी रहती है और सामान्य गैस की दवाओं से भी पूरी तरह ठीक नहीं होती। ऐसा होना पेट में कीड़े

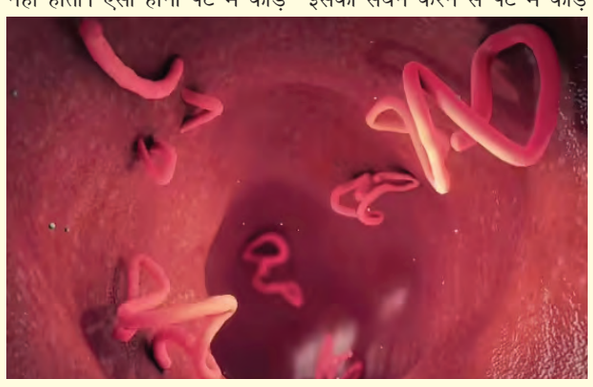

होने का संकेत हो सकता है।

पेट में कीड़े होने के लक्षण

पेट में कीड़े हों तो इसके लक्षण धीरे-धीरे सामने आते हैं। कई बार ये लक्षण सामान्य पाचन समस्या जैसे लगते हैं। आमतौर पर पेट में कीड़े होने के निम्नलिखित लक्षण होते हैं-

पेट में गैस और सूजन

बार-बार या लगातार पेट दर्द

भूख कम लगना

बेवजह वजन घटना

कमजोरी और थकान

बच्चों में चिड़चिड़ापन और फोकस की कमी

पेट के कीड़े कितने नुकसानदायक

पेट में कीड़े शरीर के किसी भी हिस्से में पहुंचकर नुकसान पहुंचा सकते हैं। कुछ कीड़े लाल रक्त कोशिकाओं को अपना भोजन बनाते हैं, जिससे व्यक्ति एनीमिया का शिकार हो सकता है। पेट के कीड़े व्यक्ति का भोजन खा जाते हैं, जिससे उसका वजन तेजी से घटने लगता है।

पेट में कीड़े होने की वजहें

पेट में कीड़े से बचाव के लिए सबसे पहले इसका कारण जानना जरूरी है। आमतौर पर पेट में कीड़े होने के निम्नलिखित कारण होते हैं-

दूषित पानी पीना- दूषित पानी में पैरासाइट्स के अंडे हो सकते हैं। इसका सेवन करने से पेट में कीड़े की समस्या हो सकती है। उबला हुआ या आरओ से फिल्टर पानी पीने से इस समस्या से बचा जा सकता है।

बिना हाथ धोए भोजन करना- खाना पकाने और खाने से पहले हाथ न धोने से पेट में कीड़े हो सकते हैं। गंदे हाथों के नाखूनों में मौजूद गंदगी पर कीड़ों के अंडे या लार्वा चिपके हो सकते हैं, जो भोजन के साथ पेट में जाते हैं और आंतों में पनपते हैं।

शौच के बाद हाथ न धोना- शौच के बाद हाथ न धोने से मल में मौजूद कीड़ों के सूक्ष्म अंडे या लार्वा हाथों के माध्यम से मुंह तक पहुंचते हैं और पेट में पहुंचकर आंतों में पनपते हैं और इन्फेक्शन फैलाते हैं।

गंदगी में रहना या खुले में शौच- जो लोग सफाई का ध्यान नहीं रखते, फल और सब्जी का उपयोग बिना धोए करते हैं, ऐसी जगहों पर रहते हैं जहां बहुत गंदगी है या जहां लोग खुले में शौच करते हैं, ऐसे लोगों को पेट में कीड़े होने की संभावना अधिक रहती है।

संक्रमित एरिया में रहना- जो लोग ऐसी जगहों पर रहते हैं जहां इन्फेक्शन की संभावना ज्यादा है तो ऐसे लोगों के पेट में कीड़े होने की आशंका ज्यादा रहती है। संक्रमित एरिया में दूषित मिट्टी, पानी या भोजन के जरिए कीड़ों के सूक्ष्म अंडे या लार्वा शरीर में प्रवेश कर जाते हैं।

बच्चों के पेट में कीड़े क्यों होते हैं?

पेट में कीड़े की समस्या ज्यादातर बच्चों में पाई जाती है। इसकी वजह ये है कि बच्चे खेलते समय अक्सर गंदगी के संपर्क में आते हैं और हाथ मुंह में डाल लेते हैं। इससे हाथों द्वारा संक्रमण पेट में जाता है और कीड़ों को पनपने का अवसर मिल जाता है।

पेट में कीड़े होने से बचाव कैसे करें?

पेट में होने वाले कीड़ों से बचने के लिए साफ-सफाई का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। इसके लिए-

खाने से पहले और शौच के बाद हाथ जरूर धोएं।

हमेशा साफ और उबला या फिल्टर किया हुआ पानी पिएं।

फल और सब्जियों को अच्छी तरह धोकर ही खाएं।

बाहर का कच्चा या अस्वच्छ खाना खाने से बचें।

बच्चों को साफ-सफाई की आदतें सिखाएं।

पेट में गैस हो तो उसका कारण जानें

अगर पेट में कीड़ों की आशंका हो सबसे पहले अपनी जांच कराएं। गलत दवा या अधूरा इलाज समस्या को दोबारा बढ़ा सकता है इसलिए इलाज में लापरवाही न करें। डिवॉर्मिंग यानी कीड़े मारने वाली दवा से पेट के कीड़ों से बचाव होता है इसलिए हर 6 महीने में डिवॉर्मिंग कराएं। बच्चों के लिए डिवॉर्मिंग बेहद जरूरी है।

पेट में कीड़े होना एक आम लेकिन नजरअंदाज की जाने वाली समस्या है, जो गैस और पाचन संबंधी कई दिक्कतों का कारण बन सकती है। सही समय पर लक्षणों की पहचान, साफ-सफाई का ध्यान और नियमित डिवॉर्मिंग से इस समस्या को आसानी से रोका और ठीक किया जा सकता है। अच्छे डाइजेस्टिव सिस्टम के लिए सफाई और जागरूकता जरूरी है।

सफेद जूतों का पीलापन दूर करने के लिए अपनाएं ये असरदार घरेलू तरीके

वाइट शूज या स्नीकर्स लगभग लड़कों के लगभग हर आउटफिट के साथ चल जाते हैं और ये देखने में भी अच्छे लगते हैं। ऐसे में ज्यादातर लड़के इन्हें खरीदना और पहनना पसंद करते हैं। वहीं लड़कियों की बात करें तो वन-पीस, जींस या फिर कई तरह की वेस्टर्न ड्रेस के साथ वो भी वाइट शूज या फिर स्नीकर्स पहनना पसंद करती हैं।

ये हमेशा लुक को निखारने का काम करते हैं, लेकिन इसके साथ सबसे दिक्कत ये है कि यह बहुत जल्दी गंदे हो जाते हैं। साथ ही अगर इनके ऊपर किसी भी तरह का कोई दाग पड़ जाए तो उसे हटाना भी बेहद मुश्किल होता है। कई बार ये दाग और पीलापन इतना जिद्दी होता है कि ब्रश से रगड़ने के बाद भी नहीं हटता है। ऐसे में बच्चों के स्कूल के सफेद जूतों से लेकर यूथ के स्टाइलिश वाइट शूज और स्नीकर्स तक को आप यहां बताए 3 ट्रिक से आसानी से साफ कर सकते हैं।

टूथपेस्ट और विनेगर

वाइट शूज पर जहां भी गंदे निशान या पीलापन हो उसे हटाने के लिए आप टूथपेस्ट विनेगर का इस्तेमाल करें। इसके लिए बस आपको करना ये है कि किसी कटोरी में टूथपेस्ट लें उसमें विनेगर डालें। इसे दाग पर लगा दें। फिर सॉफ्ट ब्रश से दाग को हटाएं। पानी से साफ कर दें।

डिटर्जेंट और विनेगर

वाइट शूज से पीलापन हटाने के लिए आप डिटर्जेंट और विनेगर का यूज कर सकती हैं। इसके लिए एक मग में गुनगुना पानी लें। उसमें डिटर्जेंट या विनेगर मिलाएं। इसमें किसी टब या बाल्टी में डालें और जूतों को उसमें भिगो दें। कुछ देर बार ब्रश से जूतों को साफ कर लें। बाद में पानी से धो लें।

गर्म पानी और नमक

जूतों पर जमे जिद्दी निशान और पीलापन को आप गर्म पानी और नमक के जरिए भी हटा सकते हैं। इसके लिए टब या बाल्टी लें। उसमें गर्म पानी डालें। पानी बहुत ज्यादा गर्म नहीं होना चाहिए। एक बड़ा चम्मच नमक डाल दें। इसे पानी में अच्छी तरह से घोल दें। फिर जूतों को इस सॉल्यूशन में भिगो दें। थोड़ी देर बाद ब्रश से धोकर वाइट शूज साफ कर लें।

गर्मी में ज्यादा क्यों काटते हैं मलेरिया के मच्छर? बीमारी से बचने का तरीका

गर्मी आते ही मलेरिया के मामले तेजी से बढ़ने लगते हैं, क्योंकि यह मच्छरों के पैदा होने के लिए बढ़िया मौसम है। मच्छरों के कारण होने वाला यह रोग गंभीर एनीमिया, ऑर्गन फेलियर और मृत्यु का कारण बन सकता है। इसलिए इसे बिल्कुल भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। मलेरिया से बचने के लिए आप कुछ उपाय अपना सकते हैं, जो मलेरिया की रोकथाम में मदद करते हैं।

गर्मी में मलेरिया होने का कारण

भारत समेत ट्रॉपिकल (भू-मध्य रेखा के आसपास वाले क्षेत्र) और सब-ट्रॉपिकल रीजन में मलेरिया एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या बन चुका है। हमारे पास या दूसरे अस्पतालों में गर्मी बढ़ने के साथ मच्छरों से होने वाली बीमारी के मरीजों के आने की संख्या बढ़ जाती है। गर्मी में मच्छरों के प्रजनन के लिए अनुकून माहौल होता है, इसलिए मलेरिया के मच्छर के काटने का खतरा भी बढ़ जाता है। इससे बचने के लिए मच्छरों के प्रजनन और उनके काटने का खतरा कम करने वाले उपाय अपनाने चाहिए।

मलेरिया क्या है?

मलेरिया परजीवी के कारण होने वाला एक गंभीर संक्रामक रोग है, जो कि मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से मनुष्यों को होता है। इस बीमारी के बचाव और इलाज के तरीके एडवांस होने के बावजूद हर साल इसके हजारों मामले दर्ज किए जाते हैं। इस बीमारी को फैलने से रोकना का सबसे प्रभावी तरीका जागरूकता और बचाव के उपाय अपनाना है।

मलेरिया कैसे होता है?

प्लास्मोडियम प्रजाति से संबंध रखने वाले परजीवी के कारण मलेरिया होता है। इन परजीवी में प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम और प्लास्मोडियम विवैक्स भारत के अंदर सबसे आम हैं। जब इन परजीवी से संक्रमित मादा एनाफिलीज मच्छर मनुष्य को काटती है तो इंसान के खून में मलेरिया का परजीवी भी छोड़ देती है। सबसे पहले यह पैरासाइट लिवर में पहुंचकर मल्टीप्लाई व मैच्योर होता है। कुछ दिन बाद यह परजीवी फिर से खून में पहुंचकर रेड ब्लड सेल्स को संक्रमित करता है। इंफेक्शन की इस साइकिल से बुखार और मलेरिया के अन्य लक्षण दिखने लगते हैं।

अगर मलेरिया का निदान और इलाज जल्दी ना किया जाए तो यह गंभीर जोखिमों का खतरा बढ़ाता है। मरीज को गंभीर एनीमिया, ऑर्गन फेलियर का सामना करना पड़ सकता है और अत्यधिक गंभीर मामले में मृत्यु भी हो सकती है।

गर्मियों में मलेरिया के मामले क्यों

बढ़ जाते हैं?

मच्छरों के प्रजनन के लिए गर्मी सबसे बढ़िया मौसम है। गर्म तापमान, ह्यूमिडिटी में बढ़ोतरी और जलभराव की वजह से मच्छरों के लार्वा को विकसित होने के लिए बढ़िया वातावरण मिलता है। एयर कूलर, गमलों, बाल्टी, छत पर रखी पानी की टंकी और कंस्ट्रक्शन साइट पर पानी भरने और जमा होने की संभावना रहती है। जो कि मच्छरों के प्रजनन की जगह बन जाती है। थोड़ा सा भी जलभराव मच्छरों के पैदा होने के लिए काफी है।

जलभराव और खराब ड्रेनेज सिस्टम वाले शहरों में मच्छरों की तादाद काफी ज्यादा होती है। इनकी संख्या बढ़ने के साथ मलेरिया का संक्रमण फैलने का खतरा भी बढ़ता है।

मलेरिया के आम लक्षण व संकेत

मलेरिया रोग के लक्षण आमतौर पर संक्रमित मच्छर के काटने के 10 से 15 दिन के बीच दिखने लगते हैं। कुछ मामलों में यह समय ज्यादा भी हो सकता है। संकेत व लक्षण इस प्रकार हैं-

ठंड गना व कंपन के साथ तेज बुखार

बुखार आने के बाद पसीना आना

तेज सिरदर्द

मांसपेशियों और बदन में दर्द

थकान और कमजोरी

जी मिचलाना और उल्टी

भूख ना लगना

गंभीर मामलों में मलेरिया की वजह से एनीमिया, सांस लेने में कठिनाई, कंफ्यूजन और दिमाग, किडनी व लंग्स जैसे अंगों से जुड़ी समस्याएं भी हो सकती हैं। चूंकि मलेरिया के लक्षण दूसरे आम वायरल इंफेक्शन की तरह दिखते हैं, इसलिए गर्मी के मौसम में लगातार होने वाले बुखार को हल्के में लेने की गलती ना करें।

मलेरिया से बचाव के लिए स्ट्रैटजी

मलेरिया से बचने के लिए मच्छरों के प्रजनन और मच्छरों के काटने की संभावना को कम करना चाहिए।

मच्छरों के प्रजनन को कंट्रोल कैसे करें?

घर या ऑफिस के आसपास पानी इकट्ठा ना होने दें।

गर्मी में हर हफ्ते एयर कूलर को साफ करके सुखाएं और फिर पानी भरें।

छत या खुले में रखे गमलों, ट्रे या कंटेनर में पानी इकट्ठा ना होने दें।

पानी की टंकी को अच्छी तरह ढककर रखें।

रिहायशी इलाकों के आसपास ड्रेनेज सिस्टम सही रखें।

मच्छरों के काटने से कैसे बचें?

खासकर बच्चों और बुजुर्गों के सोने के लिए मच्छरदानी का इस्तेमाल करें।

खुले हाथ-पैर में मॉस्किटो रिपेलेंट या क्रीम लगाएं।

घर में मच्छरों को घुसने से रोकने के लिए विंडो स्क्रीन और जाली का इस्तेमाल करें।

खासकर शाम के वक्त पूरे हाथ-पैर ढकने वाले कपड़े पहनें।

जरूरत पड़ने पर मॉस्किटो कॉइल या इलेक्ट्रिक वैपोराइजर का उपयोग करें।

इम्यूनिटी बढ़ाने पर भी दें ध्यान

मच्छरों के काटने से बचने के साथ इम्यूनिटी बढ़ाने पर भी ध्यान देना चाहिए ताकि शरीर किसी भी इंफेक्शन के खिलाफ बेहतर प्रतिक्रिया दे सके।

पर्याप्त पानी पीने, पौष्टिक भोजन लेने और पर्याप्त नींद लेने से इम्यून फंक्शन मजबूत रहता है। बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों की खासतौर से देखभाल रखनी चाहिए, क्योंकि उनमें मलेरिया के गंभीर होने का खतरा ज्यादा रहता है।

वास्तविक घटना से प्रेरित फिल्म 'सुंदर पूनम' में जल्द नजर आयेगी सान्या मल्होत्रा

बॉलीवुड में इन दिनों ऐसी फिल्मों का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है, जिनका कंटेंट दमदार हो। दर्शक अब सिर्फ मनोरंजन ही नहीं, बल्कि ऐसी कहानियां भी देखना चाहते हैं जो उन्हें भावनात्मक रूप से जोड़ सकें। इसी कड़ी में सान्या मल्होत्रा की आने वाली रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'सुंदर पूनम' की चर्चा जोरों पर है। एक्ट्रेस ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसे लेकर फैंस में काफी उत्साह देखा जा रहा है। सान्या मल्होत्रा ने इस खास मौके की झलक अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की है। उन्होंने फिल्म की शुरुआत करने से पहले मुहूर्त पूजा की और इसकी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में फिल्म का क्लैपबोर्ड नजर आ रहा है। इसके अलावा, वह को-स्टार्स के साथ कुछ कैंडिड मोमेंट्स वाले फोटो क्लिक करवाती दिख रही हैं। वहीं एक वीडियो में सान्या आरती करती हुई नजर आ रही है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने एक छोटा सा कैप्शन लिखा- 'सुंदर पूनम फिल्म की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है।'

इस फिल्म का निर्देशन पुलकित कर रहे हैं। वहीं फिल्म में सान्या के साथ आदित्य रावल भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह प्रोजेक्ट प्राइम वीडियो के 2026 के स्लेट का हिस्सा है।

हाल ही में फिल्म मेकर्स ने 'सुंदर पूनम' का फर्स्ट लुक वीडियो जारी किया था, जिसमें सान्या मल्होत्रा दुल्हन बनी नजर आई। वीडियो में देखा जा सकता है कि सान्या के किरदार पूनम का फोन लगातार रिंग हो रहा है, जिसमें सुंदर और राजू नाम के नंबर से फोन आ रहे हैं। आखिर में दुल्हन बनी सान्या मुस्कुराती है और इसके बाद एक खबर की आवाज सुनाई देती है कि एक शादीशुदा जोड़ा कश्मीर में गायब हो गया।

फिल्म की कहानी के बारे में बात करें तो 'सुंदर पूनम' में लव स्टोरी के साथ-साथ सस्पेंस और क्राइम का तड़का भी देखने को मिलेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की कहानी एक वास्तविक घटना से प्रेरित है। कहा जा रहा है कि यह 2025 में सामने आए एक चर्चित हनीमून मर्डर केस पर आधारित हो सकती है, जिसमें शादी के तुरंत बाद एक कारोबारी की हत्या कर दी गई थी। इस फिल्म में एक नया शादीशुदा जोड़ा कश्मीर हनीमून पर जाता है। इस दौरान उनके अचानक लापता होने की खबर सामने आती है। इसके साथ ही दुल्हन पूनम से जुड़ा हैरान करने वाला सच भी सामने आता है। फिल्म की कहानी दर्शकों को चौंका देगी।

मोनालिसा ने लगाया डायरेक्टर सनोज मिश्रा पर गंभीर आरोप

बोलीं- मुझे कई बार गलत तरीके से छुआ परिवार ने मेरा साथ नहीं दिया

प्रयागराज के कुंभ मेले से चर्चा में आईं मोनालिसा भोंसले ने मंगलवार को डायरेक्टर सनोज मिश्रा पर फिल्म 'द डायरी ऑफ मणिपुर' की शूटिंग के दौरान गलत तरीके से छूने के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि उन्हें और उनके पति को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं।

मोनालिसा ने केरल के कोच्चि में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सनोज मिश्रा अच्छा इंसान नहीं है। उसने मुझे 10 बार गलत तरीके से छुआ। मैंने अपने परिवार को बताया कि सनोज मिश्रा ने मुझे छुआ, लेकिन उन्होंने मेरा साथ नहीं दिया। मुझे पता है कि मैंने क्या सहा है। मेरे साथ गलत व्यवहार हुआ है। मुझे सिर्फ न्याय चाहिए। सनोज मिश्रा ने मुझे जब छुआ। मैंने यह बात अपने पूरे परिवार को बताई, लेकिन कहा गया कि यह तुम्हारी पहली फिल्म है। क्या पहली फिल्म के लिए मुझसे रेप करवाओगे?

केंद्र, केरल, मध्य प्रदेश सरकार से सुरक्षा मांगी

मोनालिसा ने केंद्र सरकार के साथ केरल और मध्य प्रदेश सरकार से मदद मांगी। उन्होंने कहा कि उन्हें और उनके पति को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। मोनालिसा ने कहा कि उनके पोस्टर जलाए जा रहे हैं। साथ ही कुछ लोग उन्हें लगातार धमका रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि डायरेक्टर उनके बारे में गलत बातें फैला रहा है। उन्होंने कहा कि वह ऐसे व्यक्ति के साथ काम नहीं करना चाहतीं।

पति पर गलत आरोप न लगाने की अपील

मोनालिसा ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार से अपील की कि उनके पति के खिलाफ शादी को लेकर गलत आरोप न लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि दोनों ने मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज से शादी की है।

उन्होंने आरोप लगाया कि डायरेक्टर उनकी शादी को लव जिहाद बता रहा है और समाज में तनाव फैलाने की कोशिश कर रहा है। मोनालिसा ने सभी धर्मों के प्रति सम्मान जताया। मोनालिसा ने कहा कि अगर उन्हें उनके पति से अलग करने की कोशिश की गई तो दोनों आत्महत्या कर लेंगे।

पति फरमान ने भी गंभीर आरोप लगाए

वहीं, मोनालिसा के पति फरमान ने भी आरोप लगाया कि डायरेक्टर उन्हें आतंकवादी बता रहा है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम परिवार में जन्म लेने और उनका नाम फरमान खान होने के कारण उन पर आरोप लगाए जा रहे हैं। फरमान ने कहा कि वह श्री नारायण गुरु में विश्वास रखते हैं और उन्होंने उसी के एक मंदिर में शादी की है। बता दें कि दोनों ने हाल ही में केरल में शादी की है, क्योंकि मोनालिसा के परिवार को यह रिश्ता स्वीकार नहीं था। वे फिल्म शूट के सिलसिले में तिरुवनंतपुरम पहुंचे थे।

इंदौर की रहने वाली मोनालिसा पिछले साल प्रयागराज कुंभ मेले में रुद्राक्ष की माला बेचते हुए एक वीडियो वायरल होने के बाद चर्चा में आई थीं।

रवीना टंडन ने अपने करियर की असुरक्षाओं और 'क्लासरूम पॉलिटिक्स' पर खुलकर बात की

अभिनेत्री रवीना टंडन ने अपनी हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में अपने करियर के दौरान महसूस की गई असुरक्षाओं और 'क्लासरूम पॉलिटिक्स' से निपटने के अपने नजरिए के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक पब्लिकेशन के आर्टिकल का स्क्रीनशॉट शेयर किया। इस आर्टिकल में यह आरोप लगाया गया था कि करिश्मा कपूर, फिल्म अंदाज अपना अपना की शूटिंग के दौरान, रवीना के कॉस्ट्यूम पर नजर रखने के लिए लोगों को भेजती थीं। आर्टिकल के अनुसार, कॉस्ट्यूम डिजाइनर एशले रेबेलो ने बताया कि करिश्मा अपनी टीम के सदस्यों को यह देखने के लिए भेजती थीं कि रवीना फिल्म में क्या पहन रही हैं।

इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए रवीना ने कहा कि वह उन अभिनेत्रियों में से नहीं हैं जो अपनी समकालीन अभिनेत्रियों से असुरक्षित महसूस करती हों, और न ही उन्हें कभी 'क्लासरूम पॉलिटिक्स' (आपसी राजनीति) में कोई दिलचस्पी रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह हमेशा अपनी दुनिया में खुश रही हैं और उन्हें लगता है कि ईश्वर ने उन्हें बहुत कुछ दिया है। रवीना ने आगे कहा कि उन्हें कभी किसी का अनादर करने की जरूरत महसूस नहीं हुई। 'केजीएफः चैप्टर 2' की अभिनेत्री की ताजा पोस्ट में लिखा था, बस यह साफ करने के लिए। मुझे कभी भी दूसरों से, जरा भी, कोई असुरक्षा महसूस नहीं हुई, और न ही मैं कभी किसी तरह की 'स्कूल क्लासरूम पॉलिटिक्स' में शामिल रही। मैं हमेशा अपनी दुनिया में खुश रही हूं और उन सभी मौकों के लिए ईश्वर की आभारी हूं जो उन्होंने मुझे दिए हैं। जय शिव शंभू। मुझे कभी किसी का अनादर करने की जरूरत महसूस नहीं हुई। ईश्वर बहुत दयालु रहे हैं। इसलिए जो लोग मुझे जानते हैं, वे हमेशा सच जानेंगे। पोस्ट के आखिर में, रवीना ने डिजाइनर एशले रेबेलो के लिए अपना प्यार जाहिर करते हुए अपनी बात खत्म की। उन्होंने लिखा, हमेशा प्यार, एशले रेबेलो।

यह ध्यान देने वाली बात है कि यह पहली बार नहीं है जब किसी ने कल्ट क्लासिक फिल्म अंदाज अपना अपना की शूटिंग के दौरान करिश्मा और रवीना के बीच के तनाव के बारे में बात की हो। इन दोनों मुख्य अभिनेत्रियों के बीच की प्रतिद्वंद्विता पर, इस प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों द्वारा पिछले कई सालों से काफी चर्चा होती रही है।

'द साबरमती रिपोर्ट' के बाद अब 'द टेरर रिपोर्ट' लेकर आ रहीं एकता कपूर

साल 2002 के गोधरा कांड पर आधारित फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' की सफलता के बाद निर्माता एकता कपूर नई फिल्म लेकर आ रही हैं। बालाजी टेलीफिल्म्स और एलिप्सिस एंटरटेनमेंट ने एक बड़ी राजनीतिक थ्रिलर फिल्म 'द टेरर रिपोर्ट' बनाने के लिए हाथ मिलाया है। फिल्म का निर्देशन 'शेरशाह' फेम विष्णु वर्धन करेंगे। यह फिल्म वास्तविक घटनाओं पर आधारित होगी और भारत पर हुए आतंकी हमलों के साथ ही देश की ओर से दिए गए कड़े जवाबी हमलों को भी बड़े दिखाएगी। 'द साबरमती रिपोर्ट' की अगली कड़ी के रूप में यह फिल्म सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की लंबी लड़ाई को विस्तार से पेश करेगी। मेकर्स के अनुसार, फिल्म में जांच की पेचीदगियां, खुफिया अभियान और हालिया सुरक्षा संबंधी घटनाओं को गहराई से दिखाया जाएगा। इस अनोखे सहयोग में बालाजी और एलिप्सिस की रचनात्मक ताकत और विष्णु वर्धन की शानदार निर्देशन शैली एक साथ नजर आएगी। निर्माताओं में एकता कपूर, शोभा कपूर, तनुज गर्ग और अतुल कसबेकर शामिल हैं।

फिल्ममेकर्स का मानना है कि यह प्रोजेक्ट न सिर्फ मनोरंजन करेगा, बल्कि देश की सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी अभियानों के बारे में दर्शकों को जागरूक भी करेगा।

विष्णु वर्धन ने पहले 'शेरशाह' जैसी फिल्म से राष्ट्रीय स्तर पर सराहना बटोरी है। अब 'द टेरर रिपोर्ट' के जरिए वे एक बार फिर वास्तविक घटनाओं पर आधारित शक्तिशाली कहानी पेश करने जा रहे हैं। फिल्म की शूटिंग और रिलीज डेट की जानकारी जल्द ही जारी किए जाने की उम्मीद है।

वहीं, विक्रांत मैसी, राशी खन्ना और रिद्धि डोगरा स्टारर 'द साबरमती रिपोर्ट' साल 2024 में रिलीज हुई थी। यह फिल्म विवादास्पद रही और रिलीज के बाद कई राज्यों में टैक्स-फ्री घोषित की गई। टैक्स फ्री करने वाले राज्यों में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा और ओडिशा शामिल हैं। इन राज्यों की सरकारों ने फिल्म को सामाजिक संदेश वाली फिल्म मानते हुए एंटरटेनमेंट टैक्स माफ किया।

'आसान नहीं था टीवी से बॉलीवुड का सफर' उल्का गुप्ता ने सुनाई अपनी कहानी

एक्टिंग इंडस्ट्री में हर कलाकार की जर्नी अलग होती है। कुछ लोग फिल्मों के जरिए पहला कदम रखते हैं तो कुछ टीवी से अपने करियर की शुरुआत करते हैं, लेकिन एक प्लेटफॉर्म में पहचान बनाकर दूसरे प्लेटफॉर्म में पैर जमाना आसान नहीं होता। अभिनेत्री उल्का गुप्ता के लिए भी टीवी से फिल्मों में कदम रखना चुनौती भरा अनुभव रहा है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की थी और धीरे-धीरे फिल्मों में पहचान बनाने लगी। उल्का गुप्ता ने एक इंटरव्यू में अपने करियर के अब तक के सफर को याद किया। उल्का गुप्ता ने कहा, "टीवी से फिल्म इंडस्ट्री तक का सफर तय करना बिल्कुल भी आसान नहीं था। मैंने कई सालों तक छोटे पर्दे पर काम किया है और अभिनय की बारीकियां सीखी हैं, लेकिन जब फिल्मों में आने की बारी आई तो मुझे कई ऑडिशन्स से गुजरना पड़ा और खुद को साबित करना पड़ा। आज मैं जहां खड़ी हूं, वहां तक पहुंचने के पीछे कड़ी मेहनत है।"

बता दें कि उल्का गुप्ता ने अपने करियर की शुरुआत लोकप्रिय टीवी शो 'झांसी की रानी' से की थी। इस शो में उन्होंने रानी लक्ष्मीबाई के बचपन के किरदार 'मणिकर्णिका' की भूमिका निभाई थी। इस किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस शो को लेकर उन्होंने कहा, "इस शो ने मेरे करियर को एक मजबूत नींव दी है और मेरी एक बेहतर कलाकार बनने में मदद की है।"

उन्होंने अपना फिल्मी सफर 'सिम्बा' से शुरू किया था, जिसमें उन्होंने एक्टर रणवीर सिंह की बहन का रोल निभाया था। 'केरल स्टोरी 2' फिल्म में उन्होंने 'सुरेखा' का किरदार निभाया।

इसे लेकर उन्होंने कहा, फिल्में समाज का आईना होती हैं। समाज में जो कुछ भी घटित होता है, वही फिल्मों के जरिए दिखाया जाता है। फिल्में समाज की सच्चाई को सामने लाती हैं और कई बार समस्या का हल भी दिखाने की कोशिश करती हैं।

जैकी श्रॉफ ने किया नंदा और फारूक शेख को याद, पोस्ट में झलकी पुरानी यादें

फिल्मी दुनिया में कुछ कलाकार ऐसे होते हैं, जिनका काम हर पीढ़ी के दिलों में जगह बना लेता है। ऐसे कलाकारों की यादें अक्सर खास मौकों पर फिर से ताज़ा हो जाती हैं। इस कड़ी में अभिनेता जैकी श्रॉफ ने हिंदी सिनेमा के दो दिग्गज कलाकारों को खास अंदाज में याद किया। उन्होंने अभिनेत्री नंदा की पुण्यतिथि और फारूख शेख की जयंती के मौके पर पुरानी यादों की एक झलक इंस्टाग्राम पर साझा की। जैकी श्रॉफ ने अभिनेत्री नंदा की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें नंदा की कई पुरानी तस्वीरें शामिल थीं। इस वीडियो के साथ उन्होंने फिल्म 'जब जब फूल खिले' का मशहूर गाना 'ये समा समा है प्यार का' का इस्तेमाल किया। इस पोस्ट के साथ जैकी ने कैप्शन में लिखा, 'नंदा को उनकी पुण्यतिथि पर याद कर रहा हूं।' बता दें कि नंदा का फिल्मी सफर करीब 30 साल तक चला और इस दौरान उन्होंने कई यादगार फिल्मों में काम किया। नंदा ने 'परिणीता', 'प्रायश्चित', 'कौन कातिल', 'असलियत', 'नया नशा', 'छोटी बहन', 'हम दोनों', 'आहिस्ता आहिस्ता', 'प्रेमरोग', 'मजदूर', 'भाभी' और 'गुमनाम' जैसी फिल्मों से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। उनकी आखिरी फिल्म 'मजदूर' थी, जिसमें कई बड़े कलाकार नजर आए थे। साल 2014 में दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया था।

इसके बाद जैकी श्रॉफ ने अभिनेता फारूख शेख को भी उनके जन्मदिन पर याद किया। उन्होंने उनकी एक पुरानी तस्वीर साझा की, जिसमें वह अपने खास अंदाज में नजर आ रहे थे। इस तस्वीर के साथ उन्होंने फिल्म 'बाजार' का गाना 'फिर छिड़ी रात' का इस्तेमाल किया।

फारूक शेख हिंदी सिनेमा के उन कलाकारों में रहे हैं, जिन्होंने अपनी सादगी और शानदार अभिनय से एक अलग पहचान बनाई। फारूख शेख ने अपने करियर की शुरुआत थिएटर से की और 1973 में 'गर्म हवा' से फिल्मों में कदम रखा। उन्होंने सत्यजीत रे, साई परांजपे और ऋषिकेश मुखर्जी जैसे दिग्गजों के साथ काम किया और 'चश्मे बद्दूर', 'बाजार' और 'उमराव जान' जैसी फिल्मों से पहचान बनाई। टीवी और थिएटर में भी वह सक्रिय रहे और अपने सहज अभिनय के लिए जाने गए। 2013 में दुबई में दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया।

'अपनी ही फिल्मों पर नहीं आती हंसी', प्रियदर्शन बोले- कॉमेडी बनाना सबसे मुश्किल काम

फिल्मों की दुनिया में कॉमेडी एक ऐसा जॉनर है, जिसे लोग सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। इस कड़ी में फिल्ममेकर प्रियदर्शन का सबसे ज्यादा बोलबाला होता है। उन्होंने कई ऐसी फिल्में दी हैं, जिन्हें आज भी लोग देखकर हंसते हैं। लेकिन, प्रियदर्शन का खुद का नजरिया इस बारे में थोड़ा अलग है। एक इंटरव्यू में प्रियदर्शन ने बताया कि उन्हें अपनी ही फिल्मों पर हंसी नहीं आती। प्रियदर्शन ने कहा, कॉमेडी फिल्म बनाना मेरे लिए बहुत मुश्किल रहा है और इसमें मुझे काफी मेहनत करनी पड़ी है। जब मैं अपनी ही हिट फिल्मों को दोबारा देखता हूं, तो हंसने का मन नहीं करता, जबकि वही फिल्में दर्शकों को खूब हंसाती हैं। प्रियदर्शन ने कहा, मैं हर एक सीन को कई बार देखता हूं, क्योंकि फिल्म बनाते समय एक ही सीन को बार-बार शूट और एडिट करना पड़ता है। ऐसे में जब वही सीन मैं बार-बार देख लेता हूं, तो उसमें मेरे लिए नया कुछ नहीं बचता। यही वजह है कि मुझे अपनी फिल्मों में वह मजा महसूस नहीं होता, जो पहली बार देखने वाले दर्शकों को आता है।

उन्होंने कहा, जब मैं थिएटर में बैठकर दर्शकों की प्रतिक्रिया देखता हूं, तो मुझे अपनी मेहनत का असली असर समझ आता है। लोग एक ही सीन को कई बार देखकर भी हंसते हैं और उसे एन्जॉय करते हैं, जो मेरे लिए एक बड़ी उपलब्धि की तरह है।

कॉमेडी के बारे में प्रियदर्शन ने कहा, यह सबसे मुश्किल जॉनर है। खासकर जब इसमें डर या थ्रिल जैसे तत्व जोड़ने होते हैं, तो यह और ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो जाता है। इस तरह की फिल्में बनाते समय मुझे हर बार घबराहट होती है, क्योंकि इसमें गलती की गुंजाइश बहुत कम होती है। प्रियदर्शन इन दिनों अपनी अगली फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार, तब्बू, परेश रावल, राजपाल यादव, वामिका गब्बी और दिवंगत अनुभवी स्टार असरानी जैसे कलाकार अहम रोल में है। यह फिल्म 10 अप्रैल 2026 को रिलीज होने वाली है।

रेप पीड़ित बच्ची को थाने बुलाने पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

गुरुग्राम पुलिस से कहा- यह शॉकिंग, पुलिस पीड़ित के घर क्यों नहीं जा सकती, राजा हो?

गुरुग्राम, 25 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने तीन साल की बच्ची से रेप के मामले में असंवेदनशील रवैये के लिए हरियाणा पुलिस और बाल कल्याण समिति को जमकर फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हरियाणा पुलिस द्वारा पीड़ित से मिलने के बजाय उसे थाने बुलाना शर्मनाक है।

कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा- पुलिस अफसरों को देखिए, उनकी पोजिशन देखिए। पुलिस स्टेशन में डीसीपी, एएसपी रहते हैं। इस अपराध में आपकी यही समझ है तो फिर कानून किसे कहेंगे? यह शॉकिंग है पुलिस पीड़ित के घर क्यों नहीं जा सकती? क्या वे राजा हैं?

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की जांच के लिए हरियाणा कैडर की महिला आईपीएस अधिकारियों सहित तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। साथ ही हरियाणा सरकार को विशेष जांच टीम गठित करने का निर्देश दिया। इसके अलावा गुरुग्राम पुलिस को गुरुवार तक मामले के रिकॉर्ड सौंपने के भी आदेश दिए हैं।

चार फरवरी को पिता ने दी थी शिकायतः 4 फरवरी 2026 को एक व्यक्ति ने गुरुग्राम के थाना सेक्टर-53 में शिकायत दर्ज करवाई थी। जिसमें कहा था- उनकी सोसाइटी की 2 मेड और एक व्यक्ति ने दिसंबर 2025-जनवरी 2026 में उनकी 3 वर्षीय बेटी के साथ अश्लील हरकत और यौन शोषण किया।

पुलिस ने केस दर्ज किया, जांच में लापरवाहीः शिकायत पर पुलिस ने पीओसीएसओ एक्ट की धारा 6, धारा 17 और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 65(2) (12 साल से कम उम्र की बच्ची से बलात्कार) के तहत केस दर्ज किया। मगर, शुरुआत से ही पुलिस ने मामले में लापरवाही दिखाई। शुरु में दो महिलाओं को डिटेन किया गया, लेकिन तुरंत गिरफ्तारी नहीं हुई। पुरुष आरोपी का नाम भी शुरुआत में FIR में नहीं था।

इसके बाद मामले को बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) को रेफर किया गया। माता-पिता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिसमें सीबीआई या एसआईटी जांच की मांग की गई। परिवार का आरोप था कि हरियाणा पुलिस की जांच निष्पक्ष और संतोषजनक नहीं है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज नहीं लिया, सबूत इकट्ठा नहीं किए और आरोपियों की गिरफ्तारी में देरी भी की। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, तीन आरोपी अरेस्ट किएः सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर होने के बाद पुलिस ने 22 मार्च 2026 को तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनमें यूपी और पश्चिम बंगाल की रहने वाली दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल है। पुलिस ने पुरुष को पश्चिम बंगाल की रहने वाली महिला का पति बताया। वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने बीते शुक्रवार को सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत की पीठ के समक्ष मामले का तत्काल उल्लेख किया और आर्टिकल 32 के तहत दायर याचिका पर तुरंत सुनवाई की मांग की।

रोहतगी ने अदालत को बताया कि पीड़ित बच्ची को पुलिस स्टेशन, सीडब्ल्यूसी, मेडिकल परीक्षण आदि के लिए बार-बार ले जाया गया, जो कानून के मुताबिक नहीं था।

महादेव सट्टाः सौरभ चंद्राकर की 1700 करोड़ की संपत्तियां अटैच

रायपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। महादेव सट्टा एप के संचालक सौरभ चंद्राकर की 1700 करोड़ रुपए की संपत्तियां ईडी ने अटैच कर दी है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के रायपुर जोनल ऑफिस ने 24 मार्च को मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने कुल 20 अचल संपत्तियां अटैच की हैं, जिनमें 18 संपत्तियां दुबई में, 2 संपत्तियां नई दिल्ली में, इनकी कुल अनुमानित बाजार कीमत करीब 1700 करोड़ रुपए हैं। इसमें बुर्ज खलीफा का अपार्टमेंट भी शामिल है।

जांच में ये बात सामने आई है कि सौरभ ने सट्टे के पैसे से ये लग्जरी बंगले कार खरीदे थे। बता दें कि ईडी सट्टे से जुड़े आरोपियों को भगोड़ा घोषित किए जाने की प्रक्रिया भी कर रही है।

ईडी के मुताबिक, अटैच की गई विदेशी संपत्तियां दुबई के प्राइम लोकेशन पर स्थित हैं, जिनमें दुबई हिल्स एस्टेट में लग्जरी विला और अपार्टमेंट, बिजनेस बे और एसएलएस होटेल में हाई-एंड अपार्टमेंट और बुर्ज खलीफा में अपार्टमेंट शामिल है।

रविकिशन की सीट पर कोई महिला कर सकती है दावेदारी

सीएम योगी ने कहा- लोग चाहते हैं कि उनसे छुट्टी मिल जाए

गोरखपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। गोरखपुर में सीएम योगी ने सांसद रवि किशन की चुटकी ली। उन्होंने कहा- मैं मानता हूं, जब अगला चुनाव आएगा, तो रवि किशन की सीट पर कोई महिला दावेदारी कर सकती है।

लोग चाहते हैं कि आपसे छुट्टी मिल जाए। क्योंकि नारी शक्ति वंदन अधिनियम अब संसद से भी पास हो चुका है। प्रधानमंत्री जी की इच्छा भी है कि 2029 के चुनाव में यह लागू भी हो जाए।

सीएम योगी ने मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बुधवार को साइबर फोरेंसिक रिसर्च लैब का उद्घाटन किया। 144 छात्राओं के लिए एक नए एसी हॉस्टल की आधारशिला रखी, जो 13.66 करोड़ रुपए में तैयार होगा।

कुछ ही देर में भारत सेवाश्रम पहुंचेंगे सीएम

सीएम योगी कुछ ही देर में भारत सेवाश्रम पहुंचेंगे। सुरक्षा व्यवस्था का जायज लेने सीएम सिक्योरिटी की टीम पहुंची है। साथ में अपर जिलाधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद हैं।

सीएम ने सांसद रवि किशन की चुटकी ली

सीएम ने सांसद रवि किशन की चुटकी ली। सीएम ने कहा- मैं मानता हूं जब अगला चुनाव आएगा तो रवि किशन की सीट पर कोई महिला दावेदारी कर सकती है। देखिए लोग चाहते हैं कि आपसे छुट्टी मिल जाए। क्योंकि नारी शक्ति वंदन अधिनियम अब संसद से भी पास हो चुका है। प्रधानमंत्री जी की इच्छा भी है कि 2019 के चुनाव में यह लागू भी हो जाए। क्योंकि उनकी सीट पर कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला है, क्योंकि अतिरिक्त सीट बढ़ जाएगी।

कैबिनेट मंत्री आशीष सिंह पटेल ने ली रवि किशन की चुटकी

कैबिनेट मंत्री आशीष सिंह पटेल ने कहा- सांसद के दोनों जेब में पैसे हैं। जबसे सांसद बने हैं इनको कष्ट है कि इनका इनकमिंग बंद है, आउटगोइंग चालू है।

रवि किशन ने ली संजय निषाद की चुटकी

गोरखपुर में रवि किशन ने संजय निषाद की चुटकी ली। कहा- संजय निषाद अब अपने फोन पर हुई बात को हटा नहीं सकते। क्योंकि यहां साइबर फोरेंसिक लैब बन गया है।

रवि किशन बोले-लोग यूपी का नाम लेने से डरते हैं

सांसद रवि किशन ने कहा- पहले माफिया का राज था। आज माफिया गायब हो गए हैं। लोग यूपी का नाम लेने से डरते थे। अब लोग गर्व से नाम लेते हैं।

अजित पवार प्लेन क्रैश मामले में बेंगलुरु में एफआईआर

भतीजे रोहित ने 5 आरोप लगाए, कहा- महाराष्ट्र में शिकायत दर्ज नहीं की गई

बेंगलुरु, 25 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बारामती में हुए विमान हादसे में डिप्टी सीएम अजित पवार की मौत के मामले में बेंगलुरु में जीरो एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर उनके भतीजे और एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार की शिकायत पर दर्ज हुई है। उन्होंने हादसे को आपराधिक साजिश बताया है। उन्होंने एफआईआर में 5 मुख्य आरोप लगाए हैं।

रोहित ने कहा कि उन्होंने मुंबई के मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन, बारामती पुलिस और महाराष्ट्र सीआईडी से संपर्क किया, लेकिन कहीं भी एफआईआर दर्ज नहीं की गई। इसके बाद उन्होंने 23 मार्च को बेंगलुरु में जीरो पर एफआईआर दर्ज कराई।

जहां अपराध हुआ है उसे छोड़कर देश के किसी भी थाने में उस अपराध की एफआईआर दर्ज कराई जाती है तब उसे जीरो एफआईआर कहते हैं। इसे फिर संबंधित थाने में ट्रांसफर कर दिया जाता है। कर्नाटक पुलिस ने केस दर्ज कर इसे महाराष्ट्र पुलिस को ट्रांसफर कर दिया है। दरअसल, 28 जनवरी को बारामती एयरपोर्ट पर प्लेन क्रैश में अजित पवार समेत 5 लोगों की मौत हुई थी।

आधिकारिक लॉग में विमान का रन टाइम 4,915 उड़ान घंटे दर्ज हैं, जबकि दावा है कि विमान ने 8,000 घंटे से ज्यादा उड़ान भरी है। कम विजिबिलिटी के बावजूद विजुअल फ्लाइट रूल्स के तहत विमान को लैंडिंग की अनुमति दी गई। आखिरी समय पर क्रू बदला गया और पायलट सुमित कपूर को शामिल किया गया।

हादसे से कुछ समय पहले वीएसआर वेंचर्स ने पायलट सुमित कपूर के नाम पर लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी ली थी। पायलट सुमित कपूर पहले शराब से जुड़े मामलों में निलंबित रह चुके हैं।

केदारनाथ-बद्रीनाथ में बिना लिमिट के होंगे दर्शन

पुरोहितों के विरोध पर हटी कैपिंग, सीएम धामी बोले- किसी को नहीं रोका जाएगा

देहरादून, 25 मार्च (एजेंसियां)। चारधाम यात्रा शुरू होने से ठीक पहले उत्तराखंड सरकार ने 'कैपिंग' यानी रोजाना श्रद्धालुओं की संख्या तय करने की व्यवस्था खत्म कर दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने साफ कहा- अब किसी भी श्रद्धालु को दर्शन से नहीं रोका जाएगा, चाहे संख्या कितनी भी हो। यह फैसला तीर्थ पुरोहितों के विरोध के बाद लिया गया है।

उत्तराखंड में 19 अप्रैल से चारधाम यात्रा शुरू हो रही है। यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह है। अब तक करीब 10 लाख श्रद्धालु पंजीकरण करा चुके हैं, जबकि जीएमवीएन के जरिए 5 करोड़ रुपए से ज्यादा की एडवांस बुकिंग हो चुकी है। पहले पर्यटन विभाग ने योजना बनाई थी कि पिछले साल की तरह इस बार भी केदारनाथ में रोजाना 18,600 और बद्रीनाथ में 21,600 श्रद्धालुओं की लिमिट रहेगी।

लेकिन अब मुख्यमंत्री ने साफ कर दिया है कि सामान्य यात्रा में कोई लिमिट लागू नहीं होगी।

चारधाम तीर्थ पुरोहित महापंचायत ने कैपिंग और टोकन सिस्टम के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। मुख्य सचिव को सौंपे गए 11 सूत्रीय ज्ञापन में कहा गया कि यह संख्या सीमा अव्यावहारिक है। श्रद्धालुओं को बेवजह रोका जाता है। सरकार को रोक-टोक के बजाय सुविधाएं बढ़ानी चाहिए। इस विरोध के बाद सरकार तुरंत हरकत में आई और फैसला बदल दिया गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सड़क, स्वास्थ्य, सुरक्षा और परिवहन बेहतर हों। श्रद्धालुओं को समय पर सही जानकारी मिले और किसी को भी असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा राज्य के लिए बड़ा अवसर है, इसलिए व्यवस्थाओं को मजबूत किया जा रहा है।

सीएम ने बताया कि 2025 की यात्रा खत्म होते ही 2026 की तैयारी शुरू कर दी गई थी। पिछले साल आपदा के कारण यात्रा करीब डेढ़ महीने बाधित रही, फिर भी 51 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे।

वाराणसी में चार हत्याओं के दोषी को फांसी की सजा

वाराणसी, 25 मार्च (एजेंसियां)। वाराणसी में मामूली शिकायत पर करीब एक दसक पहले चार लोगों की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में दोषी रविन्द्र उर्फ राजू को आज फांसी की सजा सुनाई गई है। राजू ने एक ही परिवार के 4 लोगों की लोहे की रॉड से हमला किया था। आरोपी राजू जुआ खेलता था। इसकी शिकायत उसके घर पर कर थी, इसी का बदला लेने के लिए 4 लोगों की हत्या की थी। फैसले के बाद गांव में एक बार फिर उस खौफनाक घटना की यादें ताजा हो गई हैं। घटना चोलापुर थाना क्षेत्र के चंदापुर गांव में 29 अक्टूबर 2013 को हुई थी। करीब दस साल पुराने इस हत्याकांड के मामले में अदालत ने स्पष्ट कहा कि यह कोई सामान्य अपराध नहीं था। आरोपी ने पूरी योजना बनाकर वारदात को अंजाम दिया, इसलिए इसे दुर्लभतम मामलों में रखते हुए कठोरतम सजा देना जरूरी था। गांव के बाहर जल निगम के ऑपरेटर मोहनलाल जायसवाल का मकान था, जिसके पीछे बाग में अक्सर संदिग्ध लोगों का जमावड़ा लगता था। यहां जुआ, शराब और दावत का दौर चलता रहता था, जिसमें आरोपी राजू भी शामिल रहता था। मोहनलाल ने इसी बात को लेकर राजू के घर शिकायत की थी कि वह गलत संगत में पड़ रहा है। घरवालों की डांट के बाद राजू ने इसे अपनी बेइज्जती मान लिया और तभी से पूरे परिवार को खत्म करने की ठान ली। 29 अक्टूबर 2013 की रात करीब साढ़े आठ बजे आरोपी लोहे की रॉड लेकर पास के निर्माणाधीन मकान से छत के रास्ते घर में घुसा। उसी दौरान मोहनलाल शौचालय से बाहर निकल रहे थे, तभी उनके सिर पर हमला कर दिया गया। इसके बाद आरोपी ने बेरहमी से बेटी पूजा, पत्नी झूना देवी और पुत्र प्रदीप को एक-एक कर मौत के घाट उतार दिया। प्रदीप ने बचाव में लाठी से वार भी किया, जबकि संदीप गंभीर रूप से घायल हो गया और हमलावर को पहचान लिया।

श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी

चतरा, 25 मार्च (एजेंसियां)। चतरा के हंटरगंज थाना क्षेत्र में बुधवार की शाम श्रद्धालुओं से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। इस हादसे में दर्जनों महिला और पुरुष गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना सोनबरसा गांव के पास हुई, जिसके बाद स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

जानकारी के अनुसार, बिहार के गया जिले के शेरघाटी थाना क्षेत्र के उचिरमा गांव निवासी पाचू मांझी का परिवार और उनके रिश्तेदार धार्मिक स्थल कौलेश्वरी पर्वत जा रहे थे।

ट्रैक्टर हंटरगंज के जजलो बाजार से कुछ दूरी पर स्थित सोनबरसा गांव के पास पहुंचा, तभी चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया।

महिला बोली- पति का पड़ोसन से अफेयर, मुझे जहर पिलाया

छतरपुर में कहा- अवैध संबंध का विरोध करने पर पीटा, सास पर भी आरोप

छतरपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। छतरपुर के बगौता गांव में एक महिला को उसके पति और सास ने कथित तौर पर जहरीला पदार्थ पिला दिया। महिला की हालत गंभीर है और उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है। पीड़िता पूनम सेन ने आरोप लगाया है कि उनके पति सोनू सेन के पड़ोस में रहने वाली एक महिला से अवैध संबंध हैं।

इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। पूनम ने बताया कि उन्होंने इस संबंध का कई बार लिखित शिकायत के माध्यम से भी विरोध किया था।

पूनम के अनुसार, इसी विवाद को लेकर वर्ष 2024 में एक समझौता भी हुआ था, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं आया। उन्होंने यह भी बताया कि आरोपी महिला उन्हें ताने मारती थी और "प्यार करने वाले कभी डरते नहीं" जैसे गाने गाकर चिढ़ाती थी।

हाल ही में जब पूनम ने फिर से इस संबंध का विरोध किया, तो विवाद बढ़ गया। पूनम का आरोप है कि इसी दौरान पति और सास ने उनके साथ मारपीट की। जब वह घर छोड़कर पुलिस में शिकायत करने जा रही थीं, तो उन्हें रोककर घर में बंद कर दिया गया। पीड़िता ने बताया कि उनके साथ सड़क पर भी सरेआम मारपीट की गई और गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की गई। उनके गले पर अभी भी चोट के निशान मौजूद हैं। इसके बाद उन्हें जबरन जहरीला पदार्थ पिला दिया गया।

पूनम सेन का यह भी कहना है कि उनके पति और दूसरी महिला के बीच इंस्टाग्राम पर चैटिंग और वीडियो कॉलिंग होती थी। उन्होंने दोनों को आपत्तिजनक हालत में भी देखने का दावा किया है।

पूनम सेन की शादी को लगभग 10 साल हो चुके हैं और उनके दो बच्चे हैं। उन्होंने पुलिस से पति और सास के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा जिलाध्यक्ष हुए नाराज

कुर्सी छोड़कर बाहर निकले, तहसीलदार हाथ जोड़ते रहे, योगेंद्र उपाध्याय बोले- अतीक संत था क्या?

कानपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार के 9 साल पूरे होने पर बुधवार को कानपुर में प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय की प्रेस कॉन्फ्रेंस थी। इसमें तहसीलदार सदर विनय द्विवेदी की बातों से भाजपा उत्तरी जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित नाराज हो गए। वह गुस्से में कुर्सी छोड़कर बाहर चले गए।

इतने में पीछे-पीछे हाथ जोड़कर तहसीलदार भाजपा उत्तरी जिलाध्यक्ष को मनाने लगे। काफी मान-मनौव्वल के बाद भाजपा जिला अध्यक्ष राजी हुए और दोबारा लौटे, प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए।

इस पर अनिल दीक्षित ने सफाई दी, उन्होंने कहा-सरकार के 9 साल का कार्यकाल पूरे होने की बैठक थी। इसलिए तहसीलदार ने मुझसे आकर कहा कि यहां पर संगठन के लोगों को नहीं बैठना, इसलिए मैं बाहर चला गया था। इसके बाद में DM ने कहा कि आप बैठ सकते हैं, तब मैं दोबारा जाकर बैठ गया।

अनिल दीक्षित की नाराजगी का वीडियो सोशल मीडिया X पर शेयर करते हुए यूपी कांग्रेस ने लिखा- अनुशासन की अर्थीः मंत्री की मौजूदगी में कुर्सी के लिए भिड़े भाजपाई। जनसेवा का दावा फेल कानपुर में भाजपा की अंतर्कलह ने 'अनुशासित पार्टी' के मुखौटे को सरेआम उतार फेंका है। मंत्री योगेंद्र उपाध्याय की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुर्सी के लिए मची छीना-झपटी और नगर अध्यक्ष का गुस्से में बाहर निकल जाना भाजपा के भीतर की गहरी दरारों को जगजाहिर कर रहा है। जो पार्टी अपने पदाधिकारियों को एक मंच पर साथ नहीं बिठा सकती, वह प्रदेश चलाने के दावे कैसे कर सकती है? यूपी कांग्रेस ने लिखा- सत्ता के अहंकार में चूर नेताओं का यह बर्ताव साफ दिखाता है कि इनके लिए जनसेवा से ज्यादा अपना 'पद और कद' महत्वपूर्ण है। 'सबका साथ' का नारा देने वाली भाजपा आज अपनों का ही साथ निभाने में पूरी तरह फेल साबित हो रही है।

उधर, सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। धुरंधर-2 में अतीक अहमद के कैरेक्टर पर सपा और कांग्रेस द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर मंत्री ने कहा- अतीक संत था क्या, जो उसको गलत दिखा दिया गया। जिस आदमी ने एक होमगार्ड की खाल छीलकर सड़क पर फेंका और कप्तान को फोन करके कहा कि तुम्हारा आदमी पड़ा है, उठा ले जाओ। वह अगर संत है तो ऐसे सवाल ठीक हैं। क्या भाजपा के शासन में उसको रिलैक्शेसन मिला?

भाजपा के शासन में उसे जेल मिली। इसके बाद मंत्री से उंगली से ऊपर की ओर इशारा कियायानी जेल के बाद ऊपर चला गया। शहर में चल रहे गैस संकट और एजेंसी के बाहर लग रही लाइनों पर मंत्री ने कहा- हम लोगों को पैनिक क्रिएट नहीं करना चाहिए।

जज से पवन सिंह बोले- ज्योति के साथ नहीं रहना

मुझे तलाक चाहिए, वन टाइम सेटलमेंट के लिए तैयार हूं, आज ज्योति नहीं पहुंचीं कोर्ट

भोजपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। भोजपुरी स्टार पवन सिंह और उनकी पत्नी ज्योति सिंह के तलाक से जुड़े मामले में आज यानी बुधवार को कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान पवन सिंह ने जस्टिस आशुतोष कुमार से कहा कि हम ज्योति सिंह के साथ नहीं रहना चाहते। हमे तलाक चाहिए। साथ ही पवन सिंह ने वन टाइम सेटलमेंट के लिए भी सहमति जताई।

कोर्ट जाने से पहले पवन सिंह ने महौली गांव में हनुमानगढ़ी दर्शन किए। इसके बाद दोपहर 2.20 में कोर्ट रूम पहुंचे थे, लेकिन इस बार ज्योति सिंह कोर्ट नहीं पहुंचीं। 40 मिनट बाद कोर्ट से बाहर निकले तो पवन सिंह थोड़े मायूस दिखे। इस दौरान उन्होंने भास्कर के सवाल पर हाथ जोड़ लिया। पवन सिंह के वकील सुमन कुमार ने बताया, "आज रिकॉन्सिलिएशन के लिए पवन सिंह और ज्योति सिंह को बुलाया गया था। हालांकि, ज्योति सिंह किसी कारणवश कोर्ट नहीं पहुंचीं। कोर्ट ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भी बातचीत कराने की कोशिश की, लेकिन ज्योति सिंह से संपर्क नहीं हो सका। पवन सिंह ने कोर्ट से कहा कि वे ज्योति सिंह के साथ नहीं रहना चाहते।"

वकील सुमन कुमार के मुताबिक, पवन सिंह ने यह भी कहा कि जो भी वन-टाइम सेटलमेंट होगा, उसे करने के लिए वे तैयार हैं। इधर, सुनवाई से पहले सुनवाई से पहले ज्योति सिंह ने अपने सोशल मीडिया पर छठ पूजा का वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में हो मांग में सिंदूर लगाकर पूजा करती दिख रही हैं। पिछली सुनावाई के दौरान ज्योति सिंह सिंह कोर्ट पहुंची थी, लेकिन पवन सिंह नहीं पहुंचे थे। सुनवाई के दौरान ज्योति सिंह ने कोर्ट से सिर्फ इतना कहा- 'मुझे न्याय चाहिए।' इसके बाद वो कोर्ट में रो पड़ी थीं। ज्योति सिंह के वकील विष्णुधर पांडेय ने बताया था कि, अगर ज्योति सिंह के साथ पवन सिंह नहीं रहना चाहते हैं तो 10 करोड़ रुपए और एक मकान देने के साथ मामला चलने तक उन्हें खर्च दें। 11 फरवरी ज्योति सिंह साड़ी में कोर्ट पहुंची थीं। मांग में सिंदूर भी था। उस दिन पवन सिंह बीमारी का हवाला देकर कोर्ट नहीं पहुंचे थे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अस्पताल के बेड से उनकी पेशी हुई थी।

वकील के मुताबिक, ज्योति सिंह ने सुनवाई के दौरा जज से कहा था कि-मुझे हर सुनवाई पर सिर्फ अगली तारीख मिलती है। एक महिला होकर मैं हर तारीख पर खुद कोर्ट में उपस्थित होती हूं, लेकिन मेरे पति न तो कोई ठोस फैसला कर पा रहे हैं और न ही समय पर कोर्ट पहुंच रहे हैं।

भाजपा नेता रामसूरत राय के करीबी की हत्या

बेटे के सामने मारी गोली, रोते-रोते पूर्व मंत्री बोले- शिकायत हुई पुलिस ने कुछ नहीं किया

मुजफ्फरपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में मंगलवार की रात पूर्व मंत्री रामसूरत राय के करीबी की अपराधियों ने हत्या कर दी। बदमाशों ने गरहा थाना क्षेत्र के मुरादपुर गांव के रहने वाले हरिशंकर सिंह उर्फ हरि भगत (41) के सिर में गोली मारी। बेटे के सामने अपराधियों ने हरिभगत पर फायरिंग की।

हरिभगत को 2 गोलियां लगीं। पहली गोली पेट में दूसरी सिर में लगी। इसके बाद उन्हें अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। फायरिंग के बाद बेटा भाग गया, जिससे उसकी जान बच गई। घटना के बाद पूर्व मंत्री रामसूरत राय परिजन से मिलने पहुंचे।

उन्होंने रोते-रोते कहा, प्रशासन को एक्शन लेना चाहिए। इसके पहले भी जानलेवा हमला हुआ था, लेकिन पुलिस ने कुछ नहीं किया।

लोगों ने बताया कि हरिभगत मंगलवार देर शाम अपने बेटे के साथ खेत से गेहूं की दौनी कराकर घर लौट रहे थे। उनके आगे गेहूं से लदा ट्रैक्टर चल रहा था, जबकि वे अपने बेटे के साथ बाइक पर पीछे थे।

मुरादपुर स्थित बुझावन भगत स्कूल के पास अचानक एक बाइक पर सवार अज्ञात बदमाशों ने उन्हें ओवरटेक कर रोका। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी।

पहली गोली हरि भगत के पेट में लगी। पिता को लहूलुहान देख बेटा जान बचाने के लिए बाइक से कूदकर पास के खेतों की ओर भागा। इसके बाद, अपराधियों ने हरि भगत के सिर में दूसरी गोली मारी और मौके से फरार हो गए।

घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पूर्व मंत्री और विधायक रामसूरत राय अस्पताल पहुंचे। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए बताया कि मृतक हरि भगत उनके पंचायत के थे और उनके बच्चे जैसे थे।

मृतक हरिशंकर के बेटे हिमांशु ने बताया कि खेत से पिता के साथ लौट रहा था। तभी बाइक सवार दो अपराधी पीछे से आकर फायरिंग करने लगे। मैं अपनी जान बचाकर भागा। परिवार वालों को बुलाया। पिता के पास पहुंचा तो देखा उन्हें गोली लगी है।

चांदी 9 हजार रुपये बढ़कर 2.34 लाख रुपये पर पहुंची

10 ग्राम सोना 5 हजार रुपये महंगा होकर 1.45 लाख रुपये का हुआ

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमत में आज यानी 25 मार्च को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 5 हजार बढ़कर 1.45 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 9 हजार बढ़कर 2.34 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में तेजी देखने को मिली है।

बीते साल के आखिर में सोना 1.33 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 1.45 लाख रुपए पर है। यानी इसकी कीमत इस साल अब तक 11 हजार बढ़ चुकी है। वहीं चांदी भी इस दौरान 3 हजार रुपए महंगी हुई है।

ट्रेन टिकटों के दलालों पर अंकुश

आईआरसीटीसी पोर्टल पर तीन करोड़ से ज्यादा अकाउंट ब्लॉक

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। ट्रेन का टिकट ऑनलाइन कटाते होंगे तो आपने भी महसूस किया होगा। त्योहारों या गर्मी छुट्टी में दो महीने पहले जब किसी महत्वपूर्ण ट्रेन की बुकिंग जब खुलती है तो आप तमाम कोशिश कर भी अपना टिकट बुक नहीं करा पाते। इससे निजात दिलाने के लिए आईआरसीटीसी ने करीब 3 करोड़ फर्जी अकाउंट्स ब्लॉक कर दिए हैं। यही नहीं, इन अकाउंट्स को अपने प्लेटफॉर्म से डिलीट भी कर दिया है।

अकाउंट हुए ब्लॉक

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस बात की जानकारी बुधवार को दी। उन्होंने लोकसभा में प्रश्न काल के दौरान एक पूरक प्रश्न का जवाब देते हुए यह बताया। उन्होंने बताया कि दलालों पर अंकुश लगाने के लिए यह कार्रवाई हुई है। आईआरसीटीसी की वेबसाइट से तीन करोड़ फेक अकाउंट्स को हटा दिया गया है। इससे जेनुइन पैसेंजर्स को टिकट कटाने में सुविधा होगी।

75 हजार से ज्यादा स्पेशल ट्रेन

उन्होंने यह भी बताया कि इस वित्त वर्ष के दौरान अभी तक 75,000 से भी ज्यादा स्पेशल ट्रेन चलाई गई हैं। इन ट्रेनों से उन यात्रियों को आसानी हुई होगी जिन्हें नियमित ट्रेनों में टिकट नहीं मिल पाता। रेल मंत्री के मुताबिक इस समय ट्रेनों में करीब 70 फीसदी डिब्बे जनरल और स्लीपर क्लास के होते हैं। यदि सीटों का हिसाब लगाया जाए तो ट्रेनों की 78 फीसदी सीटें नॉन-एसी कैटेगरी की हैं।

तत्काल के नियमों में बदलाव

आप जानते ही होंगे कि इससे पहले रेलवे ने तत्काल टिकट की बुकिंग से जुड़े नियमों में बदलाव किया था। यह सब कवायद इसलिए है ताकि लोगों को आसानी से तत्काल टिकट मिल सके। अब तत्काल टिकटों की बुकिंग के लिए ओटीपी बेस्ड वेरिफिकेशन लागू किया गया है। बिना वेरिफाइड यूजर्स ऑनलाइन तत्काल टिकट नहीं बुक कर पाएंगे।

पेट्रोल पंपों पर न लगाएं भीड़

पश्चिम एशिया संकट के बीच भारतीय तेल कंपनी की अपील, हमारे पास पर्याप्त ईंधन

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। पेट्रोल-डीजल की कमी को लेकर फैल रही अफवाहों के बीच भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है और आपूर्ति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है।

कंपनी ने क्या कहा?

कंपनी ने अपने बयान में कहा कि पेट्रोल और डीजल की कमी को लेकर फैल रही खबरें पूरी तरह बेबुनियाद हैं। भारत के पास पर्याप्त ईंधन भंडार उपलब्ध है और सप्लाई चेन बिना किसी बाधा के सुचारू रूप से काम कर रही है। बीपीसीएल के अनुसार, भारत पेट्रोल और डीजल का नेट एक्सपोर्टर है और कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल व एटीएफ (एटीएफ) का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। कंपनी ने भरोसा दिलाया कि वह पूरी तरह परिचालन में है और निर्बाध ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। बीपीसीएल ने नागरिकों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और घबराकर अनावश्यक रूप से ईंधन की खरीदारी न करें। कंपनी के अनुसार, देशभर में ईंधन की उपलब्धता स्थिर और पर्याप्त बनी हुई है।

डीलर्स एसोसिएशन ने दिया आश्वासन

इसी बीच, तेलंगाना पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने भी प्रेस नोट जारी कर कहा कि एचपीसीएल, आईओसीएल और बीपीसीएल के पास पर्याप्त मात्रा में ईंधन उपलब्ध है और सप्लाई चेन सामान्य रूप से संचालित हो रही है। एसोसिएशन के अनुसार, फर्जी और भ्रामक खबरों के कारण लोग पेट्रोल पंपों पर जरूरत से ज्यादा ईंधन भरवा रहे हैं, जिससे बिक्री सामान्य से 2.5 से 3 गुना तक बढ़ गई है। इसके चलते कई जगहों पर अस्थायी रूप से स्टॉक खत्म होने जैसी स्थिति भी देखने को मिली।

नागरिकों से की क्या अपील?

एसोसिएशन ने नागरिकों से अपील की है कि वे केवल अपनी जरूरत के अनुसार ही ईंधन खरीदें और पैनिक बायिंग से बचें। साथ ही, पेट्रोल या डीजल को डिब्बों में स्टोर करने से भी मना किया गया है। पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) के नियमों के अनुसार ऐसा करना खतरनाक है और इससे आग जैसी दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है।

घर के पास पीएनजी पाइपलाइन तो कनेक्शन लेना ही होगा

कंपनी 3 महीने का नोटिस देगी, कनेक्शन नहीं लिया तो एलपीजी सप्लाई बंद होगी

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। अगर आपके घर के पास गैस पाइपलाइन आ गई है और आपने पीएनजी कनेक्शन नहीं लिया है, तो अगले 3 महीने में आपके घर आने वाला एलपीजी सिलेंडर बंद कर दिया जाएगा। मिडिल-ईस्ट में जारी युद्ध और गैस की किल्लत को देखते हुए केंद्र सरकार ने 'नेचुरल गैस और पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूशन ऑर्डर 2026' लागू किया है।

इसके तहत अब पाइप वाली गैस (पीएनजी) का कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा। हालांकि, इसके लिए पहले नोटिस दिया जाएगा। सूचना मिलने के बाद भी अगर कोई कनेक्शन नहीं लेता, तो 90 दिन बाद उसकी एलपीजी सप्लाई रोक दी जाएगी। साथ ही सोसाइटियों को 3 दिन में पाइपलाइन की मंजूरी भी देनी होगी।

सोसाइटी को 3 दिन के अंदर मंजूरी देनी होगी

कई बार हाउसिंग सोसायटियों या आरडब्ल्यूए (रेसिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन) के विरोध की वजह से पाइपलाइन का काम रुक जाता था। अब ऐसा नहीं होगा। अगर कोई कंपनी पाइपलाइन के लिए रास्ता मांगती है, तो सोसाइटी को 3 दिन के अंदर मंजूरी देनी होगी। अगर सोसाइटी ने मना किया या देरी की, तो वहां रहने वाले सभी घरों की एलपीजी सप्लाई पर रोक लगाई जाएगी।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सुर्य	मीन	मे	मीन....	05-44	बजे
चंद्र	मिथुन	मे	मेष.....	07-20	बजे
मंगल	कुंभ	मे	वृष....	09-04	बजे
बुध	कुंभ	मे	मिथुन..	11-05	बजे
गुरु	मिथुन	मे	कर्क...	13-17	बजे
शुक्र	मेष	मे	सिंह---	15-29	बजे
शनि	मीन	मे	कन्या--	17-36	बजे
राहु	कुंभ	मे	तुला----	19-41	बजे
केतु	सिंह	मे	वृश्चिक..	21-51	बजे
			धनु.....	00-04	बजे
			मकर...	02-11	बजे
			कुंभ....	04-01	बजे

श्री रौद्र श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-20
भोग्य कलि वर्ष. - 426873 सूर्यास्त. 18 -24
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष गुरुवार 26 March 2026
तिथि - अष्टमी 11-48 तक उपरान्त नवमीं
नक्षत्र - आर्द्रा 17-32 तक उप पुनर्वसु
योग - शोभन 00-30 रात्रि तक उप अतिगण्ड
करण - बव 11-48 तक उप बालव
दुर्गा,अशोका अष्टमी,दुर्गा नवमी पूजा
श्री रामनवमी पूजा, नवरात्रि पूर्ण

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 13-53 से 15-24 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	06-20 - 07-48	शुभ	अमृत	18-24 - 19-56	शुभ
रोग	07-48 - 09-19	अशुभ	चंचल	19-56 - 21-24	शुभ
उत्पात	09-19 - 10-51	अशुभ	रोग	20-24 - 22-53	अशुभ
चंचल	10-51 - 12-22	शुभ	काल	22-53 - 00-22	अशुभ
लाभ	12-24 - 13-53	शुभ	लाभ	00-22 - 01-50	शुभ
अमृत	13-53 - 15-24	शुभ	उत्पात	01-50 - 03-19	अशुभ
काल	15-24 - 16-56	अशुभ	शुभ.	03-19 - 04-47	शुभ
शुभ	16-56 - 18-24	शुभ	अमृत	04-47 - 06-20	शुभ

सेंसेक्स 1205 अंक चढ़कर 75,273 पर बंद

निफ्टी में भी 394 अंक की तेजी रही

मुंबई, 25 मार्च (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 25 मार्च को तेजी रही। सेंसेक्स 1205 अंक (1.63%) की तेजी के साथ 75,273 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 394 अंक (1.72%) की तेजी रही, ये 23,306 पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 26 में बढ़त रही। आज ऑटो, बैंकिंग, मेटल और एफएमसीजी शेयर ज्यादा चढ़े। अमेरिका और ईरान के बीच सकारात्मक बातचीत की खबरों से बाजार में रौनक है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि वॉशिंगटन और तेहरान के बीच कई अहम मुद्दों पर सहमति बन गई है।

35 नहीं, 25 दिन में ही मिलेगा शहरों में सिलिंडर

समय-सीमा संशोधन पर सरकार ने स्थिति साफ की

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग समयसीमा में बदलाव को लेकर फैल रही खबरों को केंद्र सरकार ने पूरी तरह खारिज कर दिया है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि बुकिंग नियमों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और मौजूदा व्यवस्था ही लागू है।

मंत्रालय ने नई समयसीमा वाली खबरों को भ्रामक बताया

मंत्रालय के अनुसार, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया जा रहा था कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) कनेक्शन के लिए 45 दिन, गैर-पीएमयूवाई सिंगल सिलेंडर के लिए 25 दिन और डबल सिलेंडर के लिए 35 दिन की नई समयसीमा लागू की गई है। सरकार ने इन दावों को भ्रामक और गलत बताया है।

रीफिल बुकिंग की समयसीमा में कोई बदलाव नहीं

मंत्रालय ने कहा कि एलपीजी रीफिल बुकिंग की मौजूदा समयसीमा पहले की तरह ही लागू रहेगी। शहरी क्षेत्रों में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन, जो सभी प्रकार के कनेक्शनों पर समान रूप से लागू है।

नागरिकों से अफवाहों से बचने की अपील

सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसी अफवाहों पर विश्वास न करें और न ही उन्हें आगे फैलाएं। साथ ही, अनावश्यक या घबराहट में एलपीजी बुकिंग करने से बचने की सलाह दी गई है। मंत्रालय ने भरोसा दिलाया है कि देश में एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और किसी तरह की कमी की कोई स्थिति नहीं है। सरकार ने बताया कि देश की सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और सोमवार तक 18,700 टन कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति की जा चुकी है।

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा के अनुसार, देश भर में पेट्रोल और डीजल का भी पर्याप्त भंडार है और एक लाख से अधिक पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं। इसके साथ ही, पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) कनेक्शन का तेजी से विस्तार किया जा रहा है और सिर्फ एक दिन में 7,500 नए कनेक्शन दिए गए हैं। सरकार ने यह भी बताया कि एलपीजी की आपूर्ति को मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और नए स्रोतों को जोड़ा जा रहा है। राज्यों से निगरानी और वितरण व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए कहा गया है, ताकि सप्लाई पूरी तरह सुचारू बनी रहे।

बेरोजगारी दर घटी, पर किचन का बजट बढ़ा रही महंगाई

आरबीआई की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। वैश्विक स्तर पर गहराते भू-राजनीतिक तनाव का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर दिखने लगा है। विदेशी मुद्रा और व्यापार घाटे के बढ़ते दबाव के बावजूद भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का मानना है कि अर्थव्यवस्था में बाहरी झटकों को सहन करने की मजबूत क्षमता है।

ताजा रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिकूल वैश्विक परिस्थितियों के बाद भी देश में बेरोजगारी दर में मामूली कमी आई है। विशेष रूप से बीमा, बीपीओ, आईटीईएस और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों में नौकरियों के नए अवसर पैदा हुए हैं। हालांकि खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों ने आम आदमी की जेब पर बोझ बढ़ा दिया है।

सब्जी, तेल और फलों की कीमतों में उछाल

महंगाई के आंकड़े चिंताजनक हैं। फरवरी में मुद्रास्फीति बढ़कर 3.2 फीसदी पहुंच गई, जो जनवरी में 2.7 फीसदी थी। यह उछाल मांस, मछली, खाद्य तेल, फल और सब्जियों की कीमतों में वृद्धि के कारण आया है। अरहर और मूंग दालों के दाम भी बढ़े हैं। हालांकि, चावल और गेहूं की कीमतों में स्थिरता या मामूली गिरावट रही।

एफडीआई और विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव

अप्रैल, 2025 से जनवरी, 2026 के दौरान प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) लगातार पांचवें महीने नकारात्मक रहा है। इस दौरान 75 फीसदी बाहरी निवेश अमेरिका, सिंगापुर, ब्रिटेन और यूएई की ओर चला गया। वस्तु व्यापार घाटे में वृद्धि से चालू खाता घाटा भी पिछले वर्ष की तुलना में अधिक रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार में 24.4 अरब डॉलर की कमी दर्ज की गई है।

तेल और विदेशी निवेश की चुनौती

आरबीआई ने आगाह किया है कि कच्चे तेल पर भारत की भारी निर्भरता को देखते हुए वर्तमान वैश्विक संकट पर करीबी निगरानी जरूरी है। भारत ने आयात स्रोतों में विविधता लाकर और घरेलू रिफाइनिंग क्षमता बढ़ाकर जोखिम कम करने की कोशिश की है। पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण ईंधन आपूर्ति श्रृंखला में आए व्यवधान के प्रति सरकार को सक्रिय उपाय करने होंगे। जॉबस्पीक इंडेक्स ने भी व्हाइट कॉलर जॉब्स में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्शाई है। एक राहतभरी खबर यह भी है कि मनरेगा के तहत काम की मांग में लगातार आठवें महीने कमी आई है। इसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती और वहां वैकल्पिक रोजगार के अवसरों की उपलब्धता के तौर पर देखा जा रहा है।

गर्मियों में महंगी हो सकती है बीयर और शराब

> कंपनियों ने की कीमत बढ़ाने की मांग, ईरान युद्ध ने बिगाड़ा खेल

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। गर्मियों में बीयर और शराब पीना महंगा पड़ सकता है। ईरान युद्ध के कारण बीयर और शराब कंपनियों की लागत बढ़ गई है, क्योंकि कच्चा माल और पैकेजिंग मटेरियल महंगा हो गया है। ऐसे में देश में बीयर और शराब बनाने वाली कंपनियों ने कीमतों में बढ़ोतरी की मांग की है।

उद्योग संगठनों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द कीमतों में संशोधन नहीं हुआ, तो गर्मियों में सप्लाई प्रभावित हो सकती है। कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन अल्कोहलिक बेवरेज कंपनीज (सीआईएबीसी) के अनुसार, कमजोर होते रुपये, ईंधन की बढ़ती कीमतों और ट्रांसपोर्टेशन खर्च ने इंडस्ट्री पर भारी दबाव डाल दिया है। पिछले महज तीन हफ्तों में वैश्विक हालातों के कारण उत्पादन लागत 10 से 12 फीसदी तक बढ़ गई है। कंपनियों ने अलग-अलग राज्य सरकारों से इंडियन मेड फॉरेन लिकर (आईएमएफएल) की कीमतों में बढ़ोतरी करने की मांग की है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
ये समय महान प्रभाव के लोगों के साथ वार्तालाप करने के लिए अति उत्तम है। आप इन लोगो से जितना संवाद बढ़ा पाये बढ़ाये , क्यों की एक बेहतर जगह तक पहुँचने के लिए या अपने वर्तमान स्थिति का उन्नयन करने के लिए ये बहुत जरुरी है । आप अभी काफी दुविधा में है की ये अवसर आपकी धन वृद्धि कर सकते है की नहीं या आप उन्हें पकड़ पाएँगे की नहीं।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आपकी स्पष्ट सोच काम और पढ़ाई में लगातार प्रगति का समर्थन करती है। रचनात्मकता चमकती है, जिससे आपको दूसरों से अलग दिखने में मदद मिलती है। दूसरों की गलतियों पर बहुत ज़्यादा ध्यान देने से बचें और नए अवसरों के लिए खुले रहें। संघर्ष को रोकने के लिए सोच-समझकर बोलें। आत्मविश्वास और संतुलन के साथ, आप पूरे दिन सार्थक प्रगति करने के लिए तैयार हैं।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आज का दिन आपके काम के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करता है। आज आपका आत्मविश्वास और उत्साह बढ़ा हुआ रहेगा। आप खुद को गहरी दूरदर्शिता के साथ पाएंगे, अक्सर सही समय पर सही जगह पर। हालाँकि, खुद को दूसरों के नियंत्रण से दूर रखें। आपकी सफल संचार कौशल चमकेगी, जिससे आपको अपने लक्ष्यों पर टिके रहने में मदद मिलेगी।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपका आत्मविश्वास और अंतर्ज्ञान आज आपके काम में मज़बूत प्रगति का समर्थन करते हैं। रचनात्मक सोच आपको स्मार्ट समाधान खोजने में मदद करती है, लेकिन बहस करने या आलोचना करने में जल्दबाजी न करें। आपके पास चुनौतियों से निपटने की ताकत है, इसलिए अपनी ऊर्जा का सावधानी से उपयोग करें।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपकी कड़ी मेहनत और धैर्य की लंबी प्रतिबद्धता का फल आपको मिलने जा रहा है और एक बड़ा अवसर आपके करियर को आगे ले जाने के लिए आपको मिल सकता है । अंतः आपको अपनी प्रतिबद्धताओं का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा , हालांकि अन्य लोगों के योगदान को याद करे और न भूले और उनके साथ सदा विनम्र रहे ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपका कार्य जीवन रचनात्मकता और नेतृत्व से भरा हुआ है। आपकी कल्पना आपकी परियोजनाओं का समर्थन करती है, जिससे आप सफलता को स्पष्ट रूप से देख पाते हैं। मानसिक तनाव से होने वाले नर्वस तनाव से सावधान रहें। आपका स्वाभाविक अंतर्ज्ञान आपको काम या पढ़ाई में आगे रहने में मदद करता है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज के दिन की शुरुआत उल्लेखनीय होगी। आपको पदोन्नति या नई जिम्मेदारी की पेशकश की जा सकती है और भाग्यशाली लोगों को नयी नौकरी के अद्भुत अवसर प्राप्त हो सकते है! आपकी कड़ी मेहनत की प्रशंसा चारो और हो रही है और ये समय इसका फल पाने का समय है । वितीय स्थिति में धन के प्रवाह की वजह से मजबूती आने की संभावना है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपके कार्यस्थल पर तनाव का माहौल है। यह तनाव का माहौल आपकी वजह से नहीं बल्कि , व्यापार में कुछ भारी नुकसान की वजह से हो सकता है। अपने आप में नकारात्मक ऊर्जा न भरे बल्कि इसके बजाय नकारात्मक विचारों की इस लहर के घेरे में आ रहे हैं, उन सभी लोगो को प्रेरित करने का प्रयास करें।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपका आत्मविश्वास आपको आगे बढ़ाता है, आपके लक्ष्यों के प्रति स्पष्टता और दृढ़ संकल्प लाता है। रचनात्मकता फलती-फूलती है, लेकिन एकाग्रता बनाए रखने से यह सुनिश्चित होता है कि आपके विचार व्यावहारिक और प्रभावशाली हों। तार्किक सोच आपको कार्यों को कुशलतापूर्वक व्यवस्थित करने और पेशेवर रूप से अपनी खूबियों को उजागर करने में मदद करती है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपके साहसिक विचार और विस्तार पर ध्यान सफलता के लिए मंच तैयार करते हैं। आपमें रचनात्मक चिंगारी महसूस हो सकती है और प्रभावशाली लोगों के साथ काम करने के अवसर मिल सकते हैं। एकांत में रहने से स्पष्टता आ सकती है, लेकिन दुर्घटनाओं से बचने के लिए सावधान रहें।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपका करिश्मा पेशेवर परिस्थितियों में प्रशंसा अर्जित करता है, जिससे आप आसानी से केंद्र में आ जाते हैं। आप कार्यों को मौलिकता से करते हैं और नए, अपरंपरागत विचारों के लिए खुले हैं। निष्पक्षता की इच्छा आपके निर्णयों का मार्गदर्शन करती है, जिससे सहयोग सहज होता है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज आप क्षमावान रहेंगे और उन्हें भी माफ़ करेंगे जिन्होंने आपके साथ गलत किया है । चाहे वे आपके सहकर्मी हो जिन्होंने जलन की वजह से आपको नुकसान पहुँचाने कोशिश की या आपका क्रूर मालिक जिसने कभी आपकी बात नहीं सुनी और हमेशा से आपकी प्रगति में बाधा उत्पन्न की ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

1 साल में 13 बार रिचार्ज का पैसा देते हैं आप

> सरकार-विपक्ष दोनों इसे बदलना चाहते हैं, फिर दिक्कत क्या?

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। संसद में बीते दिनों मोबाइल रिचार्ज को लेकर सरकार और विपक्ष लगभग एक ही धुन पर बात करते दिखे। सांसद राघव चड्ढा ने दो प्रमुख मुद्दे उठाए। पहला- लोगों के मासिक प्लान में मिलने वाला डेली डेटा रात 12 बजे खत्म ना हो, बिल्कअगले दिनों के लिए कैरी फॉरवर्ड हो जाए। दूसरा मुद्दा उठा- 28 दिनों में रिचार्ज खत्म होने का। सांसद ने मांग की, कंपनियां पूरे महीने की वैलिडिटी दें।

जवाब में दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि महीने भर वाले रिचार्ज पहले से उपलब्ध हैं और कंपनियों से उन्हें प्रमोट करने के लिए कहा गया है। जब सरकार और विपक्ष दोनों इस बदलाव को होते हुए देखना चाहते हैं तो फरि दिक्कत कहां है? इसका जवाब है टेलिकॉम कंपनियां। जियो, एयरटेल और वोडा-आइडिया जितनी वैरायटी 28 दिनों के प्लान में देती हैं, वह 30 दिन या 1 महीने वाले रिचार्ज में नहीं मिलती। यही वजह है कि लोग 28, 56 या 84 दिनों वाले प्लान को प्राथमिकता देते हैं और 12 के बजाए साल में 13 बार रिचार्ज का पैसा चुकाते हैं।

1 साल में 13 बार रिचार्ज कैसे?

1 साल में 365 दिन होते हैं। 28 दिनों हिसाब से ग्राहक 336 दिन का रिचार्ज 12 बार में कराते हैं। यानी पूरे साल में उनके पास 29 दिनों की वैलिडिटी कम पड़ जाती है। इस तरह उन्हें एक साल के अंदर 12 के बजाए 13 बार रिचार्ज कराना पड़ता है। ऐसा ही 56 और 84 दिनों की वैलिडिटी वाले रिचार्ज प्लान में भी होता है।

सरकार-विपक्ष दोनों के एक जैसे सुर

विपक्ष के सांसद राघव चड्ढा ने मांग की है, मोबाइल कंपनियां अपने ग्राहकों को पूरे महीने की वैलिडिटी दें। वहीं, सरकार का कहना है कि 30 दिनों की वैलिडिटी वाले प्लान पहले से ही उपलब्ध हैं। टेलिकॉम रेगुलेटरी ऑफ इंडिया यानी ट्राई का भी नियम है कि सभी टेलकिॉम कंपनियों को 30 दनिों वाला प्लान देना जरूरी है। कंपनियां तीन तहर के वाउचर देती हैं- प्लान वाउचर, कॉम्बो वाउचर और स्पेशल टैरिफ वाउचर, उसमें 30 दिन वाला एक प्लान देना आवश्यक है।

30 दिनों के प्लान में वैरायटी की कमी

बड़ी समस्या 30 दिनों के प्लान में वैरायटी की है। आम ग्राहक फोन रिचार्ज कराते समय सिर्फ वैलिडिटी ही नहीं देखता। वह अनलिमिटेड कॉल्स, डेली डेटा पर भी ध्यान देता है। मोबाइल कंपनियां जो वैरायटी 28 दिनों के प्लान में देती हैं, वह 30 दिन वैलिडिटी वाले प्लान में नहीं होती। उदाहरण के लिए- एयरटेल की वेबसाइट पर एक महीने की वैलिडिटी वाले सिर्फ 4 प्लान लस्टि हैं। वहीं, 28 दिनों की वैलिडिटी के साथ कंपनी ने 7 प्रीपेड प्लान लिस्ट किए हैं।

फिर हुई 'मोदी-भजनलाल' मुलाक़ात

कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर हुई पीएम-सीएम की बातचीत

जयपुर/नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को दिल्ली के दौरे पर रहे। उन्होंने संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। इस ताजा मुलाकात में उन्होंने पीएम मोदी को शक्ति स्वरूपा माँ दुर्गा की प्रतिमा भेंट कर राजस्थान की ओर से उनका अभिवादन किया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही भजनलाल शर्मा केंद्र के साथ बेहतर समन्वय बनाकर राजस्थान को 'अग्रणी राज्य' बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

हालांकि, आधिकारिक तौर पर इसे एक शिष्टाचार भेंट बताया गया है, लेकिन सूत्रों की मानें तो इस बंद कमरे की मीटिंग में राजस्थान से जुड़े कुछ ज्वलंत और भविष्य के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई है।

प्रधानमंत्री से मुलाक़ात के बाद क्या बोले सीएम भजनलाल?

प्रधानमंत्री से मुलाक़ात के बाद सीएम भजनलाल ने सोशल मीडिया पोस्ट के ज़रिये अपनी बात रखी। उन्होंने लिखा, 'आज

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री जी से भेंट कर राजस्थान के सर्वांगीण विकास एवं जन-कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में उनका बहुमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त किया। उनकी दूरदर्शी सोच और स्पष्ट दिशा-निर्देश हमें एक समृद्ध राजस्थान के निर्माण की राह दिखाते हैं।'

मुख्यमंत्री ने आगे लिखा, 'माननीय प्रधानमंत्री जी का राजस्थान की जनता के प्रति अटूट स्नेह और उनका दूरदर्शी मार्गदर्शन ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है, जिसके संबल से राजस्थान आज विकास के हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रहा है और इसी प्रेरणा से विकसित राजस्थान का संकल्प पूर्ण करते हुए प्रदेश का हर नागरिक उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर होगा।'

वैश्विक संकट और राजस्थान पर असर

मुलाकात का समय काफी संवेदनशील है। ईरान-इजरायल युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर जो तनाव उपजा है, उसका असर भारत के राज्यों पर भी पड़ना तय है। सम्भावना जताई जा रही है कि दोनों के बीच चर्चा इस युद्ध के चलते सप्लाई चेन, तेल की कीमतों और महंगाई का राजस्थान की अर्थव्यवस्था पर क्या असर हो सकता है और राज्य सरकार इससे निपटने के लिए क्या कदम उठा रही है, पर हुई है।

चुनाव और प्रवासी राजस्थानियों की चिंता

इस मुलाक़ात का वक्त पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों में करीब आ रहे विधानसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच भी है। इन चुनावी राज्यों में राजस्थान के लाखों लोग व्यापार और रोजगार के सिलसिले में बसे हुए हैं। वहीं राजस्थान से बड़ी संख्या में लोग वोट देने के लिए चुनावी राज्यों में जा रहे हैं। ऐसे में इस सिलसिले में भी दोनों नेताओं के बीच संवाद संभावित है।

पंचायत और निकाय चुनाव का ब्लूप्रिंट

राजस्थान में जल्द ही पंचायत और निकाय चुनाव होने वाले हैं। इन चुनावों को 2028 के विधानसभा चुनावों से पहले 'सेमीफाइनल' के तौर पर देखा जा रहा है। ऐसे में चर्चा की एक सम्भावना ये भी मानी जा रही है।

राजस्थान के पेंडिंग प्रोजेक्ट्स पर फोकस

माना ये भी जा रहा है कि संसद भवन में हुई इस चर्चा में राजस्थान की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं, विशेष रूप से जल संरक्षण, सौर ऊर्जा हब और सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर केंद्र से अतिरिक्त सहयोग पर भी मुख्यमंत्री ने अपनी बात रखी है। भजनलाल शर्मा ने 'विकसित राजस्थान 2030' के विजन को लेकर पीएम का मार्गदर्शन लिया।

शिष्टाचार के साथ रणनीतिक संदेश

पीएम मोदी को माँ दुर्गा की प्रतिमा भेंट करना भी एक बड़ा संदेश माना जा रहा है। राजस्थान में 'शक्ति' की उपासना का विशेष महत्व है और यह भेंट मुख्यमंत्री के पीएम के प्रति अटूट विश्वास और राज्य की सांस्कृतिक पहचान को प्रदर्शित करती है।

किसानों में मचा हड़कंप, पीएम किसान योजना में 440 करोड़ की गड़बड़ी उजागर

'कोई भी हो सीधे जाएंगे जेल'

जयपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 440 करोड़ रुपए की कथित गड़बड़ी का मामला सामने आने के बाद प्रदेश की राजनीति और प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मच गया है।

इस गंभीर वित्तीय अनियमितता को लेकर भजनलाल सरकार बेहद सख्त रुख अपना रही है। गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हक पर डाका डालने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करेगी सरकार

गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि सरकार इस पूरे मामले को बेहद गंभीरता से ले रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस घोटाले की जांच जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत की जा रही है।

मंत्री ने संकेत दिए कि जांच एजेंसियां तेजी से काम कर रही हैं और जल्द ही इस पूरी साजिश का पर्दाफाश किया जाएगा। दोषियों

की पहचान कर उन्हें कानून के दायरे में लाकर कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाएगी।

गिरोह का होगा खुलासा

मंत्री बेढम ने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि चाहे इस घोटाले में बैंक कर्मचारी शामिल हों या कोई संगठित गिरोह, किसी को भी रियायत नहीं मिलेगी। सरकार की प्राथमिकता इस पूरे नेटवर्क को जड़ से खत्म करना और दोषियों को सलाखों के पीछे पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि यह किसानों के साथ विश्वासघात है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पात्र किसानों को राहत देने के निर्देश

गड़बड़ी के मामलों के बीच सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि वास्तविक और पात्र किसानों को नुकसान न हो। मंत्री ने बताया कि यदि तकनीकी कारणों से किसी किसान की राशि अटकी हुई है, तो उसे तुरंत जारी किया जाएगा।

संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि पात्र किसानों के लंबित मामलों का जल्द से जल्द निस्तारण करें। योजना का लाभ लेने से वंचित रह गए किसानों को पोर्टल पर जोड़ने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी।

12 हजार रुपए सालाना सहायता का लक्ष्य

किसानों के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है। पहले किसानों को इस योजना के तहत प्रति वर्ष 6 हजार रुपये मिलते थे, जिसे भजनलाल सरकार ने बढ़ाकर अब 8 हजार रुपए (मुख्यमंत्री सम्मान निधि जोड़कर) कर दिया है। सरकार का आगामी लक्ष्य इस राशि को चरणबद्ध तरीके से बढ़ाकर 12 हजार रुपए प्रतिवर्ष करना है।

काम कर रहे लाखों बंगाली अचानक 'पलायन' को मजबूर

जयपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव भले ही राजस्थान से करीब दो हजार किलोमीटर दूर हो रहे हों, लेकिन इसका असर राजधानी जयपुर सहित प्रदेशभर में काम कर रहे पश्चिम बंगाल के लोगों पर साफ दिखने लगा है। वोट के

लिए घर लौटने का दबाव, वोटर लिस्ट से नाम कटने का डर और मुफ्त योजनाओं का आकर्षण, इन कारणों से लोगों की दिनचर्या बदल गई है।

सूत्रों के अनुसार, गांवों से लगातार संदेश मिल रहे हैं कि मतदान नहीं किया तो वोटर सूची से नाम हटाया जा सकता है और सरकारी योजनाओं के लाभ से भी वंचित किया जा सकता है। स्थानीय स्तर पर सरपंच और प्रधानों के जरिए निगरानी की बात भी सामने आ रही है। इसी कारण जयपुर में काम कर रहे लोग हर हाल में मतदान के लिए घर जाने को मजबूर हो रहे हैं।

मानसरोवर निवासी सुकांत के अनुसार, गांवों से साफ संदेश मिल रहे हैं कि वोट देना जरूरी है, वरना योजनाओं का लाभ बंद हो सकता है। परिवारों पर स्थानीय नेताओं का दबाव भी बताया जा रहा है।

टिकट के लिए जंग- किराया कई गुना

जयपुर से गुवाहाटी और कटक जाने वाली ट्रेनों में टिकट मिलना मुश्किल हो गया है। सामान्य किराया चार-पांच गुना तक बढ़ गया है, फिर भी सीटें उपलब्ध नहीं हैं।

बसों का भी यही हाल है। जहां आमतौर पर किराया करीब 2 हजार रुपये था, वहीं अब 4 से 5 हजार रुपये देने के बाद भी सीट नहीं मिल रही। निजी बसों में बुकिंग तेज है और 30-36 सीट वाली बसों में 70 से अधिक यात्रियों को बैठाने की बात पहले ही बता दी जा रही है, जिससे बाद

'मैंने भी शतक लगाया है', पिता महिपाल को याद कर ऐसा क्यों बोलीं दिव्या मदेरणा?

जोधपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। मारवाड़ की कद्दावर नेता और ओसियां की पूर्व विधायक दिव्या मदेरणा ने अपने पिता और पूर्व जल संसाधन मंत्री स्वर्गीय महिपाल मदेरणा के कार्यकाल को याद करते हुए एक प्रेरणादायक पोस्ट साझा की है। दिव्या ने बताया कि किस तरह उनके पिता ने 2008 में ओसियां की जनता से किया गया 'हिमालय के पानी' का वादा पूरा किया था।

आज जब राजस्थान के रेगिस्तानी इलाकों में पानी एक बड़ी चुनौती है, दिव्या मदेरणा ने उस दौर की याद दिलाई जब ओसियां की महिलाओं के सिर से घड़ों का बोझ उतारना उनके पिता का सबसे बड़ा संकल्प था।

'विधानसभा की सीढ़ियां और हिमालय का पानी'

दिव्या मदेरणा ने अपनी पोस्ट में लिखा कि 2008 के विधानसभा चुनाव के दौरान महिपाल मदेरणा ने ओसियां की जनता के बीच हुंकार भरते हुए कहा था— "अगर आप मुझे विधानसभा की सीढ़ियाँ चढ़ने का मौका देंगे, तो मैं हिमालय का पानी यहाँ लाऊँगा और अपनी बहनों के सिर से घड़ों का बोझ उतार दूँगा।

जनता ने उन्हें मौका दिया और तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के मंत्रिमंडल में जल

संसाधन मंत्री बनते ही महिपाल मदेरणा ने अपनी कलम से सबसे पहला निर्णय ओसियां की पेयजल परियोजना पर हस्ताक्षर करने का लिया। पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए दिव्या मदेरणा ने अपनी राजनीतिक पारी में भी 'जल सेवा' को ही प्राथमिकता दी है।

कर्तव्य पथ परः दिव्या ने पोस्ट में गर्व से साझा किया कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान क्षेत्र में 103 पानी की टंकियों का निर्माण करवाकर 'शतक' लगाया है।

राजनीति नहीं, संकल्पः उन्होंने स्पष्ट किया कि ओसियां के हर घर तक मीठा पानी पहुँचाना उनके लिए केवल वोट की राजनीति नहीं, बल्कि एक पारिवारिक विरासत और पवित्र कर्तव्य है।

रेगिस्तान की सबसे बड़ी चुनौती- पानी की जंग

राजस्थान के पश्चिमी जिलों में, विशेषकर जोधपुर के ग्रामीण इलाकों में, पीने के पानी के लिए महिलाओं को कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था। दिव्या ने उन दिनों को याद किया जब खारा पानी और दूर-दराज के जल स्रोत ही एकमात्र विकल्प थे। आज ओसियां के घरों में पहुँच रहा हिमालय का मीठा पानी महिपाल मदेरणा के उसी विजन का परिणाम है जिसे दिव्या अब नई ऊंचाइयों पर ले जा रही हैं।

सोशल मीडिया पोस्ट, समर्थकों में उत्साह

दिव्या मदेरणा की इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर उनके समर्थकों ने 'मदेरणा परिवार' के योगदान की जमकर सराहना की है। कई बुजुर्गों ने उस दौर की यादें साझा कीं जब पहली बार क्षेत्र में नहर का पानी पहुँचा था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि दिव्या इस पोस्ट के जरिए अपनी जड़ों और पिता के विकास कार्यों से जनता को फिर से जोड़ रही हैं।

विरासत और विकास का मेल

ओसियां की राजनीति में मदेरणा परिवार का नाम विकास कार्यों, विशेषकर सिंचाई और पेयजल योजनाओं से गहराई से जुड़ा है। दिव्या का यह संकल्प कि वे इस विरासत को निरंतर आगे बढ़ाएंगी, यह दर्शाता है कि वे आने वाले समय में भी पानी और किसान हितों के मुद्दों पर मुखर रहेंगी।

प्रॉपर्टी डीलर का बेरहमी से कत्ल

पाली, 25 मार्च (एजेंसियां)। पाली में सदर थाना क्षेत्र के रामासिया के पास प्रॉपर्टी व्यवसायी व किराणा व्यापारी का क्षत-विक्षत शव ब्यावर-पिंडवाड़ा नेशनल हाइवे पर मिला। सूचना पर पुलिस पहुंची और शरीर के हिस्से पोटली में भरकर मोर्चरी में रखवाए।

पार्षद प्रकाश चौहान ने बताया कि 23 मार्च शाम करीब चार बजे वजाराम किसी परिचित के साथ प्लॉट की रजिस्ट्री कराने गए थे। घरवालों को उन्होंने कहा था कि दुकान के लिए किराणा का सामान लाना है। वजाराम का मोबाइल डिस्चार्ज होने से वह पत्नी का मोबाइल लेकर निकले थे।

शाम छह बजे रजिस्ट्रार ऑफिस के पास अंतिम लोकेशन मिली। फिर उनका कोई पता नहीं चला। शत-विक्षत शव मिलने की सूचना पुलिस ने परिजनों को दी। परिजन पहुंचे तो शव सड़क पर चिपका था। वजाराम की बाइक सड़क किनारे सही खड़ी थी। वजाराम का शव मोर्चरी में रखवाने के बाद परिजन और समाज के लोग एकत्रित हुए। परिजनों का आरोप है कि किसी ने वजाराम की हत्या कर शव हाईवे पर फेंक दिया। परिजनों ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा।

मामला हत्या में दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार करने और मुआवजा दिलाने की मांग करते हुए शव उठाने से इनकार कर दिया। इसके बाद मृतक के परिजनों की ओर से दी रिपोर्ट पर पुलिस ने हत्या में मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। व्यापारी के हाईवे पर पड़े शव के ऊपर से कई वाहन गुजरे, जिससे शरीर के कई टुकड़े हो गए और वे सड़क पर फैल गए। शरीर का एक हिस्सा सड़क पर चिपक गया। शव के ऊपर से सैकड़ों वाहन गुजरने के बावजूद संवेदनहीनता रही, किसी ने वाहन नहीं रोका।

सदर थाना प्रभारी कपूराराम ने बताया कि मृतक वजाराम की बाइक हाईवे किनारे खड़ी मिली। सड़क पर शव के कई हिस्से अलग-अलग जगह पड़े थे। आधार कार्ड से पहचान कर परिजनों को जानकारी दी गई। लास्ट लोकेशन रजिस्ट्रार ऑफिस से करीब चार किलोमीटर दूर हाईवे पर किराणा व्यापारी का शव मिला है। यह उनके घर जाने वाले मार्ग से अलग है। घर से ये दूरी मात्र दो किलोमीटर की है।

बांगड़ अस्पताल में काफी लोग पहुंचे और परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया। सीओ ग्रामीण अमर सिंह रत्नू और सदर थाना प्रभारी कपूराराम ने समझाइश की।

'5 मिनट मिलते ही मार देंगे', कुचामन के बिजनेस मैन ने जयपुर पुलिस से मांगी मदद, सता रहा गोदारा गैंग का खौफ!

नागौर, 25 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में एक बार फिर गैंगस्टर्स का खौफनाक चेहरा सामने आया है। कुचामन सिटी के एक बिजनेसमैन को जान से मारने की खुली धमकी देकर रंगदारी मांगी गई है। धमकी इतनी खौफनाक है कि गैंगस्टर ने साफ कहा- 'पुलिस गार्ड आपको बचा नहीं पाएगी। 5 मिनट का मौका मिलते ही आपको मार देंगे।' इस धमकी के बाद जयपुर के बनीपार्क थाने में मामला दर्ज कराया गया है, जिसने पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया है।

पीड़ित बिजनेसमैन को पिछले डेढ़ महीने से लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने पहली धमकी के बाद कुचामन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, लेकिन गैंगस्टर्स का हौसला इससे कम नहीं हुआ। उल्टा, उन्होंने दोबारा कॉल कर धमाका कर दिया। 22 मार्च को आई थ्रेट कॉल में गैंगस्टर ने साफ शब्दों में कहा, 'हमने आपकी गतिविधियों की पूरी रैकी कर रखी है। पुलिस सुरक्षा आपके किसी काम नहीं आएगी। बस 5 मिनट का मौका मिलने दीजिए, आपको खत्म कर देंगे।'

इस खौफनाक धमकी के पीछे रोहित गोदारा, वीरेंद्र चारण और राहुल फतेहपुरिया जैसे बड़े नाम सामने आए हैं। रोहित गोदारा का राजस्थान कनेक्शन बहुत गहरा और चिंताजनक है। वह मूलतः राजस्थान का ही रहने वाला है और माना जाता है कि उसने राजस्थान में रंगदारी और सुपारी किलिंग का एक बड़ा सिंडिकेट तैयार कर लिया है। रोहित गोदारा का नाम लॉरेंस बिश्नोई गैंग से भी जोड़ा जाता है। वह विदेश में बैठकर भी राजस्थान में अपने गुर्गों के जरिए रंगदारी और हत्या जैसी संगीन वारदातों को अंजाम देने की साजिश रचता है। उसका यह नेटवर्क पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है।

गिरिराज पर्वत पर आस्था की नई पहचान!

रामनवमी पर होगा 131 फीट ऊंची बालाजी प्रतिमा का अनावरण

राजसमंद, 25 मार्च (एजेंसियां)। राजसमंद जिले के नाथद्वारा स्थित गिरिराज पर्वत पर 131 फीट ऊंची खड़ी बालाजी की भव्य प्रतिमा का लोकार्पण 26 मार्च को प्रातः 9:00 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया जाएगा।

आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और तैयारियां अंतिम चरण में हैं। लोकार्पण समारोह वल्लभ संप्रदाय की प्रधान पीठ श्रीनाथजी मंदिर के तिलकायत राकेश महाराज एवं युवाचार्य विशाल बाबा के सानिध्य में संपन्न होगा। प्रतिमा का निर्माण करने वाले गिरीश भाई शाह सहित समारोह में बड़ी संख्या में संत-महात्मा, श्रद्धालु और विशिष्ट अतिथियों के शामिल होने की संभावना है।

तेजाब हमले में मासूम की रोशनी छीनने वाले आरोपी को आजीवन कारावास

अजमेर, 25 मार्च (एजेंसियां)। महिला उत्पीड़न न्यायालय ने 12 वर्षीय बालिका पर तेजाब फेंककर उसकी आंखों की रोशनी छीनने के मामले में आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने अपराध को अत्यंत गंभीर मानते हुए आरोपी पर अर्थदंड भी लगाया और पीड़ितों को मुआवजा दिलाने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त सेशन न्यायधीश(महिला उत्पीड़न न्यायालय, अजमेर) उत्तमा माथुर ने तेजाब हमले के मामले में आरोपी मध्यप्रदेश इन्दौर महू निवासी मोहम्मद इस्माईल(28) को भारतीय न्याय संहिता की धारा 124(1) के तहत दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही आरोपी पर दो लाख रुपए का अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड अदा नहीं करने पर अतिरिक्त दो वर्ष के साधारण कारावास भुगतना पडेगा। कोर्ट ने निर्देश दिए हैं कि अर्थदंड की राशि पीड़िता बालिका और उसकी मां को प्रदान की जाए। इसके अतिरिक्त, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से पूर्व में स्वीकृत एक-एक लाख रुपए की अंतरिम सहायता के अलावा पीड़ित प्रतिकर दिलाने की अनुशंसा की गई है।

जानकारी अनुसार 25 अप्रैल 2025 को पीड़िता 12 वर्षीय पुत्री के साथ में अजमेर से चित्तौड़गढ़ रेलवे स्टेशन पहुंची थी। अगले दिन सुबह प्लेटफॉर्म से कुछ दूरी पर शौच के लिए गई मां-बेटी पर आरोपी ने अचानक हमला कर दिया। आरोपी ने बोतल में भरे पीले रंग के तेजाब को पहले बालिका के चेहरे पर फेंका और फिर उसकी मां पर भी फेंककर फरार हो गया। दर्दनाक घटना में बालिका की दोनों आंखों की रोशनी खो दी और जीवनभर के लिए अंधत्व का शिकार हो गई, जबकि उसकी मां भी गंभीर रूप से झुलस गई। चित्तौड़गढ़ के अस्पताल में दोनों का इलाज भी कराया गया।

आईएमडी का ट्रिपल अलर्ट

मेघगर्जन-आंधी-बारिश की चेतावनी

जयपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। ताजा मौसम अपडेट के अनुसार राज्य में अगले कुछ दिनों तक मौसम में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार 27-28 मार्च को प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क बना रहेगा, लेकिन इस दौरान तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है। हालांकि 27-28 मार्च के बीच शेखावाटी क्षेत्र में कहीं-कहीं मेघगर्जन और हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। इससे क्षेत्र के मौसम में हल्की ठंडक महसूस हो सकती है। इसके बाद 29 से 31 मार्च के बीच एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है, जिसका असर राज्य के कई हिस्सों में देखने को मिलेगा।

पहले पत्नी की बेरहमी से हत्या, फिर होटल में लड़कियों को बुलाकर बनाए अवैध संबंध

झालावाड़, 25 मार्च (एजेंसियां)। झालावाड़ के बहुचर्चित रेणु उर्फ निमंता हत्याकांड के आरोपी पति को लेकर चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने पत्नी की बेरहमी से हत्या करने के बाद फरारी के दौरान होटलों में ठहरकर कई लड़कियों और महिलाओं के साथ अवैध संबंध बनाए। घटना के बाद बुलाई गई कई लड़कियों के फोटो व चेट आरोपी के मोबाइल में मिले है।

पुलिस ने मृतका के पति देवीकृपाल उर्फ डेविड को वारदात के करीब 5 महीने बाद कोटा के आरकेपुरम इलाके से गिरफ्तार किया। इस दौरान आरोपी ने कार से पुलिस वाहन को टक्कर मार दी। वारदात में शामिल उसके भांजे कोमल मीणा और एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है। वहीं, पकड़े गए आरोपी ने पूछताछ में अपना गुनाह कबूल कर लिया है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि मृतका के परिजन और ससुराल पक्ष ने शुरुआत में इसे सीढ़ियों से गिरने का हादसा बताया था। लेकिन मौके से मिले सबूतों के आधार पर पुलिस ने इसे हत्या माना और थाने के हेड कांस्टेबल ने परिवादी बनकर हत्या का मामला दर्ज कराया। एफएसएल टीम की वैज्ञानिक जांच में कड़ियां जोड़ते हुए खुलासा हुआ कि पति ने ही पीट-पीटकर हत्या की थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार मृतका रेणु के शरीर पर 19 चोट के निशान पाए गए थे।

जांच में सामने आया कि पत्नी की हत्या करने वाले आरोपी पति के दूसरी महिलाओं के साथ अवैध संबंध थे। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच आए दिन झगड़े होते थे।

हादसे में चाचा-भतीजे की मौत; आधे घंटे तक गाड़ी में फंसे, मदद के लिए कराहते रहे

बांसवाड़ा, 25 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के सज्जनगढ़ थाना क्षेत्र में भीषण सड़क हादसे में चाचा-भतीजे की दर्दनाक मौत हो गई। कालाखूंटा गांव के पास सीमेंट से भरे कंटेनर और बोलेरो की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार दोनों बुरी तरह से फंस गए। करीब आधे घंटे तक मदद के लिए कराहते रहे। पुलिस को इसकी सूचना दी गई तब जाकर उन्हें निकाला गया। हादसे के बाद दोनों चाचा-भतीजे करीब आधे घंटे तक गाड़ी में फंसे रहे और मदद के लिए पुकारते रहे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद करीब आधे घंटे के बाद दोनों को बाहर निकाला गया। गंभीर हालत में उन्हें बांसवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही दोनों ने दम तोड़ दिया।

गरीबों के कल्याण पर चर्चा सुने बिना सदन से बाहर चली गई बीआरएस : भट्टी विक्रमार्का

इंदिरम्मा हाउसिंग योजना पर विस्तार से चर्चा

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उप मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने विधानसभा में विपक्षी भारत राष्ट्र समिति के सदस्यों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वे गरीबों के कल्याण पर हो रही चर्चा को सुने बिना ही सदन से बाहर चले गए, जिससे यह स्पष्ट होता है कि उनमें बजट पर सरकार का जवाब सुनने की मंशा नहीं थी। बुधवार को प्रश्नकाल के दौरान उन्होंने इंदिरम्मा हाउसिंग योजना पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने पिछली सरकार की विफलताओं को उजागर करते हुए वर्तमान सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। भट्टी विक्रमार्का ने आरोप लगाया, 'पिछले शासकों ने डबल बेडरूम मकानों का झूठा वादा कर जनता को गुमराह किया और वोट हासिल किए, लेकिन दस वर्षों के शासन में गरीबों के लिए एक भी मकान नहीं बना सके और उन्हें बेसहारा छोड़ दिया।' उन्होंने याद दिलाया कि संयुक्त राज्य के समय पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. राजशेखर रेड्डी ने गरीबों को सम्मानजनक जीवन देने के उद्देश्य से इंदिरम्मा हाउसिंग योजना की शुरुआत की थी और वर्तमान सरकार उसी भावना के साथ बड़े बजट आवंटन के जरिए इसे आगे बढ़ा रही है। उपमुख्यमंत्री ने बजट की प्रतियां फाड़कर सदन से बाहर जाने वाले बीआरएस विधायकों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें बजट आवंटन पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, 'विपक्ष नहीं चाहता कि गरीब अपने घर बनाकर सम्मान से रहें। वे यह झूठा प्रचार कर रहे हैं कि फंड कम कर दिए गए हैं, जबकि सरकार ने राज्यभर में 4.5 लाख मकानों के निर्माण के लिए 22,500 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जिसमें प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 3,500 मकान बनाए जाएंगे।' भट्टी विक्रमार्का ने बताया कि आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी लगातार इंदिरम्मा हाउसिंग योजना की प्रगति की समीक्षा कर रहे हैं। कार्यों में तेजी लाने के लिए सरकार ने सख्त निर्देश दिए हैं कि लाभार्थियों को महीनों इंतजार कराने के बजाय साप्ताहिक बिल भुगतान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार 'घर बनाओ बिल पाओ' के नारे के साथ लाभार्थियों को मजबूत समर्थन दे रही है और वित्तीय सीमाओं के बावजूद गरीबों की मदद से पीछे नहीं हट रही है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि योजना के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध है, लेकिन जमीनी स्तर पर निर्माण कार्य में तेजी लाने की जरूरत है। अब तक लाभार्थियों को 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान नहीं हो पाया है। उन्होंने सभी विधायकों से अपने-अपने क्षेत्रों में निर्माण कार्य में तेजी लाने की अपील करते हुए आश्वासन दिया कि जितनी तेजी से काम होगा, उतनी ही जल्दी फंड जारी किए जाएंगे।

जमीन हड़पने वाले गिरोह का भंडाफोड़, आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कीसरा पुलिस ने दो मामलों में जमीन हड़पने के लिए ठगी और दस्तावेज़ों में फर्जीवाड़ा करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया और कई आरोपियों को गिरफ्तार किया। बीते 17 मार्च को केशबोइना रामादेवी और श्रीमती मदानु माधुरी ने धोखाधड़ी और उनकी संपत्तियों के अवैध हस्तांतरण की शिकायत दर्ज कराई। आरोपियों ने इसमें मृत प्रमाण पत्र, पारिवारिक रिकॉर्ड और उपहार अनुबंध (गिफ्ट सेटलमेंट डीड) जैसे फर्जी दस्तावेज़ तैयार किए। शिकायतों के आधार पर मामले दर्ज किए गए और जांच शुरू की गई। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान विशेष टीमों का गठन किया गया और आरोपी गिरफ्तार किए गए। मुख्य आरोपी और षड्यंत्रकर्ता कनाकाटी लिंगैया गौड़ (पुलिस उपनिरीक्षक), प्रवीन रेड्डी, मोडेम संपत, कम्बले दीप, उप्पला वेणु, डोनापाटि वेंकट रेड्डी, गुंडीगा ज्योति, मदानु इननैया आदि रहे है। डीसीपी मल्काजगिरी सीएच. शीधरआरोपियों ने अपनी भूमिका स्वीकार की और जांच में पाया गया कि उन्होंने फर्जी दस्तावेज़ों के माध्यम से संपत्ति हड़पने की योजना बनाई थी। आरोपियों ने खाली या कमजोर भूखंडों को निशाना बनाया, मृत प्रमाण पत्र और पारिवारिक रिकॉर्ड जैसी फर्जी दस्तावेज़ तैयार किए, वास्तविक मालिकों या कानूनी वारिसों का बहकाव किया और धोखाधड़ी के माध्यम से संपत्ति का अवैध हस्तांतरण किया। गिरफ्तार आरोपी न्यायिक हिरासत में भेजे गए हैं। अन्य आरोपी फरार हैं और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं। मल्काजगिरी पुलिस ऐसे जमीन हड़पने वाले अपराधों को रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है। नागरिकों से अनुरोध है कि वे संपत्ति लेन-देन से पहले दस्तावेज़ों की पूरी जांच करें।

खेल मानसिक और शारीरिक फिटनेस का साधन : राज्यपाल

74वें बी. एन. मुल्लिक ऑल इंडिया पुलिस फुटबॉल चैंपियनशिप का उद्घाटन

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने 74वें बी. एन. मुल्लिक ऑल इंडिया पुलिस फुटबॉल चैंपियनशिप 2025—26 के उद्घाटन समारोह में कहा कि खेल केवल शारीरिक फिटनेस ही नहीं बढ़ाते, बल्कि पुलिस कर्मियों के व्यक्तित्व विकास, अनुशासन और कर्तव्यों के कुशल निर्वहन के लिए जीवन रेखा का काम करते हैं। यह कार्यक्रम बुधवार को गच्चीबोवली स्टेडियम में आयोजित किया गया। राज्यपाल ने अपने खेलों के प्रति गहरे प्रेम का ज़िक्र करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार में खेल मंत्री के अपने पूर्व कार्यकाल का स्मरण किया। उन्होंने पूरे देश से आए पुलिस कर्मियों की भागीदारी की सराहना की, जिन्होंने अपनी वर्दी छोड़कर खेल जर्सी पहनकर भाईचारे और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का उत्सव मनाया। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि आने वाले वर्षों में महिला पुलिस कर्मियों की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे पुलिस बल की मजबूती और समावेशिता बढ़ेगी। राज्यपाल ने कहा कि पुलिस कर्मियों के लिए खेल केवल मनोरंजन नहीं बल्कि मानसिक चुस्ती और शारीरिक फिटनेस बनाए रखने का आवश्यक साधन है। तेलंगाना को खेलों में उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में उभरने की सराहना करते हुए, उन्होंने प्रतिभागियों से खेल भावना, उत्साह, निष्पक्षता और ईमानदारी के साथ प्रतिस्पर्धा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जीत या हार से अधिक प्रयास और समर्पण महत्वपूर्ण हैं और सभी खिलाड़ियों को हैदराबाद में अपने समय का आनंद लेने की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद में इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप की मेज़बानी करने पर उन्हें खुशी और गर्व है। डीजीपी ने खेलों की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि फुटबॉल में दिखाई देने वाली टीम वर्क, रणनीति, सहनशीलता, त्वरित निर्णय क्षमता और आपसी विश्वास जैसी विशेषताएँ हर पुलिस अधिकारी के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने इस टूर्नामेंट को केवल प्रतियोगिता नहीं बल्कि पुलिस बलों के बीच एकता, सहयोग और भाईचारे का उत्सव बताया। इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (स्पोर्ट्स) गजराज भूपाल ने तेलंगाना की समृद्ध फुटबॉल परंपरा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि राज्य के कई पुलिस कर्मी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि मैच हैदराबाद के पांच विभिन्न स्थलों पर आयोजित किए जाएंगे। साइबराबाद पुलिस कमिश्नर एम. रमेश ने राज्यपाल, डीजीपी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए धन्यवाद दिया। उद्घाटन समारोह में विभिन्न राज्यों की टीमों ने मार्च-पास्ट किया, जिसके बाद राज्यपाल, डीजीपी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उद्घाटन मैच का अवलोकन किया। कार्यक्रम में आर. बी. वी. आर. आर. तेलंगाना पुलिस अकादमी निदेशक अभिलाषा बिष्ट, अतिरिक्त डीजीपी संजय कुमार जैन और अनिल कुमार, डीआईजी अभिषेक मोहंती सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नवनियुक्त सीए के लिए आईसीएआई का 64वां कैंपस प्लेसमेंट

हैदराबाद सहित 9 केंद्रों पर होगी भर्ती

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) ने हाल ही में योग्य घोषित हुए चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के लिए अपने 64वें कैंपस प्लेसमेंट प्रोग्राम की पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी है। संस्थान ने आधिकारिक प्लेसमेंट पोर्टल के माध्यम से भाग लेने वाले संगठनों और उम्मीदवारों के लिए पंजीकरण की समयसीमा जारी कर दी है। इस बार आईसीएआई ने सभी केंद्रों पर उच्च मानक सुनिश्चित करने के लिए एक मानकीकृत 'ओरिएंटेशन प्रोग्राम' भी पेश किया है, जिसमें उम्मीदवारों को साक्षात्कार की तैयारी और नियोक्ताओं की अपेक्षाओं के बारे में व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस प्लेसमेंट ड्राइव में पहले से ही विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित कंपनियों ने भारी रुचि दिखाई है। देश भर के नौ प्रमुख केंद्रों पर बड़े पैमाने पर भर्ती गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, जिनमें हैदराबाद एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से नवनियुक्त सीए को करियर के बेहतरीन अवसर प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है। इच्छुक उम्मीदवार और कंपनियां विस्तृत जानकारी के लिए आईसीएआई के आधिकारिक पोर्टल पर लॉग-इन कर सकते हैं। अप्रैल 2026 में होने वाले साक्षात्कार का कार्यक्रम भी घोषित कर दिया गया है। मुख्य केंद्रों के लिए साक्षात्कार की तिथियां इस प्रकार हैं: मुंबई और दिल्ली (6 से 10 अप्रैल), बेंगलुरु (8 से 13 अप्रैल), चेन्नई (9 से 14 अप्रैल), कोलकाता (10 से 15 अप्रैल) और हैदराबाद में यह प्रक्रिया 13 से 17 अप्रैल तक चलेगी। संस्थान का कहना है कि इस पहल से न केवल युवाओं को रोजगार मिलेगा, बल्कि कंपनियों को भी कुशल पेशेवर प्राप्त होंगे।

पेट्रोल, डीज़ल और गैस की पर्याप्त उपलब्धता : उपमुख्यमंत्री

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री और वित्त एवं विद्युत विभाग मंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क ने स्पष्ट किया कि हैदराबाद शहर और राज्य भर में पेट्रोल, डीज़ल और एलपीजी गैस की पर्याप्त मात्रा में स्टॉक मौजूद है। उन्होंने कहा कि राज्य में ईंधन और गैस की आपूर्ति पूरी तरह से सामान्य है और किसी तरह की कमी या संकट की स्थिति नहीं है। उपमुख्यमंत्री ने उपभोक्ताओं से अपील की कि किसी भी अफवाह या मीडिया में फैल रही अनिश्चितताओं पर ध्यान न दें और केवल नियमित आवश्यकता के अनुसार ही ईंधन का उपयोग करें। उन्होंने वाहन चालकों से अनुरोध किया कि जरूरत से अधिक स्टॉक न करें और भरोसा दिया कि अंतिम ग्राहक तक पेट्रोल और गैस की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

जगतियाल में कांग्रेस को बड़ा झटका

दिग्गज नेता टी. जीवन रेड्डी का 40 साल पुराना साथ छूटा, एआईसीसी से इस्तीफा

जगतियाल, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की राजनीति में बुधवार को एक बड़ा भूचाल आ गया, जब कांग्रेस के कद्दावर और वरिष्ठ नेता टी. जीवन रेड्डी ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और एआईसीसी सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। पिछले 40 वर्षों से कांग्रेस के साथ मजबूती से खड़े रहने वाले जीवन रेड्डी ने पार्टी नेतृत्व द्वारा दलबदलू विधायक डॉ. एम. संजय कुमार को लगातार दिए जा रहे प्रोत्साहन और तवज्जो से आहत होकर यह कड़ा कदम उठाया है। नेतृत्व द्वारा उन्हें मनाने की तमाम कोशिशें नाकाम साबित हुईं। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे को लिखे अपने भावुक पत्र में जीवन रेड्डी ने स्पष्ट किया कि जगतियाल निर्वाचन क्षेत्र में मूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ हो रहे मानसिक उत्पीड़न और अन्याय को वे अब और सहन नहीं कर सकते। उन्होंने बताया कि अक्टूबर 2024 में उन्होंने सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को पत्र लिखकर स्थानीय घटनाक्रमों पर दिशा-निर्देश मांगे थे, लेकिन एक साल बीत जाने के बाद भी आलाकमान की ओर से कोई ठोस प्रतिक्रिया नहीं मिली। जीवन रेड्डी ने आरोप लगाया कि बीआरएस छोड़कर आए विधायक संजय कुमार के इशारे पर ही पार्टी में मनोनीत पद बांटे जा रहे हैं, जिससे पुराने कार्यकर्ताओं में भारी असंतोष है।

तलसानी ने आवास निर्माण पर सरकार पर हमला बोला

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक और पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने विधानसभा में राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि पिछले 28 महीनों में हैदराबाद में एक भी नया घर नहीं बनाया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सत्ता में आने के बाद से एक भी घर तैयार नहीं हुआ।

भाग्यनगर श्रीरामनवमी उत्सव समिति की श्रीराम नवमी शोभायात्रा कल

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भाग्यनगर राम नवमी उत्सव समिति का श्री रामनवमी शोभायात्रा शुक्रवार 27 मार्च को सीताराम बाग स्थित मंदिर से विभिन्न झांकियों के साथ निकाली जाएगी। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए समिति के अध्यक्ष डॉ.भगवंत राव एवं महामंत्री गोविन्द नारायण राठी ने बताया कि समिति द्वारा 2010 से श्रीराम नवमी पर शोभायात्रा सीताराम बाग मंदिर से निकाली जाती रही है। इस वर्ष कार्यक्रम में बेगम बाजार छतरी और सुल्तान बाजार पर आचार्य स्वामी स्वरूप ब्रह्मचारी महाराज उज्जैन तथा स्वामी अद्वैतानंदगिरी महाराज गंगोत्री धाम सभा को संबोधित करेंगे।

डॉ.भगवंत राव ने कहा कि शोभायात्रा 27 मार्च को सीताराम बाग मंदिर में श्रीरामजी एवं सीताजी के कल्याणोत्सव के पश्चात दोपहर 12.30 बजे से विभिन्न झांकियों के साथ निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा सीतारामबाग मंदिर से आरंभ होकर भोईगुड़ा कमान, मंगलहाट, जाली हनुमान मंदिर पुराना पुल गांधी पुतला, जुमेरात बाजार, बेगम बाजार छतरी, बर्तन बाजार, सिद्दिअम्बर बाजार, गौलीगुडा राम मंदिर से होते हुए कोठी आंध्रा बैंक के पास संपन्न होगी।

अवसर पर मुख्य अतिथि तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला सीताराम बाग मंदिर में कल्याणोत्सव में भाग लेंगे। उसी प्रकार उज्जैन से आचार्य स्वामीजी रामस्वरूप ब्रह्मचारी महाराज स्वामी अद्वैतानंदगिरीजी महाराज पधारेंगे जो जनसभा को बेगम बाजार चौराहे पर संबोधित करेंगे। इस शोभायात्रा के लिए तेलंगाना सरकार, नगर पुलिस आयुक्त, जीएचएमसी, वाटर वर्क, बिजली, सड़क एवं भवन व अन्य अधिकारियों के साथ शोभा यात्रा के मार्ग पर व्यवस्था के लिए दौरा किया गया और वहां पर बिजली, पानी , साफ सफाई, फोकस लाइट, सडक पर गड्ढे आदि को भरने का आश्वासन दिया है। भगवंत राव ने बताया कि शोभायात्रा के माध्यम से श्रीराम के चरित्र, रामजी के जीवन से क्या सीखना है भाई का व्यवहार, पिता माता के साथ कैसा व्यवहार हो इसको जानने का अवसर मिलेगा।

अवसर पर कोषाध्यक्ष श्रीराम व्यास, किरोडीमल नरसिंगपुरिया, वैकुंठम, महेन्द्र व्यास, बाबू गुरु सहित अन्यों ने विचार रखे और सभी से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया।

बिहार स्थापना दिवस कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बोवनपल्ली स्थित मल्लारेड्डी गार्डन में स्थित बिहार फाउंडेशन चैप्टर एवं बिहार एसोशिएशन हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में बिहार स्थापना दिवस समारोह मंगलवार 24 मार्च शाम 4 बजे से मुख्यअतिथियोफ्ल के करकमलोफ्ल द्वारा दीप प्रज्वलितकर भव्यरुप से आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में महासचिव प्रभास कुमार ने बताया कि हर वर्ष की भांति बिहार स्थापना दिवस कार्यक्रम के मुख्यअतिथि आई.ए.एस.विकास राज, सम्मानित अतिथि रि.डीआईजी एम.के.सिंह, बिहार फाउंडेशन चेयरमैन मानवेन्द्र मिश्र, बिहार एसोशिएशन अध्यक्ष हरेराम सिंह, महासचिव प्रभास कुमार, कोषाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता के करकमलोफ्ल द्वारा दीप प्रज्वलितकर कार्यक्रम का भव्य शुभारम्भ कर भोजपुरी कलाकार शिल्पी राज, विजय चौहान, मनोज तिवारी, रविराज दीपू द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। अवसर पर मुख्यअतिथि विकास राज द्वारा एसोशिएशन के वरिष्ट सदस्य सुभाषसिंह यादव, डी.यादव, भरतसिंह, विभिन्न संस्थाओफ्ल के पदाधिकारियोफ्ल, बिहार भवन के निर्माण के लिए दिये गये

सहयोगी भामाशाहोफ्ल, बिहार एसोशिएशन की महिला शक्ति सदस्योफ्ल, क्रिकेट टीम के कैप्टन नवनीत सिंह का मोमेन्टोफ्ल व शॉल से सम्मान किया गया। स्वागत भाषण में श्रीमती डॉ.आशा मिश्र ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए बताया कि 'कौन कहता है आकाश में पत्थर नही ठहरता, एक बार उछाल कर तो देखो!'। तेलंगाना में बिहारी समाज बन्धुओफ्ल को एकता के साथ मिलजुलकर रहना चाहिए। मुख्यअतिथि विकास राज ने समाज बन्धुओफ्ल द्वारा दिये गये सम्मान के लिए तहदिल से आभार प्रकट करते हुए भरोसा दिलाया की जब भी उनकी जरुरत पड़ेगी, वे हर सम्भव सहयोग करेंगे।

अध्यक्ष हरेराम सिंह एवं चेयरमैन मानवेन्द्र मिश्र ने कार्यक्रम में पधारे समाज बन्धुओफ्ल एवं तेलंगाना में बिहार भवन के लिए समाज बन्धुओफ्ल द्वारा दिये गये सहयोग के लिए आभार प्रकट करते हुए भरोसा दिलाया की समाज के विकास के लिए वे हर सम्भव प्रयास करेंगे। हजारोफ्ल की संख्या में पधारे समाज बन्धुओफ्ल व अतिथियोफ्ल के लिए भोजन की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मानवेन्द्र मिश्र, उत्तमकुमार यादव, हरेराम सिंह, प्रभास कुमार, विनोद कुमार गुप्ता, अमरेश मौर्य, दिनेश सिंह, अशोक सिंह, रविशंकर सिंह, अखिलेश सिंह, गोपाल भगत, दीपक यादव, रमेश राम, शत्रुघन राम, दिलीप यादव, नगेन्द्र राव, सुमन सिंह, राम बिनोद झा, हरे राम यादव, जितेन्द्र गुप्ता, राजू राय, देवनाथ यादव, प्रेम शंकर सिंह, सौरभ सिंह, सुनिल यादव, बालकिशन यादव, अरविन्द यादव, विक्की शाह, सभी कमिटी मेम्बरोफ्ल व समाज बन्धुओफ्ल का विशेष सहयोग रहा। दिलीप यादव के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

मियांपुर हत्या मामला में युवक को 10 साल की सजा

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले की अदालत ने 22 वर्षीय मजदूर अरविंद सिंह को मियांपुर में अपने परिचित मन सिंह की हत्या करने के मामले में 10 साल कठोर कारावास की सजा सुनाई। घटना 7 जुलाई 2024 की है, जब आरोपी ने जेतरा कंपनी के पास श्रमिक शिविर में पीड़ित पर हमला किया था। प्रारंभ में यह मामला हत्या के प्रयास के रूप में दर्ज किया गया था, लेकिन 11 जुलाई को पीड़ित की गांधी अस्पताल में उपचार के दौरान मृत्यु हो जाने के बाद इसे हत्या का मामला बना दिया गया। संपूर्ण सुनवाई के बाद VI अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, रंगारेड्डी जिला न्यायालय, कुक्टपल्ली ने आरोपी को दोषी ठहराया और 10 साल की सजा सुनाई।

मां की हत्या के आरोप में बेटी व प्रेमी गिरफ्तार

मां की हत्या कर घर के फर्श के नीचे दफनाया शव

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जवाहरनगर पुलिस ने एक चौंकाने वाले मामले में 22 वर्षीय युवक मोंटी कुमार सिंह और 17 वर्षीय नाबालिग लड़की को गिरफ्तार किया। दोनों पर लड़की की मां अंजू की हत्या का आरोप है। मृतका का शव महीनों तक उनके घर के फर्श के नीचे दबाया गया था। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने अंजू को छुरा घोंपकर मारा, जबकि नाबालिग ने उसे रोकने का प्रयास किया। इसके बाद शव को बिस्तर के नीचे छुपाया और बाद में सीमेंट और बालू से घर के अंदर दफनाया। परिवार को धोखा देकर मरम्मत कार्य बताकर गुमराह किया गया। मामला तब सामने आया जब पीड़िता की बड़ी बेटी ने गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शव खोदकर सत्यापित किया और हत्या की पुष्टि की। जांच में पता चला कि आरोपी बाद में यादगिरिगुट्टा मंदिर में शादी कर दोनों साथ रहने लगे। नाबालिग ने अब बच्चा भी जन्म दिया है। आरोपी सहित नाबालिग को न्यायिक हिरासत के लिए अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने एक चाकू भी बरामद किया। गिरफ्तारी और अपराधियों का पता लगाने का कार्य मलकाजगिरी ज़ोन के डीसीपी च. श्रीधर, जवाहरनगर विभाग के एसीपी चक्रपानी और एसएचओ जवाहरनगर पीएस के नेतृत्व में पूरा किया गया।

बीआरएस नेता और पूर्व सरपंच का अपहरण, जमीन विवाद की आशंका

खम्मम, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के मुदिगोंडा मंडल में बुधवार को एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, जहाँ भारत राष्ट्र समिति के मंडल समिति के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व सरपंच पामु सिलवाराजू का अज्ञात हमलावरों ने कथित तौर पर अपहरण कर लिया। सिलवाराजू की पत्नी स्वर्णलता वर्तमान में पान्द्रेगुपल्ली गांव की सरपंच हैं। इस घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल व्याप्त है और पुलिस ने उनकी तलाश के लिए विशेष टीमें गठित की हैं। परिजनों के अनुसार, सिलवाराजू हर रोज की तरह बुधवार सुबह सैर पर निकले थे। जब वे काफी देर तक घर नहीं लौटे, तो परिवार ने उनकी तलाश शुरू की। स्थानीय लोगों से पूछताछ में पता चला कि पान्द्रेगुपल्ली गांव स्थित एक ईदगाह के पास कुछ अज्ञात लोग कार में आए और सिलवाराजू को जबरन अपने साथ ले गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उस समय उन्हें लगा कि कार सवार सिलवाराजू के परिचित होंगे, इसलिए किसी ने हस्तक्षेप नहीं किया। हालांकि, दोपहर में सिलवाराजू ने एक अज्ञात मोबाइल नंबर से अपने बच्चों को फोन कर बताया कि वे किसी काम से हैदराबाद जा रहे हैं और शाम तक लौट आएंगे, लेकिन उनके लहजे और परिस्थितियों को देखते हुए परिजनों को अनहोनी की आशंका है।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा आरती करते राजेंद्र कुमार अग्रवाल सुरेंद्र कुमार अग्रवाल गोपाल बलदवा विट्ठलदास अग्रवाल बड़े गांव वाले विजय कुमार अग्रवाल एडवोकेट सेसैया सुदर्शन रेड्डी प्रवीण अग्रवाल अशोक कुमार रूंगटा मोहनलाल मित्तल गोपाल भाई प्रमोद सरायवाला राहुल सिंघल अशोक लाखोटिया भोजरेड्डी राहुल देशपांडे एवं संध्या अग्रवाल दीपा अग्रवाल माया अग्रवाल विजया रेड्डी ।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

अमेरिकी अब्राहम लिंकन ...

उन्होंने कहा, हमने उनसे कहा कि अगर थाई जहाज जलडमरूमध्य से गुजरते हैं, तो क्या वे उनकी सुरक्षित आवाजाही में मदद कर सकते हैं? इसके जवाब में ईरान ने आश्वासन दिया कि वह इसका ध्यान रखेगा और गुजरने वाले जहाजों के नाम देने को कहा। इस बातचीत के बाद थाई तेल टैंकर बिना किसी बाधा के सुरक्षित तरीके से इस अहम समुद्री मार्ग से गुजर सका।

इजराइल सरकार ने 4 लाख रिजर्व सैनिकों को बुलाने की मंजूरी दे दी है। सेना ने कहा है कि यह संख्या कुल बुलाए जाने वाले सैनिकों की नहीं है, बल्कि एक मैक्सिमम सीमा है, जिसे जरूरत के हिसाब से बदला जा सकता है। सेना के मुताबिक, यह फैसला अलग-अलग मोर्चों पर बढ़ती चुनौतियों से निपटने के लिए लिया गया है। इससे पहले दिसंबर में यह सीमा 2.8 लाख थी, जिसे अब बढ़ाकर 4 लाख कर दिया गया है।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजश्कियान ने तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोगान के इजराइल के खिलाफ कड़े रुख की तारीफ की है। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने एर्दोगान के इस रुख को सराहनीय बताया और कहा कि तुर्किये इस्लामी दुनिया के साथ एकजुटता दिखाने में अहम भूमिका निभा रहा है।

इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा है कि 28 फरवरी से शुरू हुए अमेरिका-इजराइल युद्ध के बाद अब तक ईरान पर 15,000 से ज्यादा बम गिराए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि यह पिछले साल जून में हुए 12 दिन के संघर्ष की तुलना में चार गुना ज्यादा है।

वित्त विधेयक लोकसभा...

वित्त विधेयक में ऐसे प्रावधान किए गए हैं जो इन सेक्टर्स के लिए तरलता बढ़ाने, अनुपालन बोझ कम करने और अर्थव्यवस्था में उनकी भागीदारी बढ़ाने में मदद करेंगे।

सरकार ने सहकारी क्षेत्र को मजबूत करने और छोटे सदस्यों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से बड़ा फैसला लिया है।

बुधवार को सरकार ने राष्ट्रीय सहकारी संघों (नेशनल कोऑपरेटिव फेडरेशंस) की डिविडेंड आय पर तीन साल तक टैक्स छूट देने की घोषणा की। वित्त मंत्री ने कहा कि समावेशी विकास के लिए इन क्षेत्रों को सशक्त बनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि खासकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था में ये क्षेत्र अहम भूमिका निभाते हैं और विभिन्न उद्योगों में रोजगार के अवसर पैदा करते हैं।

इसके अलावा, वित्त विधेयक में डेटा सेंटर सेवाओं से जुड़ा एक नया प्रावधान भी शामिल किया गया है। सेफ हार्बर नियम के तहत, भारत की कंपनियों को अपनी संबंधित विदेशी इकाइयों को सेवाएं देने पर लागत का 15 प्रतिशत मार्जिन रखने की अनुमति दी जाएगी। इससे भारत में वास्तविक और लाभकारी कारोबार को बढ़ावा मिलेगा तथा शेल कंपनियों पर रोक लगेगी। अनुपालन को आसान बनाने के लिए तकनीकी चूक (टेक्निकल डिफॉल्ट) पर लगने वाले जुर्माने को अब निश्चित शुल्क (फिक्स्ड फीस) में बदल दिया गया है। इससे कारोबारियों के लिए अनिश्चितता कम होगी। इसके साथ ही, यात्रियों को राहत देने के लिए एयरपोर्ट पर विवाद कम करने हेतु पैसेंजर अलाउंस को भी तर्कसंगत बनाया गया है। सरकार का कहना है कि ये सभी कदम प्रमुख क्षेत्रों को मजबूती देने, कारोबार को आसान बनाने और आर्थिक विकास का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से उठाए गए हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

जैनिक सिनर मियामी ओपन के क्वार्टर फाइनल में

दूसरे सेट में 2-5 से पिछड़ने के बाद की वापसी

मियामी, 25 मार्च (एजेंसियां)। दुनिया के नंबर दो टेनिस खिलाड़ी इटली के जैनिक सिनर ने मियामी ओपन में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है।

हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में सिनर ने अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन को सीधे सेटों में 7-5, 7-6(4) से हरा दिया।

सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट्स में लगातार 28 सेट जीता

इटली के टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट्स में लगातार 28 सेट जीतकर अपना ही रिकॉर्ड और मजबूत कर लिया है। पिछले साल नवंबर में पेरिस मास्टर्स से शुरू हुआ उनका जीत का सिलसिला अब तक जारी है।

इससे पहले यह रिकॉर्ड नोवाक जोकोविच के नाम था, जिन्होंने लगातार 24 सेट जीते थे, लेकिन सिनर ने इसे पीछे छोड़ दिया। मैच के दौरान एक समय ऐसा आया जब सिनर दूसरे सेट में 2-5 से पीछे चल रहे थे और मिशेलसन की जीत तय लग रही थी। हालांकि, सिनर ने हार नहीं मानी और ब्रेक पॉइंट हासिल करते हुए स्कोर बराबर किया। इसके बाद मुकाबला टाइ-ब्रेक में गया, जहां सिनर ने अगले 7 में से 6 पॉइंट जीतकर 1 घंटे 42 मिनट में मैच अपने नाम कर लिया। मिशेलसन के खिलाफ अब सिनर का हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 3-0 हो गया है। 24 साल के इटालियन खिलाड़ी अब मियामी ओपन में लगातार पांचवें साल क्वार्टरफाइनल पहुंच गए हैं। वे यानिक नोआ और स्टेफान एडबर्ग के बाद ऐसा करने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। कल क्वार्टरफाइनल में सिनर का मुकाबला 19वीं सीड फ्रांसिस टियाफो से होगा। सिनर ने कहा कि उन्होंने अपना बेस्ट टेनिस नहीं खेला, इसलिए उन्होंने कोई न कोई रास्ता निकालने की कोशिश की।

ओडीआई विश्व कप के लिए 3 खिलाड़ियों में सीधा मुकाबला

टीम इंडिया में कौन मारेगा एंट्री?

मुंबई, 25 मार्च (एजेंसियां)। ओडीआई विश्व कप 2027 के लिए टीम इंडिया में किसकी जगह होगी पक्की? कौन खिलाड़ी टीम में एंट्री लेने में मारेगा बाजी? कुछ दिनों पहले आई मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि वनडे वर्ल्ड कप 2027 के लिए 20 संभावित खिलाड़ियों की लिस्ट भारतीय सेलेक्टर ने तैयार कर ली है. लेकिन सभी 20 को तो वर्ल्ड कप के लिए खिलाड़ियों की जो फाइनल लिस्ट तैयार होगी, उसमें जगह मिल नहीं सकती. सबसे बड़ा सवाल टीम में उस जगह को लेकर रहेगा, जिसके लिए 3 खिलाड़ियों के बीच सीधा मुकाबला होगा. हम बात कर रहे हैं वनडे वर्ल्ड कप 2027 की टीम में पेस ऑलराउंडर की जगह को लेकर. इस जगह के लिए 3 दावेदार हैं- हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे और नीतीश रेड्डी.

ओडीआई विश्व कप 2027 में पेस ऑलराउंडर की भूमिका होगी अहम

2027 का वनडे वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की तेज पिचों पर खेला जाना है, ऐसे में पेस ऑलराउंडर की भूमिका का टीम में बढ़ जाना भी लाजमी है. अपनी बैटिंग को गहराई देने के लिए, जो कि हेड कोच गंभीर की सोच रही है, हो सकता है कि टीम इंडिया में 2 पेस ऑलराउंडर का भी सेलेक्शन हो. अगर ऐसा हुआ तो सवाल है कि हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे और नीतीश रेड्डी में से किन दो को टीम में जगह मिलेगी और किस एक का पत्ता साफ होगा?

सबसे पहले बात हार्दिक पंड्या की करते हैं, जो इस वक्त टीम इंडिया के सिर्फ सबसे अनुभवी ऑलराउंडर हैं. पंड्या ने भारत के लिए आखिरी वनडे मार्च 2025 में खेला था. इंजरी पंड्या की सबसे बड़ी समस्या रही है, जिसके चलते साल 2024 में तो वो वनडे क्रिकेट से दूर ही रहे थे. वनडे वर्ल्ड कप 2023 के बाद फरवरी-मार्च 2025 की सीरीज पहला मौका था, जिसमें वो वनडे खेलते दिखे थे. अब एक साल से फिर वो वनडे क्रिकेट से दूर हैं.

शिवम दुबे

दूसरे ऑलराउंडर शिवम दुबे की बात करें तो ये बाएं हाथ के बल्लेबाज और दाएं हाथ के गेंदबाज हैं और टीम इंडिया में हार्दिक पंड्या की जगह लेने को अपना दावा ठोक चुके हैं. हालांकि, जिस तरह से टीम इंडिया ने शिवम दुबे का इस्तेमाल टी20 में किया है, वैसा वनडे क्रिकेट में नहीं किया है. उन्होंने अपना आखिरी वनडे अगस्त 2024 में खेला था. हार्दिक पंड्या का वनडे करियर अभी सिर्फ 4 मैचों का है. लेकिन, जिस तरह से भारत को T20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जिताने में उन्होंने अपनी मैच्योरिटी दिखाई है, उसे देखते हुए भारतीय टीम मैनेजमेंट उन्हें अपने वनडे क्रिकेट के गेम प्लान का भी रेग्यूलर हिस्सा जरूर बनाना चाहेगा.

नीतीश रेड्डी

शिवम दुबे की तरह टीम इंडिया के तीसरे ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी का भी वनडे करियर अभी सिर्फ 4 मैचों का है. लेकिन, उनका प्रदर्शन उसमें शिवम से बेहतर है. उन 4 वनडे में वो 1 अर्धशतक के साथ 100 रन बना चुके हैं. नीतीश रेड्डी ने आखिरी वनडे इसी साल जनवरी में खेला था.

वनडे वर्ल्ड कप 2027 को लेकर टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर पहले ही ये कह चुके हैं कि उसके लिए उनकी तैयारियां आईपीएल 2026 के बाद शुरू होंगी. अब देखना ये है कि भारतीय टीम के जो 3 ऑलराउंडर हैं, उनमें से किनको टिकट टू वर्ल्ड कप मिलता है और किसके हाथ निराशा लगती है?

आरसीबी सबसे महंगी आईपीएल टीम

16.71 हजार करोड़ में आदित्य बिड़ला, टाइम्स ग्रुप समेत 4 कंपनियों ने खरीदा

बेंगलुरु, 25 मार्च (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 1.78 बिलियन डॉलर यानी करीब 16,706 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड बोली के साथ बिक गई है। इसके साथ ही बेंगलुरु आईपीएल की सबसे महंगी टीम बन गई। आरसीबी टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन भी है।

क्रिकबज की रिपोर्ट अनुसार, आरसीबी की मेंस और विमेंस टीम को आदित्य बिड़ला ग्रुप , टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप , बोल्ट वेंचर्स और ब्लैकस्टोन्स परपिचुअल प्राइवेट इक्विटी स्ट्रैटिजी ने मिलकर खरीदा। डील को पूरा करने के लिए बीसीसीआई, कॉम्पिटिशन कमीशन ऑफ इंडिया और अन्य रेगुलेटरी संस्थाओं की मंजूरी जरूरी होगी।

दोनों ही टीमें मौजूदा समय में आईपीएल और डब्ल्यूपीएल की चैंपियन हैं। इससे पहले क्रिकबज ने ही बताया था कि राजस्थान रॉयल्स 1.63 बिलियन डॉलर यानी करीब 15,289 करोड़ रुपए की बोली के साथ बिक गई है। राजस्थान अब दूसरी सबसे महंगी आईपीएल टीम बन गई।

न्यूज एजेंसी पीटीआई ने सोर्स के हवाले से बताया कि भारतीय मूल के अमेरिकी बिजनेसमैन काल सोमानी और उनके

कॉन्सोर्टियम ने राजस्थान के लिए सबसे बड़ी बोली लगाई, जिसे मंजूर कर लिया गया।

आरसीबी और आरआर 2 सबसे महंगी आईपीएल टीमें

आरसीबी सबसे महंगी टीम बनी। वहीं राजस्थान ने लखनऊ सुपर जायंट्स का रिकॉर्ड तोड़ा था। लखनऊ को संजीव गोयनका के आरपीएसजी ग्रुप ने 2021 में 7,090 करोड़ की भारी बोली लगाकर खरीदा था।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की नई ओनरशिप के साथ आदित्य बिड़ला ग्रुप के डायरेक्टर आर्यमान बिड़ला को टीम का चेयरमैन भी बनाया गया। 28 साल के आर्यमान बिड़ला का क्रिकेट और बिजनेस दोनों में अनुभव रहा है। वे पूर्व फर्स्ट क्लास क्रिकेटर हैं और मध्य प्रदेश के लिए रणजी ट्रॉफी खेल चुके हैं।

उन्होंने 16 पारियों में 414 रन बनाए, जिनमें एक शतक शामिल है। 2018 के आईपीएल ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 30 लाख रुपए में खरीदा था, लेकिन उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिले। इसके बाद 2019 में उन्होंने क्रिकेट से ब्रेक ले लिया। क्रिकेट से दूर होने के बाद उन्होंने बिजनेस पर फोकस किया। आर्यमान ने आदित्य बिड़ला ग्रुप के हॉस्पिटैलिटी और वेंचर कैपिटल की शुरुआत की। 2023 में वे ग्रुप की टॉप डिसीजन मेकिंग बॉडी में शामिल हुए। इसके अलावा वे हिंदाल्को इंडस्ट्रीज, ग्रासिम इंडस्ट्रीज और आदित्य बिड़ला फैशन रिटेल जैसी कंपनियों के बोर्ड में भी हैं।

4 कंपनियों के कंसोर्टियम ने पिछली मालिक यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड के साथ एग्रीमेंट साइन किया और आरसीबी के 100% शेयर्स खरीद लिए। इस एग्रीमेंट में आरसीबी की मेंस और विमेंस दोनों टीमें शामिल हैं। विमेंस टीम के नाम 2 विमेंस प्रीमियर लीग टाइटल हैं, वहीं मेंस टीम 2025 में ही पहली बार चैंपियन बनी थी।

केकेआर ने रसेल की जर्सी नंबर 12 रिटायर की

आईपीएल में 11 साल टीम का हिस्सा रहे, 2 बार खिताब जिताया

कोलकाता, 25 मार्च (एजेंसियां)। कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपने पूर्व ऑलराउंडर आंद्रे रसेल के सम्मान में उनकी जर्सी नंबर 12 को रिटायर कर दिया है। रसेल 2014 से 2025 तक टीम का हिस्सा रहे, सिर्फ 2017 सीजन को छोड़कर। पिछले साल नवंबर में उन्होंने IPL से संन्यास लिया और अब टीम के पावर कोच की भूमिका निभा रहे हैं।

केकेआर के लिए खेले 133 मैच, 11 सीजन तक रहे पिलर आंद्रे रसेल का आईपीएल करियर मुख्य रूप से कोलकाता नाइट राइडर्स के इर्द-गिर्द ही रहा। उन्होंने अपने कुल 140 आईपीएल मैचों में से 133 मैच सिर्फ केकेआर के लिए खेले। वे 11 सीजन तक टीम के सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ी बने रहे। रसेल ने न केवल अपनी बल्लेबाजी से, बल्कि अपनी डेथ

ओवर गेंदबाजी से भी टीम को कई मुश्किल मैचों में जीत दिलाई।

2014 और 2024 की खिताबी जीत का रहे हिस्सा रसेल दो बार केकेआर की खिताबी जीत (2014 और 2024) का हिस्सा रहे। 2014 में उन्होंने सिर्फ 2 मैच खेले थे, लेकिन 2024 में टीम को चैंपियन बनाने में उनकी भूमिका सबसे बड़ी रही। उस सीजन में रसेल ने 15 मैचों में 185 के स्ट्राइक रेट से 222 रन बनाए और 19 विकेट भी झटके। गेंदबाजी में उनका औसत 15.52 का रहा, जो किसी भी ऑलराउंडर के लिए बेहतरीन आंकड़ा है।

कोचिंग पर बोले रसेल- खिलाड़ियों को वापस देने का समय है कोच की नई भूमिका को लेकर रसेल ने कहा,'मुझे नहीं लगता कि कोच बनने से मेरी मानसिकता में कोई बदलाव आया है। यह उन खिलाड़ियों को कुछ वापस देने जैसा है जिनके साथ और जिनके खिलाफ मैं सालों तक खेला हूं। मुझे वापस आकर इन लड़कों की मदद करने में बहुत अच्छा लग रहा है।'

ग्लोबल नाइट राइडर्स फैमिली का भी रहे चेहरा रसेल का नाता सिर्फ आईपीएल वाली केकेआर से ही नहीं रहा, बल्कि वे नाइट राइडर्स की अन्य फ्रेंचाइजी के लिए भी खेलते रहे हैं। वे आईएलटी 20 में 'अबू धाबी नाइट राइडर्स' और सीपीएल में 'त्रिनबागो नाइट राइडर्स' का भी हिस्सा रहे। इन दोनों ही टीमों के लिए उन्होंने 4-4 सीजन खेले हैं। इसके अलावा 2014-15 के चैंपियंस लीग टी-20 में भी उन्होंने केकेआर को फाइनल तक पहुंचाने में मदद की थी।

डकेट ने आईपीएल से नाम वापस लिया

2 साल के बैन का खतरा; सीएसके ने एलिस की जगह जॉनसन को किया शामिल

लंदन, 25 मार्च (एजेंसियां)। इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट ने आईपीएल 2026 से नाम वापस ले लिया है। खराब फॉर्म के बीच अपने टेस्ट करियर पर ध्यान देने के लिए उन्होंने यह फैसला लिया। हालांकि, आखिरी समय पर हटने के कारण उन्हें आईपीएल से दो साल के बैन का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि पिछले साल फ्रेंचाइजियों ने ऐसे विदेशी खिलाड़ियों पर सख्ती करने का फैसला किया था।

वहीं, चेन्नई सुपर किंग्स ने ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन को टीम में शामिल किया है। उन्हें चोटिल नाथन एलिस की जगह रिप्लेसमेंट के तौर पर 1.5 करोड़ रुपये की बेस प्राइस पर साइन किया गया है। एलिस पुरानी हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। दिसंबर में हुए ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने बेन डकेट को

2 करोड़ रुपये में खरीदा था। डकेट पहली बार आईपीएल खेलने वाले थे, लेकिन टीम में विदेशी खिलाड़ी के स्लॉट के लिए उन्हें श्रीलंका के पथुम निसांका से कड़ी टक्कर मिल रही थी। प्लेइंग इलेवन में जगह पक्की न होने और फॉर्म के संकट को देखते हुए उन्होंने भारत आने के बजाय नॉटिंघमशायर के लिए काउंटी चैंपियनशिप खेलने का फैसला किया है।

31 साल के डकेट ने 'द टेलीग्राफ' से बातचीत में कहा,'यह बहुत कठिन फैसला था और मैं दिल्ली कैपिटल्स के सभी लोगों से माफी मांगता हूं। जब मुझे ऑक्शन में चुना गया था, तब मैं बहुत उत्साहित था। आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी लीग है, लेकिन मैंने अपने करियर के बारे में बहुत सोचा और मुझे लगा कि अभी यही सही फैसला है। शायद 31 की उम्र में मुझे दोबारा मौका मिलना मुश्किल हो, पर मुझे उम्मीद है कि मैं भविष्य में दिल्ली का प्रतिनिधित्व कर सकूंगा।' स्पेंसर जॉनसन ने पाकिस्तान सुपर लीग 2026 के लिए क्वेटा ग्लैडिएटर्स के साथ करार किया था, लेकिन टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही निजी कारणों का हवाला देते हुए उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया। अब इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स के साथ जुड़ना उनके करियर की नई शुरुआत माना जा रहा है।

साइप्रस शतरंज महासंघ ने कोनेरू हम्पी के फैसले पर उठाए सवाल

आयोजकों के अनादर का लगाया आरोप

खेल डेस्क, 25 मार्च (एजेंसियां)। साइप्रस शतरंज महासंघ (सीसीएफ) के प्रमुख क्रिटन टोर्नारिटिस ने भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी के प्रतिष्ठित कैंडिडेट्स टूर्नामेंट से हटने को गलत फैसला करार दिया है। उनका कहना है कि इस तरह के फैसले से निराधार चिंताएं फैलती हैं तथा यह खिलाड़ियों और आयोजकों दोनों के प्रति अनादर को दर्शाता है। सीसीएफ के अध्यक्ष टोर्नारिटिस ने क्षेत्र में सुरक्षा चिंताओं के कारण कैंडिडेट्स टूर्नामेंट से हटने के लिए भारत की दो बार के विश्व रैपिड चैंपियन हम्पी की कड़ी आलोचना की और कहा कि इस तरह के फैसले खेल को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। हम्पी ने खाड़ी क्षेत्र में चल रहे संघर्ष के कारण सुरक्षा चिताओं का हवाला देते हुए 28 मार्च से शुरू होने वाले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया। साइप्रस उस अस्थिर क्षेत्र के निकट है जहां ईरान तथा अमेरिका और इज़राइल के बीच तनाव बढ़ गया है।

टोर्नारिटिस ने एक्स पर लिखा, साइप्रस शतरंज महासंघ के अध्यक्ष के रूप में मैं कोनेरू हम्पी के साइप्रस को असुरक्षित बताते हुए नाम वापस लेने के फैसले से बेहद निराश हूं। महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 दुनिया की सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण शतरंज प्रतियोगिताओं में से एक है। यह सरासर गलत है। निराधार चिंताओं को फैलाना खेल को नुकसान पहुंचाता है और यह इसमें शामिल आयोजकों और खिलाड़ियों के प्रति अनादर को दर्शाता है।

नौ साल बाद लिवरपूल का साथ छोड़ेंगे फुटबॉलर सालाह

क्या मैनेजर स्लॉट से विवाद के बाद लिया फैसला?

लंदन, 25 मार्च (एजेंसियां)। सालाह के भविष्य को लेकर अब अटकलों का बाजार गर्म है। कई बड़े यूरोपीय क्लबों के उनसे संपर्क साधने की खबरें आ रही हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि वह किस क्लब के साथ जाते हैं और क्या वह अपनी पुरानी लय को फिर से हासिल कर पाते हैं। लिवरपूल के लिए, यह एक युग का अंत है और उन्हें अब इस बड़े नुकसान की भरपाई के लिए एक नई रणनीति बनानी होगी।

मिस्र के दिग्गज फुटबॉलर मोहम्मद सालाह ने लिवरपूल फुटबॉल क्लब को छोड़ने की घोषणा कर दी है। इस सीजन के अंत के साथ ही उनका लिवरपूल के साथ कॉन्ट्रैक्ट समाप्त हो जाएगा। उनके कॉन्ट्रैक्ट को रीन्यू नहीं किया जाएगा। इसकी घोषणा उनके साथ ही क्लब ने भी कर दी है। हालांकि, सवाल यह उठ रहे हैं कि सालाह लिवरपूल के अहम स्ट्राइकर माने जाते हैं। इसके बाद ऐसी क्या बात हो गई कि सालाह को उस टीम का साथ छोड़ना पड़ रहा है, जिसको लेकर उन्होंने कभी कहा था कि वह यहीं से रिटायरमेंट तक खेलना चाहते हैं।

मोहम्मद सालाह ने सोशल मीडिया के जरिए यह जानकारी दी। अपने भावुक वीडियो मैसेज में उन्होंने कहा कि वह चाहते थे कि उनके समर्थक यह खबर सीधे उनसे सुनें। उन्होंने इसे अपने फेयरवेल का पहला हिस्सा बताया, जो दर्शाता है कि आने वाले समय में और भी विदाई संदेश सामने आ सकते हैं।

दरअसल, सालाह और लिवरपूल के बीच विवाद की शुरुआत दिसंबर 2025 से हुई। सालाह ने सीधे तौर पर मैनेजर आर्ने स्लॉट पर गंभीर आरोप लगाए। सालाह ने दावा किया कि क्लब ने उन्हें प्लेइंग-11 में मौका न देकर ऐसे अपमानित किया मानो कि बस के नीचे फेंक दिया है। यह बयान तब आया जब सलाह को लगातार तीन मैचों में बेंच पर बैठाया गया था। उन्होंने अपने योगदान को कमतर आंके जाने की बात कही, जिससे टीम के भीतर और सार्वजनिक रूप से एक तनावपूर्ण माहौल बन गया। इससे टीम के मनोबल पर भी असर पड़ा। इस बयान के लगभग तीन महीने बाद सालाह ने टीम छोड़ने का एलान कर दिया।

रोहित शर्मा भी छूटे पीछे, एमिलिया केर ने जड़ा तूफानी शतक

रच दिया टी20 क्रिकेट का सबसे बड़ा इतिहास

हैगली ओवल, 25 मार्च (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड की स्टार ऑलराउंडर एमिलिया केर ने महिला क्रिकेट में एक नया इतिहास रच दिया है। क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 5वें टी20 मैच में केर ने महज 55 गेंदों पर 105 रनों की तूफानी पारी खेलकर न केवल अपनी टीम को जीत दिलाई, बल्कि विश्व क्रिकेट के कई बड़े दिग्गजों को पीछे छोड़ते हुए एक अविश्वसनीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

एमिलिया केर अब टी20 अंतरराष्ट्रीय (पुरुष और महिला दोनों) में लगातार सबसे ज्यादा बार 30 या उससे अधिक का स्कोर बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने लगातार 11 पारियों में यह कारनामा किया है। इस मामले में उन्होंने श्रीलंका की चमारी अटापट्टू और रोमानिया की रेबेका ब्लेक (9 बार) का रिकॉर्ड तोड़ा। दिलचस्प बात यह है कि पुरुष क्रिकेट में यह रिकॉर्ड संयुक्त रूप से रोहित शर्मा, मोहम्मद रिजवान और अभिषेक शर्मा (7 बार) के नाम है, जिन्हें केर ने काफी पीछे छोड़ दिया है।

11 पारियों में 669 रन और 12 विकेट का गोल्डन रन

पिछले कुछ समय से एमिलिया केर प्रचंड फॉर्म में हैं। अपनी पिछली 11 पारियों में उन्होंने 140 से अधिक के स्ट्राइक रेट से कुल 669 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे जैसी टीमों के खिलाफ बड़े स्कोर बनाए, जिनमें दो शतक (105 और 101 रन) भी शामिल हैं।

कांतारा स्टाइल में अरुण जेटली स्टेडियम पहुंचे केएल राहुल

दिल्ली कैपिटल्स के लिए 6000 रनों के महा-रिकॉर्ड पर नजर

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। केएल राहुल दिल्ली कैपिटल्स के ट्रेनिंग कैंप से जुड़ गए हैं और उनका 'कांतारा' सेलिब्रेशन चर्चा में है। पिछले सीजन में दिल्ली के लीडिंग रन-स्कोरर रहे राहुल इस साल 6,000 आईपीएल रनों का मील का पत्थर पार करने के करीब हैं। दिल्ली अपना पहला मैच 1 अप्रैल को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेलेगी।

नई दिल्लीः भारतीय स्टार बल्लेबाज केएल राहुल आईपीएल 2026 सीजन के लिए दिल्ली कैपिटल्स के खेमे से जुड़ गए हैं। अरुण जेटली स्टेडियम में उनके आगमन का वीडियो फ्रैंचाइजी

ने साझा किया है, जिसमें राहुल अपने अब तक के सबसे चर्चित कांतारा सेलिब्रेशन अंदाज में मैदान पर कदम रखते नजर आ रहे हैं। इसका वीडियो भी काफी तेजी से वायरल हो रहा है।

मैदान पर उतरते ही केएल राहुल ने अपनी छाती ठोककर और बल्ले को गोलाकार घुमाकर वही जश्न मनाया, जो पिछले सीजन में आरसीबी के खिलाफ उनकी 93 रनों की नाबाद पारी के बाद वायरल हुआ था। कन्नड़ फिल्म कांतारा से प्रेरित यह सेलिब्रेशन राहुल के आक्रामक तेवरों को दर्शाता है। पिछले सीजन में दिल्ली के लिए खेलते हुए राहुल ने 13 मैचों में 53.90 की औसत और लगभग 150 के स्ट्राइक रेट से 539 रन बनाए थे, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल थे।

अवैध नारियल पाउडर निर्माण का भंडाफोड़

एक आरोपी गिरफ्तार

21 लाख रुपये मूल्य का माल जब्त

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स की गोलकोंडा जोन टीम ने खैरताबाद जोन और गोशामहल पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध नारियल पाउडर निर्माण इकाई का भंडाफोड़ किया। इस दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में मिलावटी नारियल पाउडर और अन्य सामग्री जब्त की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नकौल मारोटिया (31) के रूप में हुई है, जो बेगम बाजार क्षेत्र का निवासी है और नारियल कारोबार से जुड़ा हुआ है।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कुल 21 लाख रुपये मूल्य की सामग्री बरामद की, जिसमें 8300 किलोग्राम मिलावटी नारियल पाउडर,3 सील पैकिंग मशीनें, 3 वजनी मशीनें, 200 ग्राम के 400 पैकिंग कवर शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी बेगम बाजार स्थित 'बालाजी पुरुषोत्तम कोकोनट बिजनेस शॉप' में अवैध रूप से नारियल पाउडर तैयार कर रहा था। वह कर्नाटक से कम गुणवत्ता वाला ढीला नारियल पाउडर सस्ते दामों पर खरीदता था और उसे 'चेतक' ब्रांड के पैकेट में भरकर असली उत्पाद के रूप में बेचता था। आरोपी पैकेटों पर न तो बैच नंबर, न एक्सपायरी डेट और न ही वैध लाइसेंस या फूड सेफ्टी प्रमाणपत्र का उल्लेख करता था, जिससे वह ग्राहकों को धोखा देकर अवैध रूप से मुनाफा कमा रहा था। सूचना के आधार पर टास्क फोर्स टीम ने दुकान पर छापा मारकर अस्वच्छ नारियल पाउडर और अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की। इस मामले में गोशामहल पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 274 और एफएसएसएआई की धारा 57(ii) के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आंडे श्रीनिवास राव के नेतृत्व में की गई, जिसमें टास्क फोर्स और स्थानीय पुलिस के अधिकारियों की अहम भूमिका रही।

पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त उपलब्धता घबराकर खरीदारी न करें : तेल कंपनियां

हैदराबाद में पेट्रोल पंपों पर लंबी कतार, ग्रामीण इलाके में स्थिति सामान्य

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ऑयल मार्केटिंग कंपनियां) ने जनता को आश्वस्त किया है कि हैदराबाद सहित पूरे तेलंगाना में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है।

कंपनियों के सभी पेट्रोलियम टर्मिनल और आपूर्ति केंद्र पूरी तरह भरे हुए हैं और खुदरा आउटलेट्स तक ईंधन की आपूर्ति सुचारू रूप से जारी है ताकि ग्राहकों की मांग पूरी की जा सके। कुछ स्थानों पर घबराहट में ईंधन की अधिक खरीदारी देखी गई है, जिससे कुछ पेट्रोल पंपों पर अस्थायी रूप से उपलब्धता प्रभावित हुई। कंपनियों ने स्पष्ट किया कि पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है और यह स्थिति केवल मांग में अचानक बढ़ोतरी के कारण बनी है।

इस समस्या से निपटने के लिए प्रभावित आउटलेट्स को प्राथमिकता के आधार पर आपूर्ति दी जा रही है और पेट्रोल पंपों पर स्टॉक की लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि स्थिति जल्द सामान्य हो सके। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने जनता से अपील की है कि वे घबराकर खरीदारी या अनावश्यक भंडारण न करें, क्योंकि आपूर्ति प्रणाली सामान्य रूप से काम कर रही है और पर्याप्त ईंधन उपलब्ध है। साथ ही, जनता को यह भी सलाह दी गई है कि वे पेट्रोल को प्लास्टिक के डिब्बों, बोतलों या अन्य असुरक्षित कंटेनरों में संग्रहित करने से बचें, क्योंकि यह गंभीर सुरक्षा खतरा पैदा कर सकता है। कंपनियों ने कहा कि वे निर्बाध ईंधन उपलब्धता और ग्राहक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। रिफाइनरियों से आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है और उत्पादन भी बढ़ाया गया है, ताकि पूरे तेलंगाना में पेट्रोल और डीजल की निरंतर उपलब्धता बनी रहे। उधर, हैदराबाद में पेट्रोल पंपों लंबी कतार लगी रही। कई पेट्रोल पंपों पर नो स्टाक का बोर्ड लगा रहा। जबकि तेंलगाना के ग्रामीण इलाके में स्थिति सामान्य है। ग्रामीण क्षेत्रों में सामान्य रूप से आपूर्ति जारी है। प्रशासन की स्थित पर नजर बनी हुई है। अधिकारियों का कहना है कि केवल अफवाहों के कारण अधिक स्टाक लेने की होड़ मची हुई है।

पेट्रोल की परेशानी क्यों झेलें, जब आरटीसी बसें मौजूद : वाई. नागिरेड्डी

तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम की पहल, किराए में छूट

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वर्तमान युद्ध जैसे माहौल और ईंधन संकट की स्थिति को देखते हुए तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम ने आम जनता को राहत देने के लिए अहम फैसला लिया है। पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारों में खड़े होकर परेशान हो रहे वाहन चालकों को ध्यान में रखते हुए निगम ने सस्ती और सुविधाजनक यात्रा का विकल्प पेश किया है। निगम के वाइस चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक वाई. नागिरेड्डी ने घोषणा की है कि हैदराबाद शहर में मेट्रो एसी और मेट्रो डीलक्स बसों के किराए में 30 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। इस अवसर पर उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा, 'पेट्रोल की परेशानी क्यों झेलें, जब आरटीसी बसें मौजूद हैं! नागिरेड्डी ने कहा कि पेट्रोल के लिए किलोमीटर लंबी कतारों में लगकर समय बर्बाद करने की जरूरत नहीं है। निजी वाहनों के बजाय आरटीसी बसों से यात्रा कर लोग सुरक्षित और तेजी से अपने गंतव्य तक पहुंच सकते हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा ईंधन संकट के समय हर बूंद पेट्रोल कीमती है। ऐसे में सार्वजनिक परिवहन अपनाने से ईंधन की बचत होगी, जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी फायदेमंद है। सड़कों पर वाहनों की संख्या कम होने से ट्रैफिक और प्रदूषण दोनों घटेंगे। खासकर इलेक्ट्रिक बसों में यात्रा कर नागरिक पर्यावरण संरक्षण में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। एसी बसों को महंगा मानने वाले यात्रियों के लिए 30 प्रतिशत की छूट बड़ा अवसर है। इससे कम खर्च में आरामदायक और सुरक्षित यात्रा संभव होगी। नागिरेड्डी ने शहरवासियों से अपील की, 'पेट्रोल पंपों पर भीड़ न लगाएं, सुरक्षित रूप से बसों में सफर करें और आरामदायक यात्रा का आनंद लें।' निगम ने उम्मीद जताई है कि शहर के लोग इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाकर ट्रैफिक और पेट्रोल की समस्याओं से राहत पाएंगे।

दल-बदल मामले में तेलंगाना हाई कोर्ट का सख्त रुख

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने बुधवार को राज्य की राजनीति में आए 'दल-बदल' के भूचाल पर महत्वपूर्ण सुनवाई करते हुए विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) गद्दाम प्रसाद कुमार और सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल हुए सात विधायकों को नोटिस जारी किया है। अदालत ने यह कदम उन याचिकाओं पर उठाया है, जिनमें स्पीकर के उस हालिया फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसके तहत उन्होंने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के 10 बागी विधायकों के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं को खारिज कर दिया था। उच्च न्यायालय ने विधानसभा अध्यक्ष के साथ-साथ विधायक दानम नागेंद्र, अरेकापुडी गांधी, काले यदैया, टी प्रकाश गौड़, पोचारम श्रीनिवास रेड्डी, बंदला कृष्ण मोहन रेड्डी और तेल्लम वेंकट राव को जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। इस मामले की अगली सुनवाई अब 16 अप्रैल के लिए तय की गई है। अदालत की इस कार्रवाई से उन विधायकों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं जिन्होंने चुनाव के बाद पाला बदला है। बीआरएस ने 'दल-बदल विरोधी कानून' के तहत इन विधायकों को अयोग्य घोषित करने की मांग को लेकर हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। पार्टी का तर्क है कि विधानसभा अध्यक्ष ने सबूतों के अभाव का हवाला देते हुए अयोग्यता याचिकाओं को खारिज कर दिया, जो कि तकनीकी रूप से गलत है। बीआरएस के अनुसार, यह फैसला प्रभावी रूप से उन विधायकों को 'क्लीन चिट' देने जैसा है जिन्होंने जनादेश का अपमान कर दूसरी पार्टी का हाथ थामा है। पार्टी ने मांग की है कि लोकतांत्रिक मर्यादाओं की रक्षा के लिए इन विधायकों की सदस्यता रद्द की जाए।

स्पीकर को निर्देश न दें: श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने बीआरएस सदस्यों को चेतावनी देते हुए कहा कि सदन की कार्यवाही कैसे चलनी चाहिए, इस पर स्पीकर को निर्देश देने की कोशिश करना स्वस्थ परंपरा नहीं है। श्रीधर बाबू ने सवाल उठाया कि विपक्ष अब वैसा ही व्यवहार कैसे कर सकता है जैसा वह सत्ता में रहते हुए करता था, जब वह कार्यवाही को जबरन आगे बढ़ाता था। बुधवार को विधानसभा में मंत्रियों द्वारा विधेयक पेश किए जाने के दौरान बीआरएस सदस्यों की आपत्तियों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि हरीश राव में विधानमंडल दल के नेता चुने जाने के सभी गुण मौजूद हैं। उन्होंने टिप्पणी की कि हरीश राव इस पद को संभालने में पूरी तरह सक्षम हैं। मंत्री ने आगे कहा कि उपनेता के रूप में हर बार माइक्रोफोन मांगने पर देना संभव नहीं है। श्रीधर बाबू ने कहा कि यदि हरीश राव विधानमंडल दल के नेता की सीट पर बैठते, तो उन्हें आवश्यकतानुसार बोलने का अवसर मिलता।

खेत में करंट लगने से चरवाहे की दर्दनाक मौत

करीमनगर, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के सैदापुर मंडल अंतर्गत सरवाईपेटा गांव में बुधवार को एक हृदय विदारक घटना सामने आई, जहाँ करंट की चपेट में आने से एक चरवाहे की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान बोल्ली सम्मैया के रूप में हुई है। ग्रामीणों के अनुसार, सम्मैया हर रोज की तरह अपनी भेड़ों के झुंड को चराने के लिए गांव के बाहरी इलाके में ले गया था, जहाँ वह इस हादसे का शिकार हो गया। जांच में यह बात सामने आई है कि मदपुर क्षेत्र के स्थानीय किसानों ने अपनी फसलों को बंदरों के आतंक से बचाने के लिए खेतों के चारों ओर अवैध रूप से बिजली की बाड़ लगा रखी थी। सम्मैया ने अनजाने में इस बाड़ को पार करने की कोशिश की, जिससे उसे बिजली का जोरदार झटका लगा और उसने तुरंत दम तोड़ दिया। इस हादसे में सम्मैया के साथ-साथ उसकी दो भेड़ों की भी करंट लगने से मौत हो गई है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

तेलंगाना के सरकारी अस्पताल बने 'ट्रेनिंग सेंटर'

विशेषज्ञ डॉक्टरों का कॉर्पोरेट की ओर पलायन जारी

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सरकारी शिक्षण अस्पतालों से हर साल लगभग 1,500 अनुभवी मेडिकल स्नातकोत्तर (पीजी) छात्र अपनी पढ़ाई पूरी कर निकलते हैं, जो पहले ही दिन से विशेषज्ञ डॉक्टर के रूप में काम करने में सक्षम होते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि राज्य सरकार इस तैयार प्रतिभा को रोकने में विफल साबित हो रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि करदाताओं के पैसे से चलने वाले ये अस्पताल अब निजी कॉर्पोरेट अस्पतालों के लिए 'प्रशिक्षण केंद्र' बनकर रह गए हैं, जहाँ डॉक्टर अनुभव लेते हैं और फिर सरकारी भर्ती में देरी के कारण निजी क्षेत्र का रुख कर लेते हैं।

स्वास्थ्य सुधार डॉक्टर संघ के अनुसार, सरकारी अस्पतालों में स्थायी पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया पूरी होने में 6 महीने से लेकर एक साल तक का समय लग जाता है। इसके विपरीत, बंजारा हिल्स और गाचीबोवली जैसे इलाकों के कॉर्पोरेट अस्पताल एक महीने के भीतर ही इन डॉक्टरों को आकर्षक पैकेजों पर नियुक्त कर लेते हैं। वरिष्ठ डॉक्टरों का कहना है कि एक विशेषज्ञ डॉक्टर सरकारी अधिसूचना के इंतजार में महीनों बेरोजगार नहीं बैठ सकता। जब तक सरकार की चयन सूची जारी होती है, तब तक सबसे प्रतिभाशाली डॉक्टर निजी अस्पतालों के साथ अनुबंध कर चुके होते हैं।

राज्य में डॉक्टरों की कमी का आंकड़ा भी डराने वाला है। वर्तमान में सरकारी अस्पतालों में कुल 5,625 पद रिक्त हैं और शिक्षण पदों में से 62 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं। भर्ती की वर्तमान कछुआ चाल (प्रति वर्ष 250 से 300 डॉक्टर) को देखते हुए, इन रिक्तियों को भरने में लगभग 12 साल लगेंगे। डॉक्टरों के संगठनों ने सरकार से मांग की है कि इस 'प्रतिभा पलायन' को रोकने के लिए एक वार्षिक भर्ती कैलेंडर बनाया जाए।

ईंधन और यूरिया की कमी पर बीआरएस का स्थगन प्रस्ताव

सरकार से कार्य योजना की मांग

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) विधायक दल ने बुधवार को विधानसभा में स्थगन प्रस्ताव पेश कर अंतरराष्ट्रीय तनाव के कारण पैदा हुई ईंधन और यूरिया की किल्लत पर चर्चा की मांग की। बीआरएस नेताओं ने अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और यूरिया की उपलब्धता को लेकर जनता की चिंताओं को सदन के सामने रखा।

पार्टी ने मांग की है कि केंद्र और राज्य सरकारें एक-दूसरे पर दोषारोपण करने के बजाय इस संकट से निपटने के लिए एक ठोस कार्य योजना की घोषणा करें।

विधानसभा के मीडिया पॉइंट पर पत्रकारों से बात करते हुए, बीआरएस के सचेतक और कुतबुल्लापुर के विधायक केपी विवेकानंद ने कहा कि ईंधन और रसोई गैस की अपर्याप्त आपूर्ति के कारण आम जनता को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि न तो केंद्र सरकार और न ही राज्य सरकार जनता को पर्याप्त स्टॉक बनाए रखने के बारे में कोई स्पष्ट आश्वासन दे रही है। विधायक ने जोर देकर कहा कि यदि समय रहते उचित योजना बनाई जाती, तो आज प्रदेश में ऐसे हालात पैदा नहीं होते।

केपी विवेकानंद ने सरकार को घेरते हुए कहा कि हाल ही में किसानों को यूरिया की भारी कमी के कारण काफी परेशानी झेलनी पड़ी थी और अब ईंधन संकट ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। उन्होंने राज्य सरकार पर केंद्र के साथ समन्वय करने में विफल रहने का आरोप लगाया। बीआरएस ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही पेट्रोल, डीजल और गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की गई, तो जनता का दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित होगा और पार्टी इसके खिलाफ बड़ा आंदोलन करेगी।

ईंधन संकट से आदिलाबाद में हाहाकार

50% पेट्रोल पंप खाली, लगीं लंबी कतारें

आदिलाबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पश्चिम एशिया (मिडल ईस्ट) में जारी युद्ध और संघर्ष के चलते उत्पन्न हुए वैश्विक तनाव का असर अब आदिलाबाद जिले की सड़कों पर साफ दिखाई देने लगा है। पेट्रोल और डीजल की संभावित कमी की अफवाहों और आशंकाओं के बीच बुधवार को पूर्व आदिलाबाद के अधिकांश पेट्रोल पंपों पर वाहनों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। आलम यह रहा कि जिले के लगभग 50 प्रतिशत पेट्रोल पंपों पर ईंधन का स्टॉक पूरी तरह खत्म हो गया, जिसके कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

आदिलाबाद, निर्मल, मंचरियाल और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों में सुबह से ही ईंधन भरवाने के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। स्थिति इतनी गंभीर थी कि लोग भविष्य की जरूरतों के लिए प्लास्टिक के डिब्बों और बोतलों में तेल भरवाते नजर आए। भारी मांग के चलते स्टॉक तेजी से खत्म हो गया, जिससे ग्राहकों में नाराजगी देखी गई। लंबी कतारों में घंटों इंतजार करने के कारण नौकरीपेशा लोगों को दफ्तर पहुँचने में देरी हुई और आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। उपभोक्ताओं ने सरकार से मांग की है कि ईंधन की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं।

दूसरी ओर, पेट्रोल पंप मालिकों ने इस संकट पर अपनी बेबसी जाहिर की है। उनका कहना है कि प्रमुख तेल कंपनियां अब पहले की तरह अग्रिम स्टॉक जारी नहीं कर रही हैं, जबकि पिछले कुछ दिनों में अचानक बिक्री में बेतहाशा वृद्धि हुई है। हालांकि, प्रशासन ने दावा किया है कि तेल की कमी घबराहट में की गई खरीदारी (पैनिक बाइंग) के कारण हुई है। राजस्व अधिकारी तेल कंपनियों के साथ समन्वय कर रहे हैं ताकि आपूर्ति बहाल की जा सके। इसी बीच, निर्मल और आदिलाबाद के कई हिस्सों में एलपीजी सिलेंडर की कमी की खबरों के बाद उपभोक्ताओं द्वारा गैस एजेंसियों पर धावा बोलने की खबरें भी सामने आई हैं।

राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में संलिप्तता का आरोप

हैदराबाद से महिला हिरासत में

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) सेल ने राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में कथित संलिप्तता के आरोप में हैदराबाद के चंचलगुडा इलाके से एक महिला को हिरासत में लिया है। पकड़ी गई महिला की पहचान 35 वर्षीय सईदा बेगम के रूप में हुई है, जो चंचलगुडा रोड स्थित जैखा होटल के पास रहती है। सीआई सेल और विजयवाड़ा पुलिस की एक संयुक्त टीम ने तड़के सईदा के आवास पर छापेमारी की और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए विजयवाड़ा ले गई। इस पूरे ऑपरेशन में हैदराबाद पुलिस की एक टीम ने आंध्र प्रदेश पुलिस का सहयोग किया।

यह कार्रवाई आंध्र प्रदेश पुलिस द्वारा एक बड़ी आपराधिक साजिश के पर्दाफाश के बाद की गई है। इस मामले में पहले ही आंध्र प्रदेश निवासी मोहम्मद रहमतुल्ला शरीफ, मोहम्मद दानिश और मिर्जा सोहेल बेग को गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच में यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि मुख्य आरोपी रहमतुल्ला शरीफ सोशल मीडिया के जरिए 'अल-हाकिम शकूर' नामक एक विदेशी एजेंट के संपर्क में था। आरोप है कि अल-हाकिम ने उसे 'जिहाद' के लिए उकसाया और उसे अन्य कट्टरपंथी तत्वों के साथ मिलकर नेटवर्क विस्तार करने का निर्देश दिया था।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, विदेशी हैंडलर ने ही रहमतुल्ला को बिहार के शादमान दिलकश और हैदराबाद की सईदा बेगम के साथ हाथ मिलाने की सलाह दी थी। आरोप है कि ये सभी कथित तौर पर प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन 'एक्यूआईएस' से जुड़ी जिहादी गतिविधियों में शामिल थे। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि सईदा बेगम इस नेटवर्क में किस स्तर पर सक्रिय थी और क्या वह स्थानीय स्तर पर किसी बड़ी साजिश को अंजाम देने की योजना बना रही थी। सुरक्षा एजेंसियां इस मामले के अन्य अंतरराष्ट्रीय संबंधों को भी खंगाल रही हैं।

आतंकी नेटवर्क पर बड़ा प्रहार

आंध्र पुलिस ने 7 राज्यों से दबोचे 12 संदिग्ध, बड़ी साजिश का खुलासा

अमरावती, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश पुलिस ने एक बड़े अंतरराज्यीय ऑपरेशन के तहत आतंकवाद से जुड़े होने के संदेह में 12 लोगों को गिरफ्तार कर एक खतरनाक नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। बुधवार को पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस समन्वित बहु-राज्यीय अभियान को अंजाम देने के लिए बिहार, दिल्ली, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और राजस्थान में विशेष टीमें तैनात की गई थीं। गिरफ्तार किए गए 12 संदिग्धों में से तीन आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा के निवासी हैं, जिनकी पहचान मोहम्मद रहमतुल्लाह शरीफ, मिर्जा सोहेल बेग और मोहम्मद दानिश के रूप में हुई है।

जांच में यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि ये संदिग्ध 'अल-कायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट' और 'इस्लामिक स्टेट' जैसे प्रतिबंधित संगठनों के विदेशी हैंडलर्स के सीधे संपर्क में थे। इन तीनों ने युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और उन्हें 'जिहाद' के लिए तैयार करने के उद्देश्य से 'अल मलिक इस्लामिक यूथ' नामक एक गुप्त समूह बनाया था। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी रहमतुल्लाह शरीफ अंतरराष्ट्रीय आतंकी नेताओं के नफरत भरे भाषणों से प्रभावित था और सोशल मीडिया पर चरमपंथी सामग्री साझा करता था। उसने लेजर मार्किंग पेशेवर दानिश और रेस्तरां कर्मी सोहेल बेग के साथ मिलकर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए इस नेटवर्क को फैलाया।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि ये आरोपी 'ग़ज़वा-ए-हिंद' की विचारधारा पर काम कर रहे थे और भारत को एक इस्लामी राज्य में बदलने का घोषित उद्देश्य रखते थे। आरोपी न केवल राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने और राष्ट्रगान का मजाक उड़ाने जैसी गतिविधियों में शामिल थे, बल्कि वे खुद को 'मुजाहिदीन' के रूप में पेश करते हुए ओसामा बिन लादेन जैसे आतंकियों की नकल भी करते थे। जांच में यह भी सामने आया है कि वे प्रशिक्षण के लिए एक महीने के भीतर पाकिस्तान जाने की तैयारी कर रहे थे और अन्य युवाओं को भी पाकिस्तान व अफगानिस्तान में आतंकी प्रशिक्षण लेने के लिए उकसा रहे थे। फिलहाल, इस नेटवर्क की अन्य कड़ियों को जोड़ने के लिए पुलिस की जांच जारी है।

ईंधन की कमी की खबरें महज अफवाह

एसपी नितिका पंत ने जनता से शांति बनाए रखने की अपील की

आसिफाबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कुमराम भीम आसिफाबाद जिले में पेट्रोल और डीजल की किल्लत को लेकर फैली खबरों के बीच पुलिस अधीक्षक (एसपी) नितिका पंत ने स्थिति स्पष्ट की है। बुधवार को जारी एक आधिकारिक बयान में उन्होंने जनता से आग्रह किया कि वे सोशल मीडिया पर फैल रही ईंधन की कमी की अफवाहों पर कतई भरोसा न करें। उन्होंने पुष्टि की कि जिले में पेट्रोल और डीजल दोनों का पर्याप्त भंडार मौजूद है और आपूर्ति शृंखला पूरी तरह सामान्य है।

एसपी नितिका पंत ने कहा कि पिछले कुछ घंटों से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पेट्रोल की कमी की भ्रामक खबरें वायरल हो रही हैं, जिससे आम लोग चिंतित होकर भारी संख्या में पेट्रोल पंपों पर उमड़ रहे हैं। उन्होंने उपभोक्ताओं को सलाह दी कि वे घबराहट में आकर आवश्यकता से अधिक ईंधन न खरीदें, क्योंकि बेवजह भीड़ बढ़ने से दूसरों को असुविधा हो रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले की ईंधन जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रशासन के पास पर्याप्त स्टॉक है और किसी भी नागरिक को परेशान होने की जरूरत नहीं है।

अधीक्षक ने फर्जी खबरें फैलाने और जनता में दहशत पैदा करने वाले शरारती तत्वों को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ पुलिस कड़ी कानूनी कार्रवाई करेगी। इसके साथ ही, पुलिस ने उन लोगों को भी चेतावनी दी है जो इस स्थिति का फायदा उठाकर तेल का अवैध भंडारण कर रहे हैं या उपभोक्ताओं को अधिक दाम पर ईंधन बेचकर ठगने की कोशिश कर रहे हैं। प्रशासन पूरी स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.